खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | बुधवार, 29 जुलाई, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-207

हाइड्रामा

रेवंत : नहीं रुकेगा अभियान

ओम प्रकाश सिरवी

हैदराबाद, 28 जुलाई । तेलंगाना में अवैध निर्माणों, सरकारी भूमि और जल निकायों (तालाब, झील, नालों आदि) पर हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए गठित हाइड्रा को लेकर राजनीतिक और कानूनी विवाद अपने चरम पर पहुंच गया है। एक ओर तेलंगाना उच्च न्यायालय ने हाल की सुनवाई के दौरान हाइड्रा की कार्यप्रणाली पर गंभीर आपत्तियां व्यक्त करते हुए कड़े निर्देश दिए हैं, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट कर दिया है कि राज्य सरकार इस अभियान को किसी भी परिस्थिति में रोकने वाली नहीं है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार न्यायपालिका का पूरा सम्मान करती है और उच्च न्यायालय के आदेशों का विधिक परीक्षण किया जाएगा। सरकार के विधि विशेषज्ञ और वरिष्ठ अधिकारी न्यायालय की टिप्पणियों तथा आदेशों का विस्तार से अध्ययन करेंगे और कानून के अनुरूप आगे की रणनीति तय करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो सरकार उपलब्ध कानूनी उपायों का भी सहारा लेगी, लेकिन जनहित में चलाया जा रहा अतिक्रमण विरोधी अभियान जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद की झीलों, तालाबों, नालों और सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उनका कहना था कि वर्षों से सार्वजनिक संपत्तियों पर अवैध कब्जों के कारण पर्यावरण को नुकसान पहुंचा है, जल निकाय सिकुड़ गए हैं और बरसात के दौरान जलभराव जैसी गंभीर समस्याएं पैदा हुई हैं। इन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए हाइड्रा का गठन किया गया और यह अभियान किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि कानून के समान अनुपालन के लिए चलाया जा रहा है।

रेवंत रेड्डी ने विपक्ष और प्रभावित लोगों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जिन लोगों के अवैध निर्माणों पर कार्रवाई हुई है, वही लोग सोशल मीडिया पर भारी धन खर्च कर सरकार और हाइड्रा के खिलाफ प्रायोजित दुष्प्रचार चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे प्रचार से प्रभावित नहीं होगी और केवल कानून तथा जनहित के आधार पर निर्णय लेगी।

▶8पर

सूत्रों के हवाले से...

हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ को लेकर तेलंगाना सरकार कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस सरकार उन्हें पद पर बनाए रखने अथवा उनके संबंध में उपलब्ध कानूनी उपायों की संभावनाओं का परीक्षण कर रही है।

गौरतलब है कि तेलंगाना हाईकोर्ट की एकल पीठ ने न्यायालय की अवमानना से जुड़े मामले में ए.वी. रंगनाथ को आयुक्त पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, इस आदेश के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्यवाही की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी हाइड्रा को अपनी प्रमुख प्रशासनिक पहल मानते हैं। इसी कारण सरकार इस मामले में वरिष्ठ विधि विशेषज्ञों से परामर्श कर रही है।

बताया जा रहा है कि मुख्य सचिव ने इस विषय पर कानूनी राय लेना शुरू कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, सरकार डिवीजन बेंच के समक्ष यह तर्क रख सकती है कि अधिकारियों की नियुक्ति और पदस्थापना कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र का विषय है। इस संबंध में अंतिम निर्णय न्यायालय द्वारा ही किया जाएगा।

सूत्रों का यह भी कहना है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के दिल्ली दौरे से लौटने के बाद डिवीजन बेंच में अपील दायर करने अथवा आगे की कानूनी रणनीति पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है

कामाकोटी-कोटि प्रणाम!

गोमूत्र विशेषज्ञ बता प्रियंका ने उड़ायी खिल्ली

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामाकोटी को गोमूत्र एक्सपर्ट कहे जाने के बाद यह मामला राजनीतिक और शैक्षणिक दोनों स्तरों पर चर्चा का विषय बन गया है। इस विवाद के बीच सरकारी सूत्रों के हवाले से प्रो. कामाकोटी की उच्च शैक्षणिक योग्यता, शोध-कार्य तथा देश के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान का विस्तृत विवरण जारी किया गया है। इसमें उनके लंबे शैक्षणिक अनुभव, प्रशासनिक क्षमता और तकनीकी नेतृत्व को रेखांकित किया गया है।

प्रो. वी. कामाकोटी देश के अग्रणी संगणक वैज्ञानिकों में गिने जाते हैं। उनकी शैक्षणिक उपलब्धियां और पृष्ठभूमि इस प्रकार है0

उच्च शिक्षा: उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास से संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम.एस. (मास्टर ऑफ साइंस) तथा पीएच.डी. (विद्या वाचस्पति) की उपाधि प्राप्त की।

निदेशक बनने तक का सफर: वर्ष 2001 में वे आईआईटी मद्रास में संकाय सदस्य के रूप में नियुक्त हुए। इसके बाद जनवरी 2022 में उन्होंने संस्थान के निदेशक का पदभार ग्रहण किया।

विशेषज्ञता के क्षेत्र: प्रो. कामाकोटी संगणक वास्तुकला, सूचना सुरक्षा तथा अति वृहद् एकीकृत परिपथ अभिकल्प (वीएलएसआई) के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ माने जाते हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वित्तीय संस्थानों में भी निभा रहे हैं महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

प्रो. कामाकोटी देश की तकनीकी क्षमता और सुरक्षा तंत्र को मजबूत बनाने वाले अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रमों से जुड़े रहे हैं।

वे आईआईटी मद्रास में माइक्रोप्रोसेसर विकास कार्यक्रम तथा सूचना सुरक्षा शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे हैं।

▶8पर

जोशी पर टिप्पणी से हंगामा

कांग्रेस-एनडीए आमने-सामने

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में मंगलवार को लोक परीक्षा (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी पर की गई टिप्पणी को लेकर संसद में जोरदार हंगामा हुआ। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों ने इस बयान का कड़ा विरोध किया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे चरित्र हनन बताते हुए लोकसभा की कार्यवाही से हटाने की मांग की।

इसी बीच केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, किरेन रिजिजू और पीयूष गोयल ने संसद भवन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इसके बाद सभी नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी भेंट की। इन बैठकों के बाद प्रियंका गांधी की टिप्पणी को लोकसभा की कार्यवाही से हटा दिया गया। राजनीतिक हलकों में इस घटनाक्रम के बाद यह चर्चा भी तेज हो गई कि एनडीए इस मुद्दे पर कांग्रेस को घेरने की रणनीति बना सकता है।

लोकसभा में चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री ने नया शिक्षा मंत्री चुना, एक ऐसे व्यक्ति को चुना, जिसने एक गर्भवती दुष्कर्म पीड़िता के दोषियों की रिहाई पर सहमति व्यक्त की। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

... तो कॉकरोच फिर जुटेंगे

दिपके ने मोदी सरकार को धमकाया

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन से संबंधित याचिकाओं पर दिए गए अंतरिम आदेश के बाद संगठन ने कड़ा रुख अपनाया है। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने चेतावनी दी है कि यदि आंदोलन में शामिल छात्रों को पुलिस या प्रशासन द्वारा निशाना बनाया गया, तो संगठन एक बार फिर बड़े पैमाने पर शांतिपूर्ण आंदोलन शुरू करेगा।

अभिजीत दिपके ने सामाजिक माध्यम एक्स पर लिखा कि यदि छात्रों को परेशान करना जारी रहा, ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

यूक्रेन के हमलों में नौ दिन में 86 रूसी नागरिकों की मौत

मास्को/कीव

रूस और यूक्रेन के बीच 24 फरवरी, 2022 से जंग जारी है। रूस ने यूक्रेन में तबाही मचाई है। पिछले कुछ समय में यूक्रेन ने भी रूस पर हमले बढ़ा दिए हैं। इससे रूस को जान-माल का नुकसान हो रहा है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने कहा कि 15 से 24 जुलाई के बीच रूसी नागरिकों को निशाना बनाकर किए गए यूक्रेन के हमलों में 86 लोग मारे गए।

रिपोर्ट के अनुसार, जखारोवा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 15 से 24 जुलाई के बीच यूक्रेनी सेना के हमलों में 86 लोग मारे गए। इनमें छह बच्चे भी शामिल हैं। 12 बच्चों समेत 409 लोग घायल हुए हैं। प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि पश्चिमी देश यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति करके उसकी सैन्य ताकत को मजबूत कर रूस पर हमलों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि रूसी संघ की जांच समिति के अनुसार, 2014 और 2026 के बीच यूक्रेनी सेना के हमलों में 240 से अधिक बच्चे मारे गए हैं। लगभग 1,225 अन्य लोग अलग-अलग तरह से घायल हुए हैं। जखारोवा ने कहा, इस धरती पर कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि उसे पता नहीं था कि क्या हो रहा है। यूक्रेन और उसके सहयोगियों को इसकी कीमत चुकानी होगी।

उधर, क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि दक्षिणी रूस में यूक्रेनी हवाई हमलों में कम से कम पांच लोग मारे गए और लगभग दो दर्जन अन्य घायल हो गए। रोस्तोव के गवर्नर यूरी स्ल्यूसर ने टेलीग्राम पोस्ट में बताया कि अजोव सागर के पास रोस्तोव-आन-डान शहर में एक रिहायशी इमारत पर हुए हमले में एक जोड़े की मौत हो गई। बाद में उन्होंने कहा कि मलबे के नीचे तीन और शव मिले, जिनमें एक बच्चे का शव भी शामिल था।

स्ल्यूसर ने कहा कि हमले में पांच लोग घायल हुए, जिनमें से दो की हालत गंभीर थी। उन्होंने कहा कि ड्रोन का मलबा गिरने से कई जगहों पर आग लग गई। रोस्तोव-आन-डान पर हुए हमले के कुछ घंटों बाद रूसी रेलवे ने 4 अगस्त तक अजोव और टैगनरोग के प्रमुख बंदरगाहों पर माल ढुलाई पर प्रतिबंधों की घोषणा की। अधिकारियों ने बताया कि बेलगोरोद शहर में ड्रोन हमले में दो बच्चों समेत 12 लोग घायल हो गए और एक रिहायशी इमारत में आग लग गई। रूस भी हमलों का कड़ा जवाब दे रहा है। यूक्रेन के जापोरिज्जिया प्रांत के गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि दक्षिणी शहर में गाइडेड एरियल बम और ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। इस शहर पर हाल के महीनों में जबरदस्त बमबारी हुई है। यूक्रेन के उत्तरी सुमी इलाके में रूस के गाइडेड एरियल बम हमले में पांच लोग घायल हो गए। रूस की सेना ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूसी सेना ने राजधानी कीव को बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया, जिससे शहर में धमाके हुए। उत्तरी यूक्रेन के शहर चेर्निहाइव में स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि एक रूसी ड्रोन ने सुपर मार्केट पर हमला किया।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका के फ्लोरिडा में दो कैदियों को दी जाएगी मौत की सजा

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत में मौत की सजा पाए दो कैदियों को फांसी दी जाएगी। छह दशक से ज्यादा समय में यह पहली बार होगा जब एक ही दिन में दो लोगों की जीवनलीला समाप्त होगी। जेम्स डकेट को 1987 में 11 साल की टेरेसा मैकएबी की हत्या का दोषी पाए जाने के बाद डकेट ने मौत की सजा के इंतजार में तीन दशक से ज्यादा समय बिताया है। कैथोलिक पादरी फादर डस्टिन फेडन एक दशक से ज्यादा समय से फ्लोरिडा में मौत की सजा पाए कैदियों से मिलते रहते हैं। वह कहते हैं, अब मुझे मौत के वारंट पर दस्तखत होने की संख्या से हैरानी नहीं होती। यह भयावह है। छह घंटे के अंदर दो लोगों को फांसी दी जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार फादर कुछ दिन से जेम्स डकेट की देखरेख कर रहे हैं। बताया गया है कि डकेट की मौत के कुछ घंटों बाद डोमिनिक ओचिओकोन की मौत की सजा पर अमल किया जाएगा। 80 वर्षीय ओचिओकोन अमेरिका में मौत की सजा पाने वाले दूसरे उम्रदराज व्यक्ति होंगे। उन्हें 1987 में पूर्व प्रेमिका के माता-पिता रेमंड और मार्था आर्ट्जनर की हत्या के मामले में में दोषी ठहराया गया था। अधिकारियों ने बताया कि दोनों को जहरीला इंजेक्शन देकर फांसी देने की प्रक्रिया को तेज कर दिया गया है। फ्लोरिडा में 2025 में मौत की सजा पाए 19 कैदियों को फांसी दी जा चुकी है।

होर्मुज में शांति के प्रयास, अच्छी वार्ता के कयास, ट्रंप ने कहा- जल्दी करो

वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिका और ईरान की हठ की वजह से अंतरराष्ट्रीय समुद्री गलियारा होर्मुज जलडमरूमध्य के खौलते पानी से झुलस रहे समूचे मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) को राहत की खुशखबरी मिल सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वाशिंगटन की तेहरान के साथ बहुत दोस्ताना बातचीत हो रही है। मगर उन्होंने संकेत दिया है कि वह लंबी बातचीत के लिए तैयार नहीं हैं। वह चाहते हैं कि जो कुछ भी हो जल्द हो। इस पर ईरान ने कहा कि अमेरिका युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता खोजने के लिए तड़प रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले में ईरान सावधानी से नपे-तुले और व्यावहारिक तरीके से आगे बढ़ रहा है वह चाहता है कि शांति लौटे पर अमेरिका की मनमानी शर्तों पर नहीं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कही गई यह शायद सबसे अहम बात है। ईरान मिला-जुला और दोतरफा संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि तेहरान भविष्य में टकराव की स्थितियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरान की सेना के प्रमुख ने भी यही बात दोहराई है। ईरान यह भी कह रहा है कि कूटनीति के दरवाजे न तो पूरी तरह खुले हैं और न ही पूरी तरह बंद, बल्कि वे थोड़े खुले हैं। उधर, अमेरिका यह पक्का करना चाहता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल जाए। ट्रंप का कहना है कि अगर ईरान जिद पर अड़ा रहा तो उसके खिलाफ कड़ी सैन्य कार्रवाई का विकल्प उनके पास है। इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू वाशिंगटन पहुंच चुके हैं। उनके ट्रंप से मिलने की उम्मीद है।

नेपाल में डाक्टरों से दुर्व्यवहार के विरोध में देशव्यापी हड़ताल शुरू, अस्पतालों में आपात सेवाओं को छोड़कर सबकुछ ठप

काठमांडू। नेपाल के वीरगंज स्थित नारायणी अस्पताल के डाक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों पर हुए हमले और जिला

प्रशासन कार्यालय पर्सा में वार्ता के दौरान पुलिस द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के विरोध में नेपाल चिकित्सक संघ के आह्वान पर देशभर के अस्पतालों में आपातकालीन (इमरजेंसी) सेवाओं को छोड़कर बाकी सभी सेवाएं ठप हैं। नेपाल चिकित्सक संघ ने की विज्ञप्ति के अनुसार, 25 जुलाई को नारायणी अस्पताल में कार्यरत डा. प्रमोद राम सहित अन्य डाक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों पर जानलेवा हमला हुआ था। अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ की गई थी। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण डा. राम का इलाज चल रहा है। यही नहीं जिला प्रशासन कार्यालय, पर्सा में हो रही वार्ता के दौरान सीडीओ की मौजूदगी में पुलिस बल का प्रयोग कर संघ के केंद्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य और नारायणी शाखा के अध्यक्ष सहित अन्य डाक्टरों के साथ गाली-गलौज और दुर्व्यवहार किया गया। संघ के अध्यक्ष डा. बद्री रिजाल और महासचिव डा. विश्वराज दवाड़ी ने कहा है, इस आंदोलन के कारण मरीजों को होने वाली असुविधा के लिए क्षमा मांगते हुए हम यह भी स्पष्ट करना चाहते हैं कि इसकी पूरी जिम्मेदारी स्वयं नेपाल सरकार की है।

जंगलों में लगी आग पर काबू पाने गधे बने प्राकृतिक फायर फाइटर

स्पेन ने अपनाया अनोखा तरीका, यह पर्यावरण के अनुकूल और प्रभावी उपाय

बार्सिलोना

जंगलों में लगने वाली आग पर काबू पाने के लिए दुनिया भर में सैटेलाइट, ड्रोन, एआई और अन्य आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन स्पेन के कैटालोनिया क्षेत्र में एक अनोखा तरीका अपनाया गया है। यहां गधों को प्राकृतिक फायर फाइटर के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। बार्सिलोना से करीब 80 मील दूर स्थित पहाड़ी इलाकों में ये गधे जंगलों की सूखी घास और झाड़ियों को खाकर आग फैलने की आशंका को कम कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह पर्यावरण के अनुकूल और प्रभावी उपाय साबित हो रहा है। दक्षिणी यूरोप के जंगल पिछले कई सालों से भीषण आग की घटनाओं का सामना कर रहे हैं। अकेले स्पेन में अब तक 2.4 लाख एकड़ से ज्यादा भूमि आग की चपेट में आ चुकी है। हाल ही में देश के दक्षिणी हिस्से में लगी भीषण आग में कई लोगों की जान भी चली गई। ऐसे हालात में जंगलों में मौजूद सूखी वनस्पतियों को कम करने के लिए गधों की मदद ली जा रही है, जिससे आग के फैलने की रफ्तार पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके।

इस पहल को एक गैर-लाभकारी संस्था संचालित कर रही है। संस्था पहले प्रताड़ित या उपेक्षित गधों को उनके पुराने मालिकों से मुक्त कराकर नया जीवन देती है और फिर उन्हें जंगलों, पहाड़ियों और ग्रामीण इलाकों में चरने के लिए छोड़ देती है। गधे बड़ी मात्रा में सूखी घास और झाड़ियों को खा जाते हैं, जिससे प्राकृतिक फायर ब्रेक तैयार हो जाता है। परिणामस्वरूप यदि कहीं आग लग भी जाए तो उसे तेजी से फैलने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं मिल पाता। इस परियोजना की शुरुआत 2020 में टिविस्सा के निवासी जोन सेडो सैंस ने कुछ गधों के साथ की थी। आज यह संख्या बढ़कर 62 गधों तक पहुंच चुकी है, जो सार्वजनिक और निजी दोनों प्रकार की जमीनों पर काम कर रहे हैं।

इस विचार की प्रेरणा 2013 में कैटालोनिया में लगी भीषण आग के बाद मिली थी। उन्होंने प्रयोग के तौर पर गधों को झाड़ियों वाले क्षेत्र में छोड़ा और पाया कि उन्होंने सूखी वनस्पतियों को प्रभावी ढंग से साफ कर दिया। यही प्रयोग आगे चलकर एक संगठित परियोजना बन गया। वर्तमान में इसकी दैनिक जिम्मेदारी स्वयंसेवक जार्डी गार्सिया संभाल रहे हैं। एक शोधकर्ता के मुताबिक गधे विशेष रूप से गर्मियों में अत्यधिक ज्वलनशील हो जाने वाली सूखी घास खाना पसंद करते हैं। यह वही वनस्पति होती है जो जंगल की आग को तेजी से फैलाने में मदद करती है। उनके मुताबिक यदि गधों के साथ अन्य शाकाहारी जानवरों का भी उपयोग किया जाए तो अलग-अलग प्रकार की झाड़ियों और वनस्पतियों पर बेहतर नियंत्रण पाया जा सकता है।

विशेषज्ञ कहते हैं कि कैलिफोर्निया में आग के खतरे वाले क्षेत्रों में बकरियों का उपयोग पहले से किया जा रहा है, लेकिन गधों की भूमिका कुछ अलग और ज्यादा प्रभावी मानी जाती है। उनका भारी शरीर चलते समय जमीन पर दबाव बनाता है, जिससे सूखी वनस्पतियों की परत टूट जाती है और आग को लगातार फैलने के लिए ईंधन नहीं मिल पाता। इतना ही नहीं, गधों द्वारा बनाए गए साफ रास्तों का उपयोग अग्निशमन दल जरूरत पड़ने पर पाइपलाइन और अन्य उपकरण ले जाने के लिए भी कर सकता है। इस तरह यह पहल जंगलों की सुरक्षा के साथ-साथ पशु संरक्षण का भी सफल उदाहरण बनकर उभरी है।

वैज्ञानिकों को पता चला सौर मंडल के बाहर पथरीले ग्रह पर वायुमंडल का

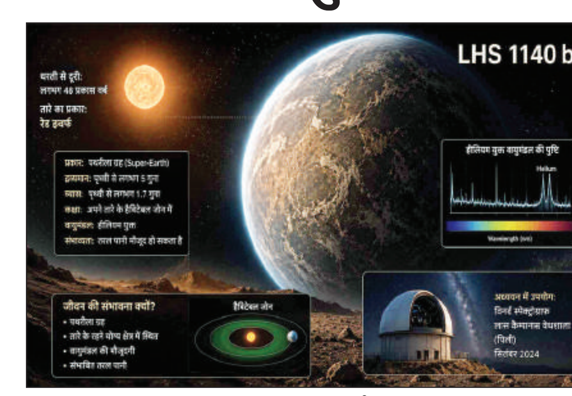

वाशिंगटन

सौरमंडल के बाहर मौजूद एक ऐसे पथरीले ग्रह पर वायुमंडल का पता चला है, जो अपने तारे के रहने योग्य क्षेत्र में स्थित है। शोधकर्ता खगोल वैज्ञानिकों का कहना है कि यह ग्रह एलएचएस 1140 बी पृथ्वी से लगभग 48 प्रकाश वर्ष दूर है। यह खोज ब्रह्मांड में जीवन की तलाश की दिशा में अब तक की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। हालांकि शोधकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि इस ग्रह पर एलियंस या जीवन मिलने का कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिला है, बल्कि यह केवल जीवन के अनुकूल परिस्थितियों की संभावना का संकेत है।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक कोलिन चेरुबिम के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में पहली बार किसी पथरीले एक्सोप्लैनेट के चारों ओर हीलियम युक्त वायुमंडल की पुष्टि की गई है। वैज्ञानिकों के अनुसार, किसी ग्रह पर जीवन की संभावना का आकलन करने के लिए उसका पथरीला होना और अपने तारे के हैबिटेबल जोन में स्थित होना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। अब तक वायुमंडल केवल बृहस्पति जैसे विशाल गैसीय ग्रहों पर ही पाया गया था।

एलएचएस 1140 बी का द्रव्यमान पृथ्वी से लगभग पांच गुना और व्यास करीब 1.7 गुना अधिक है, इसलिए इसे सुपर-अर्थ श्रेणी का ग्रह माना जाता है। इसके वायुमंडल में मुख्य रूप से हीलियम गैस पाई गई है और वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यहां तरल पानी भी मौजूद हो सकता है। यदि ऐसा है, तो जीवन के लिए आवश्यक परिस्थितियां बनने की संभावना बढ़ जाती है। इस ग्रह की खोज वर्ष 2017 में हुई थी, लेकिन नवीनतम शोध में इसके वायुमंडल की पुष्टि की गई है।

वैज्ञानिकों ने चिली के अटाकामा रेगिस्तान स्थित लास कैम्पानास वेधशाला में लगे विनर्ड स्पेक्ट्रोग्राफ की मदद से सितंबर 2024 में ग्रह के अपने तारे के सामने से गुजरने के दौरान उसके वायुमंडल का विश्लेषण किया। इस दौरान हीलियम गैस के संकेत मिले, जिससे स्पष्ट हुआ कि ग्रह ने अरबों वर्षों तक अपना वायुमंडल सुरक्षित रखा है। एलएचएस 1140 बी एक रेड ड्वार्फ तारे की परिक्रमा करता है, जो सूर्य से छोटा और ठंडा है। ऐसे तारे तीव्र विकिरण छोड़ते हैं, जिससे ग्रहों का वायुमंडल नष्ट हो सकता है।

वेनेजुएला भूकंप : धरती 2 फीट सरकी, निसार ने दिखाए सबूत

वाशिंगटन। जून में वेनेजुएला में आए दो भीषण भूकंपों ने, जिन्होंने हजारों जानें लीं और इमारतों को तबाह किया, धरती की सतह को भी स्थायी रूप से बदल दिया है। नासा और इसरो के संयुक्त निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) मिशन ने खुलासा किया है कि इन शक्तिशाली झटकों के बाद कुछ इलाकों में जमीन करीब 60 सेंटीमीटर (करीब 2 फीट) तक अपनी जगह से खिसक गई। यह पहली बार है जब निसार ने किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा में अपने अर्जेंट रिस्पान्स आब्जर्वेशन सिस्टम का इस्तेमाल करते हुए तत्काल विस्तृत रडार डेटा जुटाया। उत्तरी वेनेजुएला में 24 जून को पहले 7.2 और फिर महज 39 सेकंड बाद 7.5 तीव्रता के दो झटकों ने भयानक तबाही मचाई थी, जिसमें 5,000 से अधिक लोगों की मौत हुई और 16,700 से ज्यादा घायल हुए। भूकंप के तुरंत बाद, निसार सैटेलाइट ने प्रभावित इलाके की रडार इमेजिंग शुरू की। वैज्ञानिकों ने भूकंप से पहले और बाद में ली गई तस्वीरों की तुलना करने के लिए इनसार (इंटरफेरोमेट्रिक सिंथेटिक एपर्चर रडार) टेक्नोलाजी का उपयोग किया, जो धरती की सतह में मिलीमीटर स्तर पर होने वाले बदलाव को भी मापने में सक्षम है।

जिहाद और प्रतिरोध ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता, हिज़्बुल्लाह की सराहना

तेहरान

क्षेत्र में जारी भारी तनाव और संघर्ष के बीच, ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई ने इजराइल के खिलाफ लेबनान के हथियारबंद गुट हिज़्बुल्लाह के मजबूत प्रतिरोध और संघर्ष की तारीफ की है। उन्होंने हिज़्बुल्लाह के हौसले को दुनिया भर के दबे-कुचले लोगों के लिए उम्मीद और आज़ादी का प्रतीक बताया। खामेनेई ने हिज़्बुल्लाह महासचिव शेख़ नईम कासिम द्वारा भेजी गई वफ़ादारी की चिट्ठी का जवाब देकर इज़राइल और उसके सहयोगियों की सैन्य आक्रामकता के सामने अडिग चट्टान की तरह डटे रहने के लिए समूह की सराहना की।

खामेनेई ने कहा, आज, जब दुनिया के देश अमेरिकी सरकार और अपराधी जायोनियों के जुल्म और अत्याचार से त्रस्त हैं, तब जिहाद और प्रतिरोध के अलावा आगे बढ़ने का कोई रास्ता नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि हिज़्बुल्लाह का लगातार चल रहा अभियान दुनिया के आज़ाद देशों के लिए ग्लोबल एरोगेंस और उसके प्यादों के जुल्म से आज़ादी की उनकी कोशिश में एक प्रेरणादायक संदेश है। ईरानी नेता ने हिज़्बुल्लाह के कमांडरों और लड़ाकों के हौसले की तारीफ़ की, यह कहते हुए कि उनकी प्रतिबद्धता इस्लामी सिद्धांतों, धार्मिक वादों और इमाम खुमैनी व अयातुल्ला अली खामेनेई की विरासत पर आधारित है।

उन्होंने कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक आफ़ ईरान इन दबे-कुचले लेकिन ताकतवर लड़ाकों की रक्षा को अपनी रणनीतिक ज़िम्मेदारी मानता है, साथ ही हिज़्बुल्लाह और लेबनान की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा को भी रणनीतिक महत्व देता है। खामेनेई ने जोर दिया कि अमेरिका से जुड़े किसी भी समझौते में लेबनान के खिलाफ इजराइली सैन्य कार्रवाई को समाप्त करना शामिल होना चाहिए। उन्होंने दक्षिणी लेबनान के लोगों के हौसले और समर्थन की भी सराहना की, और मारे गए हिज़्बुल्लाह नेता सैयद हसन नसरल्लाह (जैसा कि मूल लेख में उल्लेख है) तथा गुट के अन्य कमांडरों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि इन लड़ाकों ने हिज़्बुल्लाह को एक छोटे पौधे से बदलकर एक विशाल पेड़ बना दिया है, जिससे इस्लामी दुनिया में लेबनान का मान-सम्मान बढ़ा है।

12 मंजिला अपार्टमेंट्स के ऊपर बना हाईवे, सनसनाते हुए गुजरती है गाड़ियां

बीजिंग

क्या आपने कभी सोचा है कि किसी अपार्टमेंटस अपार्टमेंट्स के ऊपर हाईवे बन सकता है, लेकिन यह करिश्मा कर दिखाया है चीन ने। यह अनूठी सड़क बनी है चीन के गुइयांग शहर में जो 12 मंजिला रिहायशी अपार्टमेंट्स के ठीक ऊपर बनी हुई है। जब इस सड़क से गाड़ियां सनसनाती हुई गुजरती हैं, तो नीचे बने घरों की दीवारें भी हिलने लगती हैं। इसके बावजूद, इन घरों में रहने वाले हजारों लोग अपनी अनोखी पहचान बन चुके इन मकानों को खाली नहीं करना चाहते।

यह हाईवे किसी खाली जमीन या पहाड़ों के बीच से नहीं, बल्कि एक दर्जन से भी ज्यादा बहुमंजिला रिहायशी अपार्टमेंट्स के ठीक ऊपर से होकर गुजरता है। इस पुल का नाम शुइकोउसी ब्रिज है, जो आज के समय में चीनी इंजीनियरिंग का एक शानदार नमूना है। जहां दुनियाभर के लोग अपने घरों के ऊपर से

गाड़ियों के गुजरने की कल्पना भी नहीं कर सकते, वहीं चीन के हजारों लोग इस हाईवे के नीचे मजे से अपनी जिंदगी जी रहे हैं। शुइकोउसी ओवरपास का निर्माण साल 1997 में ही पूरा हो गया था, लेकिन इसके बनने के तुरंत बाद ही गुइयांग शहर के प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई। 40 लाख से ज्यादा की आबादी वाले इस शहर के बीचों-बीच गरीब और जरूरतमंद लोगों को सस्ते मकान देने के लिए जमीन का एक छोटा सा टुकड़ा भी खाली नहीं बचा था। ऐसे में, शहर को बाहर की तरफ फैलाने के बजाय, प्रशासन ने इस जुगाड़ से उनके रहने की व्यवस्था कर दी।

प्रशासन ने तय किया कि शहर के बीचों-बीच बने इस ऊंचे पुल के नीचे की खाली पड़ी जमीन का इस्तेमाल रिहायशी इमारतें बनाने के लिए किया जाएगा। पुल के पूरा होने के ठीक दो साल बाद, साल 1999 में इसके नीचे करीब 10 बहुमंजिला रिहायशी इमारतें खड़ी कर दी गईं, जिनमें से कुछ को बाद में बढ़ाकर एक दर्जन से अधिक कर दिया गया। इस प्रोजेक्ट का सबसे बड़ा फायदा यह था कि गरीब और विस्थापित लोगों को शहर के बिल्कुल बीचों-बीच सस्ते दाम पर रहने के लिए घर मिल गए, जहां से उनके लिए काम-धंधे पर जाना बेहद आसान था। इस फायदे के बदले इन मकानों में रहने वाले लोगों को एक समझौता भी करना पड़ा। चूंकि ये इमारतें सीधे पुल को छूते हुए ऊपर तक जाती हैं, इसलिए दिन-रात हाईवे पर दौड़ने वाले वाहनों का शोर और गाड़ियों के वजन से होने वाला वाइब्रेशन इन घरों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया। शुरुआत में विशेषज्ञों को लगा था कि गाड़ियों की गड़गड़ाहट और हिलती दीवारों के कारण लोग यहां रहने से मना कर देंगे, लेकिन इसके बिल्कुल उलट हुआ। समय के साथ हजारों लोगों ने इस अनोखे माहौल में खुद को ढाल लिया और इस शोर-शराबे व कंपन को ही अपने घर की अनोखी पहचान मान लिया। हालांकि, लोगों की सहूलियत को देखते हुए बाद में प्रशासन ने इस पुल से भारी और बड़े ट्रकों के गुजरने पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी, जिससे शोर और कंपन में काफी हद तक कमी आई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। घर में शांति और सुकून का माहौल बनाए रखने के लिए तालमेल से काम करें। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा। आज का दिन उन चन्द दिनों जैसा है जब घड़ी की सुईयाँ बहुत धीरे–धीरे हिलती हैं और आप लंबे समय तक बिस्तर में पड़े रहते हैं। लेकिन इसके बाद ख़ुद को तरोताज़ा भी महसूस करेंगे और इसकी आपको काफ़ी ज़रूरत भी है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन ऐसी चीज़ों पर काम करने की ज़रूरत है, जो आपकी सेहत में सुधार ला सकती हैं। भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा। क्योंकि आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। अपने दोस्तों के मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अगर आप पिछले कुछ वक़्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे। यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मज़बूती और निडरता का गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में इज़ाफ़ा करेगा। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। आज आप फुर्सत के क्षणों में कोई नया काम करने का सोचेंगे लेकिन इस काम में आप इतना उलझ सकते हैं कि आपके जरुरी काम भी छूट जाएंगे । ऐसा लगता है कि आज आप अपने जीवनसाथी के साथ बहुत ख़र्चा कर सकते हैं। बावजूस इसके, आप इस वक़्त का पूरा लुत्फ़ उठा पाएंगे। जब आपके पास ज़्यादा खाली समय हो, तो नकारात्मक विचार आपको ज़्यादा परेशान करते हैं। अतः सकारात्मक पुस्तकें पढ़ें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। आपके जीवन–साथी की सेहत तनाव और चिंता का कारण बन सकती है। सिर्फ़ स्पष्ट समझ के माध्यम से आप अपनी पत्नी/पति को भावनात्मक सहारा दे सकते हैं। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आपको अपने जीवन में आज किसी ख़ास इंसान की कमी खल सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सेहत अच्छी रहेगी। लेकिन इसे हमेशा के लिए सच मानने की ग़लती न करें। अपनी ज़िंदगी और सेहत का सम्मान करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ आज समय गुजारेंगे लेकिन किसी पुरानी बात के फिर से सामने आने की वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी होने की आशंका है। सुबह जीवनसाथी से आपको कुछ ऐसा मिल सकता है, जिससे आपका सारा दिन ख़ुशगवार गुज़रेगा। दोस्तों से गपशप करना एक अच्छा टाइमपास हो सकता है ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

मौज–मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जो धुंध आपके चारों तरफ छायी हुई है और आपकी प्रगति को बाधित कर रही है, उससे बाहर निकलने का समय है। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। कोई फिल्म या नाटक देखकर आज आपका मन पहाड़ों में जाने का कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

मनोवैज्ञानिक डर आपको बेचैन कर सकता है। सकारात्मक सोच और हालात के उजले पहलू को देखना आपको इससे बचा सकता है। बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। आप कुछ समय अपने व्यक्तित्व को निखारने में लगा सकते हैं, क्योंकि आकर्षक व्यक्तित्व का आत्म–निर्माण में अहम योगदान होता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गाड़ी चलाते समय सावधान रहें। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। आज आपका आपस में कुछ ज्यादा विवाद हो सकता है जिसके दूरगामी परिणाम वैवाहिक जीवन के लिए नकारात्मक हो सकते हैं। योग ध्यान का सहारा लेना आज आपको मानसिक रुप से प्रबल बनाएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। नयी गतिविधियाँ और मनोरंजन आपके लिए विश्राम करने में सहायक सिद्ध होंगे। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। पिता या बड़ा भाई आज आपकी किसी गलती पर आपको डांट सकता है। उनकी बातों को समझने की कोशिश करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। इस राशि के जो लोग विदेशों से व्यापार करते हैं उन्हें आज अच्छा खासा धन लाभ हो सकता है। आपके बच्चे के पुरस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 29 जुलाई 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा रात्रि 08:07 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा दोपहर 03:38 तक
योग : प्रीति प्रातः 11:57 तक
करण : विष्टि प्रातः 07:17 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:47 ,सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : आषाढ़ पूर्णिमा व्रत पुण्य , व्यास जयंती , गुरु पूर्णिमा , मन्वादि तिथि , सन्यासियों का चतुर्मास आरंभ ,
भद्रा प्रातः 07:17 तक

✻ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✻

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

श्री भेरूतारक धाम में साध्वीश्री समर्पणलीनाश्रीजी का भव्य चातुर्मास मंगल प्रवेश

गाजे–बाजे के साथ हुआ सामैया, सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ भगवान के दर्शन–पूजन का मिला लाभ

सिरोही (राजस्थान), 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जैन रत्न रमेश पुखराजजी तातेड (सिकंदराबाद, सिरोही) के अनुसार सिरोही जिले के अनादरा स्थित अरावली पर्वतमाला की सुरम्य घाटी में अवस्थित प्रसिद्ध श्वेत संगमरमर निर्मित संघवी भेरूतारक तीर्थ धाम में सोमवार को साध्वीश्री समर्पणलीनाश्रीजी महाराज आदि चार ठाणा का चातुर्मास मंगल प्रवेश अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। गाजे–बाजे एवं धार्मिक जयघोषों के बीच हुए इस मंगल प्रवेश में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चातुर्मास मंगल प्रवेश के उपरांत श्रद्धालुओं ने तीर्थ में विराजमान श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ भगवान के दर्शन–पूजन कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

चातुर्मास के लाभार्थी संघवी श्रीमती कमीबेन एवं श्री प्रकाशभाई मंगलचंदजी सिसोदिया परिवार, दांतराई द्वारा तीर्थ के मुख्य द्वार पर साध्वीश्रीजी का पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ सामैया किया गया तथा अक्षत अर्पित कर वधामणा किया गया।

इस अवसर पर संघवी भेरूतारक धाम के संस्थापक संघवी भेरमल हकमाजी परिवार के प्रमुख संघवी मोहनभाई एवं ललितभाई ने साध्वी भगवंतों को वंदन कर उनका सम्मान किया। साथ ही लाभार्थी श्रीमती कमीबेन, प्रकाशभाई सिसोदिया एवं उनके परिवारजनों का हार, माला एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया।

जानकारी के अनुसार, इस चातुर्मास में 150 से अधिक श्राविकाएं तीर्थ में निवास करते हुए तप, जप, स्वाध्याय एवं आराधना के माध्यम से आध्यात्मिक साधना करेंगी। लाभार्थी परिवार ने सभी आराधक महिलाओं का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया।

इस अवसर पर पुष्पाबेन एवं रमेश पुखराजजी तातेड ने अपने परिवार सहित साध्वीश्री समर्पणलीनाश्रीजी महाराज के चातुर्मास मंगल प्रवेश पर लाभार्थी सिसोदिया परिवार को हार्दिक बधाई एवं मंगलमय शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

विधवा, विधुर, तलाकशुदा एवं अधिक आयु के युवक–युवतियों के लिए परिचय सम्मेलन 9 अगस्त को

अ. भा. अग्रवाल सम्मेलन मथुरा इकाई एवं वैश्य समाज उत्तर प्रदेश का संयुक्त आयोजन, देशभर से प्रतिभागियों को आमंत्रण

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, मथुरा जिला इकाई एवं वैश्य समाज उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में पंचम विधवा, विधुर, तलाकशुदा एवं अधिक आयु के युवक–युवतियों का परिचय सम्मेलन रविवार, 9 अगस्त 2026 को प्रातः 11:00 बजे मथुरा में आयोजित किया जाएगा।

ब्रज प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपचंद 'दीपक' अग्रवाल ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य पुनर्विवाह के इच्छुक विधवा, विधुर, तलाकशुदा तथा अधिक आयु के युवक–युवतियों को एक उपयुक्त मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपना परिचय देकर अपने अनुरूप जीवनसाथी का चयन कर सकें।उन्होंने बताया कि सम्मेलन में देशभर से वैश्य समाज के विधवा, विधुर, तलाकशुदा एवं अधिक आयु के युवक–युवतियां भाग ले सकते हैं। इच्छुक प्रतिभागियों को सम्मेलन में परिचय प्रस्तुत करने के लिए पूर्व पंजीकरण कराना आवश्यक होगा।

आयोजकों के अनुसार, इच्छुक प्रतिभागी अपना बायोडाटा उपलब्ध कराकर पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण संबंधी जानकारी मोबाइल नंबर 9897310160 पर प्राप्त की जा सकती है।

आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि सम्मेलन स्थल की जानकारी केवल बायोडाटा प्राप्त होने के बाद ही संबंधित प्रतिभागियों को उपलब्ध कराई जाएगी। बिना बायोडाटा के आयोजन स्थल की जानकारी नहीं दी जाएगी।वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपचंद 'दीपक' अग्रवाल ने वैश्य समाज के सभी बंधुओं से आग्रह किया है कि वे इस महत्वपूर्ण आयोजन की जानकारी समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं, ताकि पुनर्विवाह के इच्छुक युवक–युवतियां इस अवसर का लाभ उठा सकें। उन्होंने समाज के विभिन्न समूहों और संगठनों से भी इस सूचना का व्यापक प्रचार–प्रसार करने की अपील की है।

मां से मिले सेवा के संस्कार ही समाज को नई दिशा देते हैं : उमा डालमिया

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर चिकित्सालय के पास केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और मानवता के भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति से जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उमा डालमिया ने कहा कि सेवा का भाव सबसे पहले मां से मिलता है। मां अपने बच्चों को प्रेम, त्याग, करुणा और निस्वार्थ सेवा के जो संस्कार देती है, वही आगे चलकर समाज सेवा की प्रेरणा बनते हैं। उन्होंने कहा कि जब किसी भूखे और जरूरतमंद व्यक्ति को सम्मानपूर्वक भोजन कराया जाता है, तब जो आत्मसंतुष्टि और आत्मिक आनंद प्राप्त होता है, वही जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज को ऐसे सेवा कार्यों की सबसे अधिक आवश्यकता है, क्योंकि निस्वार्थ सेवा से ही आपसी प्रेम, भाईचारा और सामाजिक एकता मजबूत होती है। प्रत्येक व्यक्ति यदि अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी एक जरूरतमंद की सहायता करने का संकल्प ले, तो समाज में कोई भी व्यक्ति भूखा या असहाय नहीं रहेगा। कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, सुभाष अग्रवाल, प्रमोद गुप्ता, भंवरलाल गुप्ता, संजय गुप्ता, उमा डालमिया, कमल मूंदड़ा सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया तथा भविष्य में भी इसी समर्पण और निस्वार्थ भाव से मानव सेवा के कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

श्री रामचन्द्रजी मठ संगम मंदिर, लंगरहौज में आज गुरु पूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री रामचन्द्रजी मठ संगम मंदिर, लंगरहौज में गुरु पूर्णिमा महोत्सव बुधवार, 29 जुलाई 2026 को श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया जाएगा।

यह आयोजन महंत श्री राहुलदास जी महाराज के सान्निध्य में संपन्न होगा।

महोत्सव की तैयारियों को लेकर महाराज श्री की अध्यक्षता में शृंग ऋषि भवन में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया।

महंत श्री राहुलदास जी महाराज ने बताया कि प्रातःकाल मंदिर में विराजमान श्री राम दरबार एवं गुरु समाधि स्थल का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत अभिषेक किया जाएगा। इसके उपरांत भगवान का आकर्षक एवं भव्य शृंगार किया जाएगा।

दोपहर में श्रद्धालुओं द्वारा भजन–कीर्तन का आयोजन होगा। इसके बाद सायं 4:00 बजे सुंदरकांड पाठ प्रारंभ होगा तथा सायं 6:31 बजे महाआरती संपन्न होगी। महाआरती के पश्चात सभी श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था रहेगी।

महंत श्री राहुलदास जी महाराज ने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से समय पर उपस्थित होकर अलंकृत स्वरूप में विराजमान भगवान श्रीराम के दर्शन, गुरुजनों का आशीर्वाद तथा प्रसादी ग्रहण करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति में गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन पर्व है।

बैठक में रामदेव नागला, जगदीश प्रसाद उपाध्याय (गोभक्त), चंद्रभान व्यास, भगवान ओझा तथा श्रीनिवास नागला तिवारी सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मंथनी बाल चिकित्सालय में अब 24 घंटे मिलेगी प्रसूति और शिशु स्वास्थ्य सेवा

पेद्दापल्ली, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री दुद्दिला श्रीधर बाबू के प्रयासों से मंथनी बाल चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ किया गया है। तेलंगाना वैद्य विधान परिषद ड्रा हाल ही में की गई चिकित्सक नियुक्तियों के तहत मंथनी बाल चिकित्सालय में तीन विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है। पेद्दापल्ली जिला अस्पताल के अधीक्षक डॉ. के. श्रीधर ने जानकारी देते हुए बताया कि नवनियुक्त डॉक्टरों में डॉ. मामिदिपल्ली श्रावंती को स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. गुंटा मौनिका को एनेस्थीसिया विशेषज्ञ और डॉ. नरेश को बाल रोग विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त किया गया है।

डॉ. श्रीधर ने कहा कि इन विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति के बाद अब मंथनी बाल चिकित्सालय में प्रसूति एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं 24 घंटे निर्बाध रूप से उपलब्ध रहेंगी। इससे मंथनी मंडल सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने मंथनी और आसपास के क्षेत्रों की जनता से अपील की है कि वे सरकारी अस्पताल में उपलब्ध गुणवत्तापूर्ण और निःशुल्क चिकित्सा सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

ताडिचेरला ब्लॉक–2 को पर्यावरण मंजूरी देने की मांग, केंद्रीय मंत्री से मिले मंत्री विवेक और सांसद वमसीकृष्णा

पेद्दापल्ली, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सिंगरेनी कंपनी को आवंटित ताडिचेरला ब्लॉक–2 परियोजना को जल्द पर्यावरण मंजूरी देने की मांग को लेकर तेलंगाना के श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी और पेद्दापल्ली के सांसद गद्दाम वमसीकृष्णा ने नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने केंद्रीय मंत्री से ताडिचेरला ब्लॉक–2 के साथ–साथ आरकेपी माइंस की लंबित पर्यावरण मंजूरी को भी जल्द स्वीकृत करने का आग्रह किया। सांसद गद्दाम वमसीकृष्णा ने कहा कि यदि ताडिचेरला ब्लॉक–2 परियोजना शुरू होती है तो 1,000 से अधिक स्थानीय युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे, जिससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। वहीं मंत्री डॉ. विवेक वेंकटस्वामी ने आरकेपी माइंस के लिए पर्यावरण स्वीकृति में हो रही देरी का मुद्दा उठाया और इसे शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया कि वे संबंधित अधिकारियों से मामले की समीक्षा करवाकर उचित कदम उठाएंगे।

जगतियाल में बड़ा हादसा टला: पेड़ से टकराई बेकाबू आरटीसी बस, 12 यात्री घायल

जगतियाल, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के जगतियाल जिले के मेटपल्ली में मंगलवार को एक बड़ा हादसा होते–होते टल गया। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में बस में सवार 12 यात्री घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, यह बस निजामाबाद से वारंगल की ओर जा रही थी। मेटपल्ली के पास पहुंचते ही चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया और बस सीधे पेड़ से टकरा गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तुरंत मेटपल्ली के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है। सभी को मामूली चोटें आई हैं।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस और परिवहन निगम के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच शुरू कर दी है।

डीसीपी एग्गडी भास्कर ने किया कन्नेपल्ली थाने का वार्षिक निरीक्षण, दिए कड़े निर्देश

मंचेरियाल, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत मंचेरियाल ज़ोन के कन्नेपल्ली पुलिस स्टेशन का वार्षिक निरीक्षण सोमवार को डीसीपी एग्गडी भास्कर ने किया।

थाने पहुंचने पर सीआई देवैया और एसआई विक्रम ने पुष्पगुच्छ भेंट कर डीसीपी का स्वागत किया। इसके बाद डीसीपी ने पुलिस गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी ली। निरीक्षण के दौरान डीसीपी ने थाने परिसर, रिसेप्शन सेंटर और रिकॉर्ड रूम का जायजा लिया। उन्होंने स्टेशन राइटर और सीसीटीएनएस ऑपरेटरों से ऑनलाइन रिकॉर्ड फीडिंग और अपलोडिंग की प्रक्रिया की जानकारी ली। साथ ही लंबित मामलों की फाइलों, अपराध रिकॉर्ड और अन्य अभिलेखों का गहनता से निरीक्षण किया और दर्ज मामलों की जांच प्रगति के बारे में सीआई व एसआई से पूछताछ की।

इस अवसर पर डीसीपी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कर्मी सतर्क रहें और सीसीटीवी फुटेज पर नियमित निगरानी रखें। थाना क्षेत्र के गांवों का नियमित दौरा कर जनता से बेहतर समन्वय स्थापित करें और सूचना तंत्र को मजबूत करें।

उन्होंने नशा उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाने, सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने और हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग का व्यापक प्रचार करने के निर्देश दिए। ग्रामीण क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया।

दो साल बाद खुला सरकारी स्कूल

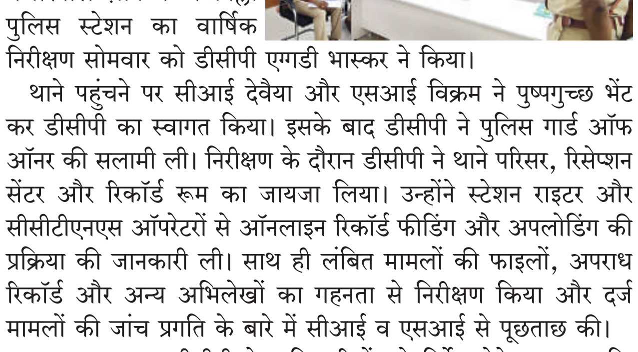

मदनूर, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के चलते पिछले दो वर्षों से बंद पड़ी मदनूर मंडल के ऋषेगांव की सरकारी पाठशाला आखिरकार सोमवार को फिर से शुरू हो गई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि स्कूल बंद होने से गांव के बच्चों को मजबूरन निजी स्कूलों में जाना पड़ रहा था, जबकि अधिकांश गरीब परिवार निजी स्कूलों की भारी फीस भरने में असमर्थ थे। इस मामले को लेकर कई बार विभिन्न समाचार पत्रों में खबरें प्रकाशित हुईं। खबरों के प्रकाशन के बाद हरकत में आए मंडल शिक्षा अधिकारी रामलू ने दो साल बाद सोमवार को स्कूल को पुनः प्रारंभ करवाया। स्कूल खुलते ही गांव के बच्चे उत्साह के साथ कक्षाओं में पहुंचने लगे। गांव में सरकारी पाठशाला के दोबारा शुरू होने से स्थानीय गरीब जनता में हर्ष का माहौल है और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व आज

महर्षि वेदव्यास जयंती के रूप में मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव, गुरु पूजन और दान का विशेष महत्व

आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि पर मनाया जाने वाला गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व इस वर्ष 29 जुलाई को श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया जाएगा। यह पर्व महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में भी प्रसिद्ध है, इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन गुरु पूजन, दान, स्नान तथा आध्यात्मिक साधना का विशेष महत्व माना गया है।

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर के निदेशक एवं ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार पूर्णिमा तिथि 28 जुलाई को शाम 6:18 बजे प्रारंभ होकर 29 जुलाई को रात 8:05 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर गुरु पूर्णिमा का पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा।

गुरु का स्थान भगवान से भी श्रेष्ठ

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि भारतीय संस्कृति में गुरु को भगवान से भी श्रेष्ठ माना गया है, क्योंकि गुरु ही शिष्य को ज्ञान देकर ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग दिखाते हैं। धार्मिक ग्रंथों में गुरु के महत्व का विस्तार से वर्णन मिलता है।

उन्होंने बताया कि स्वयं भगवान श्रीराम ने ऋषि वशिष्ठ और विश्वामित्र से शिक्षा प्राप्त की थी, जबकि भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनि ऋषि थे। भगवान हनुमान ने सूर्यदेव को अपना गुरु बनाया था तथा भगवान दत्तात्रेय ने प्रकृति और समाज से जुड़े 24 गुरुओं को स्वीकार कर उनसे ज्ञान प्राप्त किया था। यही कारण है कि सनातन परंपरा में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है।

महर्षि वेदव्यास को समर्पित है यह पर्व

गुरु पूर्णिमा महर्षि वेदव्यास की जन्मतिथि के रूप में मनाई जाती है। महर्षि वेदव्यास ने वेदों का संपादन किया तथा 18 प्रमुख पुराणों, महाभारत और श्रीमद्भागवत महापुराण जैसे महान ग्रंथों की रचना की। उनके अद्वितीय योगदान के कारण इस पर्व को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है।

गुरु पूजन से मिलता है ज्ञान और सफलता का आशीर्वाद

डॉ. व्यास के अनुसार गुरु पूर्णिमा के दिन प्रातः काल स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करें और घर के मंदिर में पूजा करें। इसके बाद अपने गुरु के पास जाकर उन्हें ऊंचे आसन पर विराजित करें तथा हार, पुष्प, कुमकुम और अक्षत से विधिवत पूजन करें।

गुरु को मिठाई, फल, पुष्प, वस्त्र अथवा अपनी सामर्थ्य के अनुसार उपहार एवं दक्षिणा अर्पित करें। साथ ही महर्षि वेदव्यास का पूजन कर उनके द्वारा रचित ग्रंथों का पाठ करें तथा गुरु के उपदेशों को जीवन में अपनाने का संकल्प लें।

जिनके गुरु नहीं हैं, वे करें गुरु का वरण

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरुजनों को समर्पित है। जिनके गुरु हैं, वे अपने गुरु का पूजन करें और जिनके गुरु नहीं हैं, वे योग्य गुरु का चयन कर उनसे ज्ञान प्राप्त करने का संकल्प लें। पुराणों में कहा गया है कि गुरु ब्रह्मा के समान हैं और जीवन को सही दिशा देने के लिए गुरु का होना अत्यंत आवश्यक है।

इसी दिन श्रद्धालु अपने ब्रह्मलीन गुरु के चरणों एवं चरण पादुकाओं का पूजन करते हैं। देशभर के अनेक मठों, आश्रमों एवं मंदिरों में गुरु पूजन और विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

वर्षा ऋतु का भी माना जाता है शुभ आरंभ

धार्मिक मान्यता के अनुसार गुरु पूर्णिमा से वर्षा ऋतु का शुभारंभ माना जाता है तथा आषाढ़ मास का समापन होता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, दान और धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष पुण्य प्राप्त होता है।

इन शुभ कार्यों का करें संकल्प

डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर अनाज, धन, वस्त्र, जूते-चप्पल, छाता, कंबल, चावल, भोजन तथा धार्मिक ग्रंथों का दान करना अत्यंत पुण्यदायी माना गया है।उन्होंने बताया कि गौशाला में गायों की सेवा हेतु दान करें तथा गायों को हरी घास खिलाएं। मंदिरों में पूजन सामग्री अर्पित करें। भगवान शिव का जल, दूध एवं चंदन से अभिषेक करते हुए ''ॐ नमः शिवाय'' मंत्र का जप करें। भगवान हनुमान के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सुंदरकांड अथवा हनुमान चालीसा का पाठ करें। भगवान श्रीकृष्ण को तुलसी दल के साथ माखन-मिश्री का भोग अर्पित करें। गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान, कृतज्ञता और ज्ञान परंपरा के संरक्षण का महापर्व है। इस दिन गुरु के आशीर्वाद के साथ उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेने से जीवन में सुख, शांति और सफलता प्राप्त होती है।

-डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता एवं कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान
जयपुर 0 जोधपुर

घर की पूर्व दिशा में बनवाएं सीढ़ियां

वास्तु

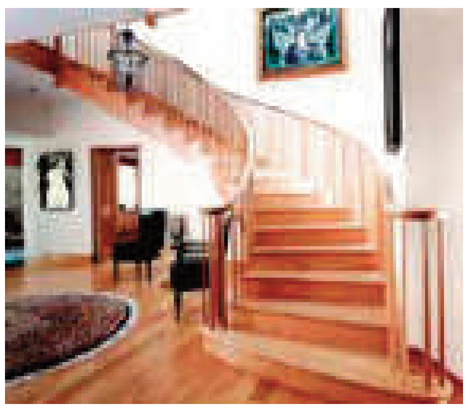

यदि मकान बहुमंजिला है तो उसमें सीढ़ियां अवश्य होंगी। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर का प्रत्येक हिस्सा महत्वपूर्ण होता है और घर के सदस्यों पर उनका विशेष प्रभाव भी होता है। अत: वास्तु के अंतर्गत सीढ़ियों के संबंध में कुछ जरूरी बातें बताई गई हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

- सीढ़ियों का उतार-चढ़ाव ढलान के अनुसार ही होना चाहिए। सीढ़ियों पर पूर्व से पश्चिम की तरफ या उत्तर से दक्षिण की तरफ चढ़ाई हो सकती हैं।
- यदि सीढ़ियां बीच में घुमावदार हों तो यह घुमाव चढ़ते समय क्लॉकवाइज यानी बाएं से दाएं होनी चाहिएं। चूंकि पृथ्वी भी इसी दिशा में घूमती है और चढ़ते समय एनर्जी भी अधिक खर्च होती है, इसलिए क्लॉकवाइज घूमते हुए ही चढ़ना चाहिए ताकि अतिरिक्त ऊर्जा न लगानी पड़े।
- चूंकि उतरते समय कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है, इसलिए एंटी-क्लॉकवाइज घूमते हुए भी उतरा जा सकता है।
- बड़े भवनों में नीचे से दो तरफ़ से सीढ़ियां चढ़ाई जाती हैं और घुमाव के स्थान पर मिलाते हुए ऊपर कर दी जाती है अथवा नीचे से एक सीढ़ी चढ़ाते हुए घुमाव के स्थान पर दो भागों में दो तरफ़ चढ़ा दी जाती है, इससे चढ़ते व उतरते समय क्लॉकवाइज घूमा जा सकता है।
- यदि सीढ़ियां बिल्कुल सीधी हैं और बीच में कोई घुमाव नहीं है तब भी छत पर प्रवेश करते समय घड़ी की सुइयों की दिशा में ही दरवाजा होना चाहिए ताकि छत के कमरे में प्रवेश करते समय क्लॉकवाइज घूमना पड़े। एंटी-क्लॉकवाइज घुमाव वाला दरवाजा न रखें। यदि सीढ़ियां सीधे ही छत के कमरे में प्रवेश करती हों तब किसी परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।
- भवन के मध्य भाग में कोई पिलर अथवा सीढ़ियां नहीं बनवाई जानी चाहिएं।
- वास्तु सम्मत सीढ़ियां भवन के पूर्व या दक्षिण दिशा में बनवाई जानी चाहिएं।

जानें, किस तरह पानी की स्थिति दिलाती है घर में परेशानी से निजात

पानी का बर्तन रसोई के उत्तर-पूर्व या पूर्व में भरकर रखें। घर में पानी सही स्थान, सही दिशा में रखने से परिवार का स्वास्थ्य अनुकूल व सुख-समृद्धि में वृद्धि होती ।

पानी का बर्तन रसोई के उत्तर-पूर्व या पूर्व में भरकर रखें। घर में पानी सही स्थान पर और सही दिशा में रखने से परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अनुकूल रहता है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

पानी का स्थान ईशान कोण है अत: पानी का भण्डारण अथवा भूमिगत टैंक या बोरिंग पूर्व, उत्तर या पूर्वोत्तर दिशा में होनी चाहिए। पानी को ऊपर की टंकी में भेजने वाला पंप भी इसी दिशा में होना चाहिए।

दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम अथवा दक्षिण-पश्चिम कोण में कुआं अथवा ट्यूबवेल नहीं होना चाहिए। इसके लिए उत्तर-पूर्व कोण का स्थान उपयुक्त होता है। इससे वास्तु का संतुलन बना रहता है।

अन्य दिशा में कुआं या ट्यूबवेल हो, तो उसे भरवा दें और यदि भरवाना संभव न हो, तो उसका उपयोग न करें। नहाने का कमरा पूर्व दिशा में शुभ होता है।

ध्यान रखें, घर के किसी नल से पानी नहीं रिसना चाहिए अन्यथा भुखमरी की स्थिति पैदा हो सकती है।

ओवर हेड टैंक उत्तर और वायव्य कोण के बीच होना चाहिए। टैंक का ऊपरी भाग गोल होना चाहिए।

लंका में प्रवेश और लंकिनी पर प्रहार

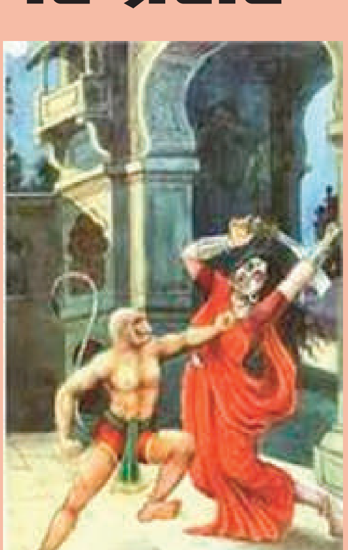

सौ योजन चौड़े विशाल समुद्र को पार कर हनुमान जी आकाश में उड़ते हुए शीघ्र ही लंका नगरी के निकट जा पहुंचे। वहां का दृश्य बड़ा ही सुहावना था। चारों ओर तरह-तरह के सुंदर वृक्ष लगे हुए थे। सुंदर-सुंदर फूल खिले हुए थे। भांति-भांति के पक्षी आनंद में चहक रहे थे।

शीतल, मंद, सुगंधित हवा बह रही थी। बड़ा ही मनमोहक दृश्य था लेकिन श्री हनुमान जी का मन इस समय प्राकृतिक छटा में बिना डूबे लंका में प्रवेश की योजना बनाने में खोया हुआ था। महावीर हनुमान जी ने सोचा कि माता सीता जी को रावण ने जिस स्थान पर छुपा कर रखा है उसका पता तो मुझे लगाना ही है और साथ ही मुझे यहां के बारे में अन्य आवश्यक बातें भी जान लेनी चाहिएं। मुझे यहां पूरी सेना के ठहरने लायक स्थान, जल-फल की सुविधा आदि का पता भी करना चाहिए। रावण का दुर्ग (किला) दूर से ही देखने पर अत्यंत दुर्गम मालूम पड़ता है।

अत: युद्ध के विचार से इसकी एक-एक बात का पता लगा लेना भी आवश्यक है परन्तु अपने असली रूप में और वह भी दिन के उजाले में इस नगरी में प्रवेश करना तो बहुत बड़ी भूल होगी। इसीलिए रात्रि के समय सबके सो जाने पर सूक्ष्म वेश धारण करके ही मेरा इस नगरी में प्रवेश करना उचित होगा। रात हो जाने पर मच्छर के समान अत्यंत छोटा रूप बन कर तथा मन ही मन प्रभु श्री राम चंद्र जी का स्मरण करते हुए हनुमान जी ने लंका में प्रवेश किया। चारों ओर भयानक व विकराल राक्षस-राक्षसियों का पहरा था।

वह नगरी बहुत अच्छी तरह से बसाई गई थी। सड़कें-चौराहे सब बहुत ही सुंदर थे। उसके चारों ओर समुद्र था। पूरी नगरी सोने की बनी हुई थी। स्थान-स्थान पर सुंदर बगीचे और जलाशय बने हुए थे। हनुमान जी अत्यंत सावधानी के साथ आगे बढ़ ही रहे थे कि लंका की रक्षा करने वाली लंकिनी राक्षसी ने उन्हें पहचान लिया। उसने आगे बढ़ कर हनुमान जी को डराते हुए कहा, ''अरे! तू कौन है? जो चोर की तरह छिप कर लंका में प्रवेश कर रहा है। क्या तुझे यह पता नहीं है कि लंका में घुसने वाले चोर ही मेरे आहार हैं? इससे पहले कि मैं तुझे खा जाऊं-तू अपना सारा रहस्य बता दे कि यहां क्यों आया है?''

हनुमान जी ने सोचा कि यदि मैं इससे किसी प्रकार का विवाद करता हूं तो शोर सुनकर बहुत से राक्षस यहां इकटठे हो जाएंगे। अत: मुझे इसे बेहोश करके आगे बढ़ जाना चाहिए। यह सोचकर उन्होंने बाएं हाथ की मुष्टिका (मुटठी) से उस पर प्रहार किया। उस प्रहार से वह मुंह से खून फैंकती हुई बेहोश होकर पृथ्वी पर गिर पड़ी किंतु शीघ्र ही वह पुन: उठकर खड़ी हो गई। उसने कहा, ''वानर वीर! अब मैंने तुम्हें पहचान लिया है। तुम भगवान श्री राम चंद्र जी के दूत हनुमान हो। मुझसे बहुत पहले ब्रह्मा जी ने कहा था, 'त्रेतायुग में हनुमान नामक एक वानर लंका में सीता जी की खोज करता हुआ आएगा। तू उसकी मार से बेहोश हो जाएगी। जब ऐसा हो तब समझना कि शीघ्र ही सारे राक्षसों के साथ रावण का संहार होने वाला है। वीर रामदूत हनुमान! अब तुम निर्भय होकर लंका में प्रवेश करो। मेरा परम सौभाग्य है कि ब्रह्मा जी की कृपा से मुझे परम पवित्र श्री रामदूत के दर्शन हुए।''

खुशहाली के लिए लगाएं रत्नों का पौधा

रत्नों का पौधा सुनने में भी भले ही काल्पनिक लगे किन्तु वास्तविकता यही है कि चीनी पद्धति में इस पौधे का अधिक महत्व है। यह पौधा तरह-तरह के रत्नों और स्फटिकों का बना होता है। इसमें कई वैरायटीज होती हैं।

नवरत्न पेड नवग्रहों की शांति, सुख तथा पारिवारिक शांति के लिए उपयोग किया जाता है। एमेथिस्ट का पेड. दिमाग का संतुलन बनाए रखता है। रंग-बिरंगे रत्नों से सजे इस पौधे को यदि घर के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में रखा जाए तो निश्चित रूप से जीविका चलाने वाले व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसे घर में दक्षिण-पूर्व दिशा में भी रखा जा सकता है। इसे व्यवसायिक स्थल पर रखने से सम्पदा मिलती है। इसे बैठक में भी रखा जा सकता है। इसका एक ओर महत्वपूर्ण कार्य नकारात्मक ऊर्जा को दूर करना भी है। चीनी संस्कृति और फेंगशुई में ड्रैगन को बहुत सम्मान दिया जाता है और इसे शुद्ध मानते हैं।

कई पीढतिों से ड्रैगन शक्ति, अच्छे भाग्य और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। ड्रैगन एक कीमती कास्मिक ची बनाता है, जिसे शेंग ची भी कहते हैं, जिससे घर और कार्यस्थल पर भाग्य साथ देता है। डबल ड्रैगन को यूं तो किसी भी दिशा में रखा जा सकता है, लेकिन पूर्व दिशा में रखना सबसे ज्यादा कारगर माना गया है।

यह ड्रैगन लकडी, सेरेमिक व धातु में उपल्बध है। दो ड्रैगन का जोडा समृद्धि का प्रतीक है। इनके पैर के पंजों में ज्यादा मोती सबसे ज्यादा ऊर्जा संजोये है। फेंगशुई में ड्रैगन को चार दिव्य प्राणियों में गिना जाता है। ड्रैगन येंग यानी पुरुषत्व, हिम्मत और बहादुरी का प्रतीक है। लकडी के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व या पूर्व में, सेरेमिक, क्रिस्टल के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व, उत्तर-पूर्व वया उत्तर पश्चिम में रखें।

छात्र इसे अपनी पढ.ाई की टेबल पर रखें। घर की उत्तर-पश्चिम दिशा में इसे रखने से अच्छे सलाहकार, दोस्त व बढिया नेतृत्व करने वाले साथी मिलेंगे।

नहीं चाहते किसी से विवाद, तो आजमाइए यह लाजवाब उपाय

जैन धर्म ही नहीं, बल्कि संसार का हर धर्म क्षमा के महत्व को मानता है। माफी मांगना और माफ करना दोनों ही मनुष्य के व्यक्तित्व को पूर्ण करने वाले तत्व हैं।

क्षमा का अर्थ है, 'किसी के द्वारा की गई गलती को स्वेच्छा से समाप्त कर देना।' जैन धर्म में क्षमा 'क्षमावाणी' पर्व रूप में मनाई जाती है। इस पर्व को जैन धर्म के अनुयायी दशलक्षण महापर्व के रूप में मनाते हैं। दस दिन, दस सिद्धांतों को मानते हुए दसवें दिन क्षमावाणी का पर्व मनाया जाता है।

जैन संत विद्यासागर जी महाराज कहते हैं, 'अपने मन में क्रोध को पैदा न होने देना और अगर हो भी जाए तो अपने विवेक से, नम्रता से उसे विफल कर देना चाहिए। स्वयं से जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए खुद को क्षमा करना और दूसरे के प्रति भी इसी भाव को रखना क्षमा पर्व का महत्व है।

अन्य धर्मों में क्षमा

जैन धर्म ही नहीं, बल्कि संसार का हर धर्म क्षमा के महत्व को मानता है। क्षमा मांगने से अहंकार खत्म हो जाता है। महाभारत में क्षमा के बारे में उल्लेख मिलता है, 'दुष्टों का बल हिंसा है, राजाओं का बल दंड है और गुणवानों का क्षमा है।' ठीक इसी तरह श्रीमद्भागवद् में उल्लेखित है, 'वही साधुता है कि स्वयं समर्थ होने पर क्षमाभाव रखे।' इस्लाम धर्म के पवित्र ग्रंथ कुरान में उल्लेखित है, जो क्षमा करता है और बीती बातों को भूल जाता है, उसे ईश्वर की ओर से पुरस्कार मिलता है। वहीं, खलील जिब्रान ने कहा है, 'जो मनुष्य नारी को क्षमा नहीं कर सकता, उसे उसके महान गुणों का उपयोग करने का अवसर कभी प्राप्त न होगा।'

क्षमा का मनोविज्ञान मनोविज्ञानी भी क्षमा के महत्व को मानते हैं। कई मनोवैज्ञानिकों के मतानुसार, 'क्षमा का मनुष्य के व्यक्तित्व में बहुत महत्व होता है। यदि कोई आदमी माफी मांगने पर भी किसी को माफन करे तो उसके व्यक्तित्व में भी 'अहम' संबंधी विकार होता है। यानी माफी मांगना और माफ करना दोनों ही मनुष्य के व्यक्तित्व को पूर्ण करने वाले तत्व हैं।

थ्रेडिंग के बाद पिंपल्स से छुटकारा...

आजकल ज्यादातर महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए अपने चेहरे से अनचाहे बालों को हटाने के लिए थ्रेडिंग करवाती हैं। हर तरह की त्वचा पर थ्रेडिंग हो सकती है फिर चाहें आपकी त्वचा संवदेनशील हो या नहीं। पर अक्सर देखा जाता है कि ज्यादातर महिलाओं को थ्रेडिंग करवाने के बाद में दाने, पिंपल्स हो जाते हैं। इसलिए आज हम आपको थ्रेडिंग के बाद होने वाले पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए कुछ आसान से टिप्स देगें। थ्रेडिंग करवाने से पहले अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धों लें। ऐसा करने से थ्रेडिंग के समय दर्द कम होता है। चेहरे को कॉटन के कपड़े से हल्के हाथों से पोंछ न कि रगड़कर पोंछें। अगर आप रगड़ कर कर पोंछेगे तो त्वचा ड्राई हो जाती है। अगर आपने घर पर ही टोनर बनाया हुआ है तो उसे चेहरे को हल्का नम कर दें। अगर आपके चेहरे पर दाने निकले हुए है तो उन पर जड़ी बूटी से बना टोनर ही लगाएं या फिर घर में बनी दालचीनी की चाय को टोनर के रूप में लगा सकती हैं। यह सब करने के बाद ही आप पार्लर में जाकर थ्रेडिंग करवाएं। जलन और संक्रमण से बचने के लिए अपनी आईब्रो पर बर्फ लगाएं। चेहरे को हमेशा गुलाब जल से ही धोएं। इसे लगाने से आपकी आईब्रो पर लगे कट, दाने व पिंपल ठीक हो जाते है। ध्यान में रखें कि आप जब भी थ्रेडिंग करवाकर आए तो थ्रेड़िंग वाले हिस्से को न छुएं। थ्रेडिंग करवाने के बाद कम से कम 12 घंटे की अवधि के दौरान एसिड की मौजूदगी वाले सुगांधित कॉस्मेटिक उत्पाद जैसे क्लींजर और मॉश्चराइजर न लगाएं। थ्रेडिंग के बाद किसी तरह का स्टीम ट्रीटमेंट कभी न करवाएं।

वह अजीब सा नंबर...

आप टीवी पर अपना कोई पसंदीदा शो देख रहे हैं और अचानक एक नीली पट्टी में अजीब सा नंबर दिखने लग जाता है। यह नंबर कभी-कभी आपको इरिटेट करता है, क्योंकि शो के दौरान कई बार ये दिखने लग जाता है। लेकिन क्या आपको इस नंबर की कहानी पता है? अचानक दिखने वाला यह नंबर बहुत काम का होता है और यही नंबर वीडियो पाइरेसी से भी बचाता है। टीवी स्क्रीन पर दिखने वाली रेंडम नंबर की स्ट्रिप को क्षेत्र के आधार पर चैनल एल्गोरिथम के जरिए जनरेट करता है। यह नंबर किसी भी शो के वीडियो के बीच में रेंडम तरीके से रिफ्लेक्ट होता रहता है, ताकि इस वीडियो का कोई दूसरा इस्तेमाल या कॉपी न कर पाए। अगर कोई टीवी के किसी शो या सीरियल के वीडियो को कैमरा या स्क्रीन रिकॉर्डिंग डिवाइस के माध्यम से रिकॉर्ड करता है, तो स्क्रीन पर रिफ्लेक्ट हो रहा नंबर भी उसमें आ जाता है। इससे इस बात का पता लगाने में आसानी हो जाती है कि किस क्षेत्र में टीवी के सीरियल्स और शो को कॉपी किया गया है। नंबर स्ट्रिप के जरिए ही मीडिया कंपनीज बेहद आसानी से उस जगह को ट्रैक कर लेती हैं, जहां बैठकर किसी टीवी शो रिकॉर्ड किया गया होता है। इसके बाद उन्हें उस व्यक्ति को ढूंढने में कोई मुश्किल नहीं होती जो पाइरेटिड कंटेट के लिए जिम्मेदार होता है।

घड़ियों का यह राज...

चाहे वो रोलेक्स घड़ी हो या टाइटन सबके विज्ञापन में हमेशा समय 10.10 ही होता है पर क्या कभी आपने सोचा है ऐसा क्यों होता है। यह कोई संयोग नहीं है इसके पीछे भी एक बहुत ही रोचक कारण हैं। अगर देखा जाए तो इस समय घड़ी की सूइयां जिस आकार में होती है वो हंसने की आकृति बनाती हैं जो एक बहुत ही सकारात्मक चिन्ह होता है। इससे पहले विज्ञापनों में 8.10 का समय इस्तेमाल किया जाता था मगर इस समय से जो आकृति बनती थी उसका मनोवैज्ञानिक असर गलत पड़ता था। कई कारणों में से एक कारण यह भी है की यह समय प्रथम दृष्टि में दिख जाता है ज्यादा ध्यान से देखने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती है। इस समय की वजह से ब्रांड नाम और घड़ी की अन्य विशेषताएं भी आसानी से दिख जाती है। एक और बात ध्यान देने योग्य है की इस समय के दौरान सेकेंड वाले कांटे को 35 सेकेंड पर रोक दिया जाता है। इसको इस तरह भी माना जाता है की यह आकृति वी आकर बनाती है जिसे जीत का आकार भी माना जाता है।

स्मार्टफोन के स्क्रैचेस से छुटकारा...?

अगर आपके स्मार्टफोन पर जरा सी भी खरोंच आ जाए तो आपको बहुत बुरा लगता होगा पर अब आपको किसी भी चीज का बुरा मानने की जरूरत नहीं ही क्योंकि अब आप अपनी स्क्रैच्ड स्क्रीन को घर पर ही ठीक कर सकते हैं। बेकिंग सोडा आपके फोन के स्क्रैच को ठीक कर सकता है। दो चम्मच बेकिंग सोडा में एक चम्मच पानी डालें और एक गाढ़ा पेस्ट बनाएं। एक सूखे कपड़े में इस पेस्ट को लगा कर आराम से स्क्रीन पर घुमाइए और फिर देखिए कमाल। अपने स्क्रीन के स्क्रैच को ठीक करने के लिए टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें। स्क्रीन पर हल्के हाथ से टूथपेस्ट रगड़ें और चुटकियों में आपकी स्क्रीन से स्क्रैचेस गायब हो जाएंगे। फोन की स्क्रीन टूट गई है तो क्रैक लाइन्स पर ट्रांसपैरेंट नेल पॉलिश लगाएं और थोड़ी देर बाद आपकी स्क्रीन फिक्स हो जाएगी। सैंडपेपर का इस्तेमाल आपको फोन से स्क्रैच से छुटकारा दिला सकता है। अच्छी क्वॉलिटी का सैंडपेपर अपने फोन की स्क्रीन पर हल्के हाथ से रगड़ें कुछ ही देर में सारे स्क्रैचेस गायब हो जाएंगे।

पहाड़ों पर बाइक की सवारी...

चेहरे से टकराती, बालों को सहलाती तेज हवा, कभी तेज चढ़ाई, कभी तीखी ढलान, बल खाती सड़क, गहरे मोड़, चारों ओर हरियाली, पौधों की सुगंध किसी का भी मन मोहने में सक्षम है। यही वह आकर्षण है जिसमें बंधे लोग बार-बार पहाड़ों की ओर मोटरसाइकिलें लेकर निकल पड़ते हैं।

एडवेंचर युवाओं का आज सबसे बड़ा पैशन है। एडवेंचर टूर पर जाना और वहां के हालातों से रूबरू होकर वापस लौटना जिंदगी भर के लिए आपकी यादों में बस जाता है। बलखाती सड़क, गहरे मोड़ , तीखी ढलान के मोह में युवा बार-बार पहाड़ों की तरफ मोटरसाइकिलें लेकर निकल पड़ते हैं।

मोटरसाइकिल की सवारी में वैसे तो रोमांच ही रोमांच है, लेकिन पहाड़ों पर मोटरसाइकिल चलाने का मजा ही कुछ और है। यह बात जरूर है कि इसमें खतरे भी कम नहीं हैं। दरअसल, पहाड़ों पर ले जाने वाली मोटरसाइकल शक्तिशाली होनी चाहिए, भले ही उसकी स्पीड ज्यादा न हो, लेकिन बैलेंस करने की क्षमता अच्छी होनी चाहिए। ऐसी यात्रा से पहले कुछ तैयारी भी करनी होती है। पहाड़ की यात्रा में बैलेंस भी सबसे जरूरी है। ऐसी बाइक जिसका वजन आगे-पीछे 40-60 हो, वो बेहतर है। आपको बाइक में होने वाली छोटी-मोटी गड़बडी ठीक करना आनी चाहिए। बेहतर रोड ट्रिप के लिए चौड़ा टायर सही होता है।

गाड़ी का टूपिन ज्यादा पॉवरफुल होना जरूरी नहीं, लेकिन उससे शक्ति कम आरपीएम पर मिल सके तो ठीक होता है। आजकल मोटरसाइकिल अपनी निर्माण गुणवत्ता के चलते काफी विश्वसनीय होने लगी है। बाजार में हर व्यक्ति की जरूरत के अनुरूप मोटरसाइकिलें हैं। 100 सीसी से लेकर 350 सीसी तक मोटरसाइकिलें आम हैं और विशेष मोटरसाइकिलें विदेश से मंगाना भी कठिन नहीं।

सर्विसिंग करा लें

आप जो बाइक ले जाना चाहें उसकी सर्विसिंग जरूर करा लें, भले ही वह ठीक चल रही हो। पहाड़ी रास्ते प्राय: बारिश या भूस्खलन के चलते खराब होते रहते हैं। अत: मोटरसाइकिल के नट-वोल्ट की जांच ठीक से कर लें। मोटरसाइकिल में सबसे बड़ी समस्या पंक्चर की होती है। अत: इसकी व्यवस्था जरूरी है। आपको छोटी-मोटी गड़बड़ी ठीक करना, पहिया खोलना, टयूब निकालना, पंक्चर लगाना आना चाहिए। वैसे अब पहाड़ों में लोगों की आवाजाही बढ़ने से जगह-जगह पंक्चर ठीक करने वाले भी मिलने लगे हैं, परंतु बीच राह में आप ही अपने मददगार होंगे। यात्रा के दौरान अपनी मोटरसाइकिल को प्रतिदिन सुबह टायरों में हवा, सभी नट-वोल्ट, इंजन ऑयल तथा स्टार्टिंग हेतु जांचना चाहिए। सामान बांधते समय भी मोटरसाइकिल के संतुलन का पूरा ध्यान रखना चाहिए। स्पेयर्स में प्लग, स्टार्टिंग क्वायल, क्लच वायर, ब्रेक वायर, पंचर किट, फुट पंप, हेडलाइट बल्ब, चेन लिंक, क्लच तथा ब्रेकलीवर, रबर पाइप और स्पेयर टूयब्स आदि जरूर रखें। टूल्स में प्लग ओपनर, स्क्रू ड्राइवर, रिंच, टायर ओपनर लीवर्स, प्लास, फोल्डिंग हैमर, स्टार्टिंग क्वायल खोलने लगाने के औजार, वाल्व ओपनर, एक छोटी व शक्तिशाली टॉर्च भी रखें।

सामान कम रखें

मोटरसाइकिल यात्रा में सामान कम से कम होना चाहिए। फिर भी जैकेट, विंडचीटर, जींस, मौसम के अनुरूप जूते, मोटे मोजे, ग्लव्स, मफलर, धूप का चश्मा, छोटे बैग्स, हैवरसैक वाटर बॉटल जरूर रखें। सामान को बांधने के लिए सूती रस्सी का प्रयोग करें और उसे पॉलीथिन से ढक कर रखें।

लगातार न चलें

पहाड़ों पर कभी भी लगातार लंबी दूरी तय न करें। बीच-बीच में रुकना साइटसीइंग के साथ एकरसता तोड़ने तथा थकान से बचने हेतु भी जरूरी हैं। पहाड़ पर कभी भी तेज गति से बाइक नहीं चलानी चाहिए। अंधेरा होने पर पहाड़ों पर नहीं चलना चाहिए। यात्रा में दूरी के हिसाब से पहले से योजना बना कर एक दिन में तय हो सकने वाली दूरी का लक्ष्य रखना चाहिए। साथ ही ठहरने के स्थान का भी ध्यान रखना चाहिए।

क्षेत्र की जानकारी जरूरी

यात्रा पर निकलने से पहले आप जिस क्षेत्र में जा रहे हैं वहां के वातावरण, रास्ते, सड़कें, रुकने के स्थान, दर्शनीय स्थल, विशेषताएं, जाने का सही समय आदि सभी जरूरी जानकारियों से लैस हो लें। आप को हमेशा ही अपने पैर अपनी ब्रेक पर रखने चाहिए क्योंकि न जाने कब इसकी जरूरत पर जाए। इससे आप अपनी मोटर साइकिल की स्पीड कम कर सकते हैं। याद रक्खें कभी भी इसकी गलती न करे। वरना बाइक किसी से ठुक जाएगी।

रोड पर ध्यान रखें

पहाड़ का रोड हमेशा ही छोटा होता है क्योकि यह पहाड़ को काट कर बनाया जाता है। आप यहां लापरवाह नहीं हो सकते हैं। एक बार गलती होने पर यहां किसी भी तरह बचा नहीं जा सकता। आप को पूरी तरह अपना ध्यान रोड की तरफ केंद्रित करना होगा। आपको यह देखना होगा कि कौन आगे से आ रहा है। आपको उसके मुताबिक मोटर साइकिल को चलाना होगा। यहां रास्ते सांप की तरह होते हैं। जरा भी ध्यान भंग दुर्घटना को अंजाम दे सकता है। उपयोग में केवल दूसरा व तीसरा गियर ही लाएं। वरना आप की बाइक रुक सकती है और पीछे जाम लग सकता है।

संतुलन है जरूरी

ऐसी यात्रा से पूर्व कुछ तैयारियां भी करनी होती हैं, जिससे विपरीत हालात बनने पर उनसे आसानी से निबटा जा सके। पहाड़ की यात्रा में संतुलन सबसे जरूरी है। टायर की चौड़ाई वाहन के रोड ग्रिप को तय करती है। बेहतर रोड ग्रिप के लिए चौड़ा टायर सही होता है। गाड़ी का टूपिन अधिक ताकतवर होना जरूरी नहीं, पर उससे शक्ति कम आरपीएम पर मिल सके तो ठीक होता है। ऐसी बाइक पहाड़ों पर अधिक उपयोगी होती है, जिसके दूसरे व तीसरे गियर में न सिर्फ पर्याप्त शक्ति हो, बल्कि उन्हें बार-बार बदलने की जरूरत न पड़े। यद्यपि जब रोमांचक यात्रा पर हों तो ईधन खपत खास महत्व नहीं रखता, पर सुदूर पहाड़ी क्षेत्र में कम ईधन खपत वाली बाइक आपको चिंतामुक्त रखेगी।

मोड़ते समय याद रखें

जैसे ही मोड़ आए तो आप को एक दम ही किसी दूसरी गाड़ी को क्रॉस नहीं करें क्योंकि सामने से कोई आ सकता है मोड़ होने की वजह से वह आप को दिखाई नही देगा। इस कारण मोटरसाइकिल उससे ढुक सकती है। अपनी बाइक की गति 20 किमी / घंटा या 30 किमी / घंटा पर ही रखें। छोटी दूरी के बाद रोड बदल जाता है स्पीड यदि ज्यादा होगी तो आपको रोकना मुश्किल होगा जिससे दुर्घटना हो सकती है। आप को खुद पर भरोसा रखना होगा कि आप में मोटर साइकिल को पहाड़ पर चलाने की शक्ति है। आप में ऐसा साहस है कि आप इस काम को आसानी सी कर सकते हैं। आपको कोई ताकत भयभीत नहीं कर सकती है। यह सच है कि पहाड़ पर जोखिम तो है पर आप हर जोखिम लेने के लिए सक्षम हैं।

कार से रोड ट्रिप...

यदि आप कार से रोड ट्रिप पर जाने का सोच रहे हैं तो अपनी कार में जरूरत के अनुसार चीजें ले जाना न भूलें। आज हम आपको बता रहे हैं ऐसी चीजें जो हमेशा आपकी कार में होनी चाहिए।

विंडस्क्रीन माउंट

आपको चाहे अब तक विंडस्क्रीन माउंट जरूरत महसूस नहीं हुई हो लेकिन एक बार इसका इस्तेमाल करने से आपको इस बात का अहसास होगा कि यह आपके लिए कितना जरूरी है। इसके इस्तेमाल से आपका फोन हमेशा सेफ बना रहेगा फिर चाहे आपको ब्रेकर से होकर गुजरना पड़े या गड्ढों से, आपके फोन को कोई नुकसान नहीं होगा। विंडस्क्रीन माउंट की मदद से फोन को इस्तेमाल करना भी बेहद आसान हो फिर चाहे आपको मैप का इस्तेमाल करना हो या फोन में गाने सुनने हों।

कार सेफ्टी हैमर

मुसीबतें बता कर नहीं आती, इसलिए आपको सेफ्टी से जुड़ी चीजें भी अपनी कार में रखनी चाहिए। अपनी कार में आपको सेफ्टी हैमर रखना चाहिए जिससे कोई भी मुसीबत आने पर आप आराम से कार का शीशा तोड़ कर बाहर निकल सकें साथ ही इसमें बने कटर से आप सीट बेल्ट को भी आसानी से काट सकते हैं।

टॉर्च

हो सकता है कि आपके स्मार्टफोन में फ्लैशलाइट फीचर हो लेकिन हर जगह उसका इस्तेमाल करना मुमकिन नहीं है। हो सकता है जिस समय आपको टॉर्च की जरूरत हो उस समय आपके फोन की बैटरी लो हो और कुछ ही समय में वो आपको परेशानी में छोड़ कर बंद हो जाए, इसलिए जरूरी है कि आप अपनी कार में एक टॉर्च हमेशा रखें।

खाली कैन

अगर कभी आपकी कार में रास्ते में पेट्रोल खत्म हो जाए और ऐसा कोई तरीका नहीं हो कि आप अपनी कार को किसी तरह पेट्रोल पंप तक ले जाएं तो ऐसे समय में केवल यह कैन ही आपकी मदद कर सकता है। ऐसे समय में अपनी कार को लॉक कर, ऑटो रिक्शा लेकर पेट्रोल पंप पर जाकर पेट्रोल ले कर वापस आएं और अब आप कार से वहां जा सकते हैं जहां आप जा रहे थे।

एयर कंप्रेसर पंप

एयर कंप्रेसर बाजार में अलग- अलग डिजाइन में मौजूद हैं और यह आपके लिए बेहद जरूरी भी हैं। इलेक्ट्रिक मॉडल मकेनिकल मॉडल से बेहतर ऑप्शन है। ध्यान रखें कि इसकी तार इतनी लंबी हो कि आप सभी टायर्स में इसे आसानी से इस्तेमाल कर सकें।

मैटेलिक कलर्स का क्रेज...

कुछ ट्रैंड्स और स्टाइल ऐसे होते हैं जो कभी आउट ऑफ फैशन नहीं होते। हम जब चाहे इन्हें अप्लाई कर सकते हैं और भीड़ में भी सबसे अलग लग सकते हैं। फैशन से कभी भी आउट न होने वाले कलर्स में मैटेलिक कलर्स भी शामिल हैं। इनका टैक्सचर यानी शाइनी और डल फिनिश आप अपने अकॉर्डिंग सेलेक्ट कर सकती हैं। हर पैटर्न की ड्रैस इन कलर्स में खिल उठती है। आपको किसी पार्टी में जाना हो और आप डिफरेंट दिखना चाहती हैं तो मैटेलिक ड्रैस एकदम परफैक्ट है।

वनपीस ड्रैसेस और गाउन

मैटेलिक टच में वनपीस ड्रैसेस और गाउन इन दिनों हॉटैस्ट फैशन ट्रैंड बने हुए हैं। फैशन डिजाइनर्स का कहना है कि गोल्ड, सिल्वर, ब्रॉन्ज, ग्रे जैसे मैटेलिक कलर्स में ड्रैसेस विंटर सीजन में ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। पैंट्स से लेकर स्कर्ट्स तक में इन्हीं कलर्स का यूज किया जा रहा है। मैटेलिक का मतलब यह नहीं है कि वो बहुत ग्लिटरी ही हों। आप ऐसी ड्रैसेस भी सलेक्ट कर सकती हैं जो मैटेलिक तो हों पर डल फिनिश में हों। इन्हें दिन में भी आसानी से कैरी किया जा सकता है। इनके साथ ग्लिटरिंग जरूर कैरी की जा सकती हैं।

मैटेलिक गाउन

बिना किसी डिटेलिंग के प्लेन मैटेलिक शाइन गाउन के साथ सिंपल, सोबर और स्टाइलिश दिखा जा सकता है। डिटेलिंग के साथ फ्रंट स्लिट वन ऑफ शॉल्डर गाउन आपको ग्लैमरस और सैक्सी लुक देगा। सिल्वर कलर पर सिल्वर और डल गोल्ड एम्ब्राइड्री, गाउन के लुक को और भी आकर्षक बना देगी। मैटेलिक गाउन के साथ सिर्फ ईयररिंग्स कैरी करना ही सफिशिएंट होगा।

लाइनिंग वनपीस

मैटेलिक लुक के साथ लाइनिंग वनपीस ड्रेस बहुत सुंदर लगती है। मैटेलिक सिल्वर और गोल्डन वनपीस ड्रैसेस के साथ चेस्टफील्ड कोट और हंटर कोट का कॉम्बिनेशन भी बढ़िया लगता है। इसके साथ सिर्फ लाइट वेट ज्वैलरी कैरी करना सफिशिएंट रहेगा।

एक्सेसरीज भी

अपने लुक को ग्लैमराइज करने के लिए सिर्फ ड्रैसेस ही नहीं बल्कि मैटेलिक कलर की बैल्ट्स, ज्वैलरी, हैंडबैग्स और यहां तक कि शूज भी सेलेक्ट कर सकती हैं। मैटेलिक कलर के आउटफिट्स को हमेशा न्यूट्रल शेड्स जैसे बेज, ग्रे, व्हाइट, ब्लैक के साथ टीमअप करें और एक्सेसरी भी न्यूट्रल कलर की ही कैरी करें। नाइट आउट के लिए ब्लैक, ब्लू या दूसरे डार्क शेड्स सलेक्ट कर सकती हैं। बहुत ज्यादा शाइन आपको ओवरशाइनी दिखा सकता है, लेकिन एक बैलेंस्ड शाइन से आप सैंटर ऑफ अट्रैक्शन बन सकती हैं। मैटेलिक आउटफिट्स के साथ मेकअप को भी कम से कम ही रखने की कोशिश करें।

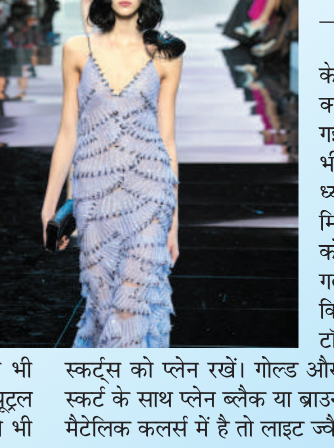

सावधानी जरूरी

मैटेलिक कलर्स के साथ थोड़ा केयरफुली प्ले करना पड़ेगा आपको, क्योंकि अगर आपसे थोड़ी-सी भी गलती हो गई तो ये ट्रैंड आपके लिए बहुत बड़ा ब्लंडर भी साबित हो सकता है। कुछ बातों का ध्यान रखकर आप किसी भी तरह की मिस्टेक से आसानी से बच सकती हैं। खुद को मैटेलिक कलर्स से कवर करने की गलती कभी ना करें। टॉप और बॉटम में से किसी एक को ही इस फैब्रिक में पिक करें। टॉप अगर मैटेलिक हो तो अपने ट्राउजर्स या स्कर्ट्स को प्लेन रखें। गोल्ड और ब्राउन या ब्लैक कलर की मैसी शेड्स स्कर्ट के साथ प्लेन ब्लैक या ब्राउन सैंडो टॉप काफी फबती है। अगर बॉटम मैटेलिक कलर्स में है तो लाइट ज्वैलरी ही कैरी करनी चाहिए।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

सीयू परिसर की कानूनी ईंटें

मामला जितना बड़ा बनता गया, उतना था नहीं। अंततः माननीय हाई कोर्ट सीयू के जदरांगल परिसर की ईंटें गिन रहा है। बेशक इस बीच देहरा परिसर में सेवा विस्तार लेकर बैठे कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल को भरोसा है कि विश्वविद्यालय का श्रीगणेश वहां से हो जाएगा। बेशक देहरा परिसर की रफ्तार में केंद्रीय विश्वविद्यालय, अखंड साम्राज्य का द्योतक बन रहा है, लेकिन जदरांगल ने अपने निर्माण की कानूनी रेत बजरी तैयार कर रखी है। शुक्रवार को निर्देश कड़े, तीखे व निर्माण केंद्रित हैं, इसलिए अब कानूनी नकेल औपचारिकताओं की सुस्ती पर कसी जा रही है। धर्मशाला के नार्थ कैंपस की दास्तान पहली बार अपना दुखड़ा कोर्ट में नहीं बता रही, बल्कि इस अभियान की शुरुआत धूमल-जयराम सरकारों में भी ईमानदार नहीं रही। यह ऐसा पहला मामला है, जहां राजनीति स्वयं पार्टी बन कर गुमराह करती रही। पूर्व मंत्री रविंद्र सिंह रवि के बयान तब धर्मशाला को यह कह कर आहत करते रहे कि यह स्थल किसी भी निर्माण के योग्य नहीं। सिर्फ धर्मशाला की भौगोलिक परिस्थिति भूकंपीय जोन तथा वन संरक्षण अधिनियम के सख्त पहरे में रही, नतीजतन सारी प्रयोगशालाएं और नियमावलियां जदरांगल के सपनों को तोड़ती मरोड़ती रहीं। अब आखिरी कील लिए जदरांगल परिसर हाई कोर्ट में अपने घाव दिखा रहा है, तो माननीय अदालत ने वन संरक्षण अधिनियम के तहत 30 करोड़ जमा कराने की सुस्ती पर कड़ा संज्ञान लिया है। कानून के सामने सब्र और परिसर की कब्र का मामला है। सत्ता संस्थान ने जिस गतिशीलता, प्राथमिकता और पैरवी से देहरा के आधे परिसर पर पूरा निर्माण किया है, वहां जदरांगल परिसर लावारिस, लाचार और बेबस दिखाई देता है। अब यही परिस्थिति कानून की छत्रछाया में अपनी बेडियां दिखा रही है, तो शिक्षा सचिव के लिए इस बार कड़ा सबक आया है। तीस करोड़ अगर 2023 तक जमा हो गए होते, तो केंद्र से उपलब्ध धन से यह परिसर भी परवान चढ़ चुका होता। आश्चर्य यह कि राजनीति ने तथाकथित शीतकालीन राजधानी के साथ खिलवाड़ किया। धर्मशाला में आजादी से काफी पहले ही श्रेष्ठ चिकित्सा व शिक्षा के संस्थान थे, लेकिन आधुनिक हिमाचल ने न यहां मेडिकल कालेज और न ही विश्वविद्यालय बनने दिया। शिमला विश्वविद्यालय का एकमात्र अध्ययन केंद्र होने तथा विभिन्न विषयों की सबसे अधिक अकादमियां होने के बावजूद केंद्रीय विश्वविद्यालय की दौड़ में हार गया। प्रदेश का एकमात्र कालेज जो सौ साल पूरे करके इस शहर के शिक्षा इतिहास का परचम फहरा रहा है, उसके कक्ष से विश्वविद्यालय छीना जा रहा है। उम्मीद है कि उच्च न्यायालय इस विषय की गंभीरता को देखते हुए ऐसा अंतिम फैसला सुनाएगा ताकि राजनीति शिक्षा क्षेत्र में अपनी हद से बाहर न जा पाए। माननीय अदालत ने अब इस विषय पर सरकार को ठोस कार्रवाई का समय देते हुए सात सितंबर तक तस्वीर साफ करने को कहा है, वरना शिक्षा सचिव को अदालत में आकर मंशा और मजबून को समझाते हुए सरकार की रक्षा करनी पड़ेगी। धर्मशाला में केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर हालांकि छात्रों-प्राध्यापकों की पहली पसंद रही है, फिर भी इसकी अंगुली पकड़ रही राजनीति के अपने पूर्वाग्रह रहे हैं और जो गाहे बगाहे प्रदर्शित व साबित होते रहे हैं। किसी भी इमारत से संस्थान नहीं बनते, इसलिए केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा के लिए धर्मशाला परिसर को राजनीति के पिंजरे से मुक्ति चाहिए। कुल मिला कर अब गेंद सरकार के पाले में है और इस संबंध में मार्गदर्शक व ऐतिहासिक फैसले का इंतजार है।

धर्मशाला के नार्थ कैंपस की दास्तान पहली बार अपना दुखड़ा कोर्ट में नहीं बता रही, बल्कि इस अभियान की शुरुआत धूमल-जयराम सरकारों में भी ईमानदार नहीं रही। यह ऐसा पहला मामला है, जहां राजनीति स्वयं पार्टी बन कर गुमराह करती रही। पूर्व मंत्री रविंद्र सिंह रवि के बयान तब धर्मशाला को यह कह कर आहत करते रहे कि यह स्थल किसी भी निर्माण के योग्य नहीं। सिर्फ धर्मशाला की भौगोलिक परिस्थिति भूकंपीय जोन तथा वन संरक्षण अधिनियम के सख्त पहरे में रही, नतीजतन सारी प्रयोगशालाएं और नियमावलियां जदरांगल के सपनों को तोड़ती मरोड़ती रहीं। अब आखिरी कील लिए जदरांगल परिसर हाई कोर्ट में अपने घाव दिखा रहा है, तो माननीय अदालत ने वन संरक्षण अधिनियम के तहत 30 करोड़ जमा कराने की सुस्ती पर कड़ा संज्ञान लिया है। कानून के सामने सब्र और परिसर की कब्र का मामला है। सत्ता संस्थान ने जिस गतिशीलता, प्राथमिकता और पैरवी से देहरा के आधे परिसर पर पूरा निर्माण किया है, वहां जदरांगल परिसर लावारिस, लाचार और बेबस दिखाई देता है। अब यही परिस्थिति कानून की छत्रछाया में अपनी बेडियां दिखा रही है, तो शिक्षा सचिव के लिए इस बार कड़ा सबक आया है। तीस करोड़ अगर 2023 तक जमा हो गए होते, तो केंद्र से उपलब्ध धन से यह परिसर भी परवान चढ़ चुका होता। आश्चर्य यह कि राजनीति ने तथाकथित शीतकालीन राजधानी के साथ खिलवाड़ किया।

गुरु पूर्णिमा पर विशेष

धुंधलाती गुरु-गरिमा को पुन: स्थापित करने का महापर्व

भारतीय संस्कृति का प्राण यदि किसी एक तत्व में समाहित है, तो वह है-गुरु। गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली चेतना है। वह मनुष्य के भीतर सोई हुई संभावनाओं को जगाता है, उसके व्यक्तित्व को संस्कारित करता है और उसे आत्मोन्नति के मार्ग पर अग्रसर करता है। इसीलिए भारतीय मनीषा ने गुरु को ईश्वर से भी श्रेष्ठ माना है। प्रसिद्ध वचन-'गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः'-केवल स्तुति नहीं, बल्कि गुरु की उस महत्ता का उद्घोष है जिसके बिना जीवन का कोई भी आयाम पूर्ण नहीं हो सकता। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाने वाला गुरु पूर्णिमा का पर्व केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, कृतज्ञता और जीवन-मूल्यों के पुनर्जागरण का अवसर है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि धन, पद या प्रसिद्धि नहीं, बल्कि सही मार्गदर्शन है। जिसने जीवन को सही दिशा दे दी, उसने सब कुछ दे दिया। भारतीय परंपरा में इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्मोत्सव भी मनाया जाता है, इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा कहा जाता है। वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, महाभारत की रचना की और भारतीय ज्ञान-परंपरा को सुव्यवस्थित स्वरूप दिया। उन्होंने केवल ग्रंथ नहीं लिखे, बल्कि मानवता को विचारों की ऐसी ज्योति दी जो सहस्राब्दियों से विश्व का मार्गदर्शन कर रही है। इसीलिए गुरु पूर्णिमा ज्ञान और जीवन-दृष्टि के प्रति कृतज्ञता का पर्व है। गुरु का अर्थ केवल शिक्षक नहीं है। शिक्षक सूचना देता है, गुरु चेतना जगाता है। शिक्षक बुद्धि को विकसित करता है, गुरु व्यक्तित्व को प्रकाशित करता है। शिक्षक व्यवसाय हो सकता है, लेकिन गुरु सदैव तपस्या होता है। गुरु वह है जो मनुष्य के भीतर के अंधकार को हटाकर आत्मविश्वास, विवेक और करुणा का दीप प्रज्वलित करे। गुरु का स्पर्श केवल मस्तिष्क तक नहीं पहुँचता, वह आत्मा तक उतरता है। मेरे जीवन में गुरु का स्वरूप केवल एक पूज्य व्यक्तित्व का नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक मोड़ पर प्रकाश-स्तंभ का रहा है। परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री तुलसी ने अपने प्रत्यक्ष सान्निध्य, प्रेरणाओं और जीवन-दृष्टि से मुझे बार-बार यह अनुभव कराया कि गुरु केवल ज्ञान देने वाले नहीं होते, वे जीवन के प्रत्येक अंधकार में दिशा दिखाने वाले दिव्य पथ-प्रदर्शक होते हैं। अनेक ऐसे अवसर आए, जब परिस्थितियां अत्यंत जटिल थीं, समाधान का कोई मार्ग दिखाई नहीं देता था, लेकिन गुरु का स्मरण, उनकी वाणी और उनके द्वारा प्रदत्त संस्कारों ने सहज ही नई राह खोल दी। कई बार उनके प्रत्यक्ष मार्गदर्शन ने ऐसी समस्याओं का समाधान किया, जो मानवीय दृष्टि से असंभव प्रतीत होती थीं। मैंने अनुभव किया है कि गुरु केवल वर्तमान का संबल नहीं बनते, वे भविष्य का निर्माण भी करते हैं। वे केवल सांसारिक जीवन को सफल बनाने की प्रेरणा नहीं देते, बल्कि आत्मा की अनंत यात्रा को भी आलोकित करते हैं। मृत्यु के पार के कल्याण का मार्ग भी गुरु ही प्रशस्त करते हैं। ऐसे अनुभव शब्दों में पूर्णतः व्यक्त नहीं किए जा सकते, क्योंकि वे तर्क से अधिक श्रद्धा, समर्पण और आत्मानुभूति के विषय हैं। आचार्य श्री तुलसी के प्रति मेरी अटूट निष्ठा का आधार कोई चमत्कार नहीं, बल्कि उनके जीवन की तपश्चर्या, दूरदर्शिता, करुणा, आत्मीयता और वह दिव्य गुरु-शक्ति है, जिसने मेरे जीवन को बार-बार नई दिशा, नई चेतना और नई ऊँचाइयां प्रदान की हैं। आज दुनिया अभूतपूर्व वैज्ञानिक उपलब्धियों के दौर से गुजर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल क्रांति और तकनीकी विकास ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन क्या मनुष्य पहले से अधिक शांत, संतुलित और संवेदनशील हुआ है? उत्तर सहज नहीं है। ज्ञान बढ़ा है, परंतु विवेक घटा है। सूचना का विस्फोट हुआ है, लेकिन आत्मबोध का अभाव गहराया है। तकनीक ने गति दी है, पर दिशा देने वाला गुरु दुर्लभ होता जा रहा है। यही आधुनिक समय का सबसे बड़ा संकट है। आज शिक्षा संस्थान डिग्रियां दे रहे हैं, लेकिन जीवन जीने की कला नहीं सिखा पा रहे। प्रतियोगिता बढ़ रही है, पर सहयोग घट रहा है। सफलता की दौड़ तेज हुई है, पर संतोष पीछे छूट गया है। ऐसे समय में गुरु पूर्णिमा केवल परंपरा का निर्वाह नहीं, बल्कि जीवन की दिशा सुधारने का राष्ट्रीय और वैश्विक अभियान बनना चाहिए। गुरु का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि वह केवल सफलता नहीं सिखाता, सार्थकता सिखाता है। वह केवल लक्ष्य तक पहुँचने की विधि नहीं बताता, बल्कि यह भी बताता है कि लक्ष्य कैसा होना चाहिए। गुरु मनुष्य को बाहर की दुनिया जीतने से पहले अपने भीतर की दुनिया को जीतना सिखाता है। आत्मसंयम, विनम्रता, सेवा, करुणा और सत्यनिष्ठा जैसे गुण गुरु के सान्निध्य में ही विकसित होते हैं। भारतीय इतिहास गुरु-शिष्य परंपरा के अनुपम उदाहरणों से भरा पड़ा है। श्रीराम ने वशिष्ठ और विश्वामित्र से मर्यादा सीखी। श्रीकृष्ण ने संदीपनि से शिक्षा ग्रहण की और स्वयं अर्जुन के जीवन में गुरु बनकर उसे कर्मयोग का संदेश दिया। भगवान महावीर के गणधर गौतम, भगवान बुद्ध के आनंद और गुरु नानक के उत्तराधिकारी गुरु अंगद इस बात के प्रमाण हैं कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता, वह नया व्यक्तित्व गढ़ता है। लेकिन आज गुरु की गरिमा अनेक कारणों से धूमिल हुई है। कुछ कथित गुरुओं ने अध्यात्म को प्रदर्शन, चमत्कार और व्यापार का माध्यम बना दिया है। श्रद्धा का स्थान प्रचार ने ले लिया है। आध्यात्मिकता की जगह बाजारवाद ने प्रवेश कर लिया है। ऐसे वातावरण में विवेकपूर्वक गुरु का चयन अत्यंत आवश्यक है। संतों ने ठीक ही कहा है-'पानी पीजै छान के, गुरु कीजै जान के।' गुरु वह नहीं जो भीड़ जुटाए, बल्कि वह है जो व्यक्ति के भीतर चरित्र, साहस और आत्मविश्वास का निर्माण करे। सच्चा गुरु कभी अपने व्यक्तित्व का प्रचार नहीं करता। उसका जीवन ही उसका संदेश होता है। वह अपने अनुयायियों को स्वयं पर आश्रित नहीं बनाता, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाता है। वह अंधभक्ति नहीं, आत्मजागरण सिखाता है। उसका मौन भी शिक्षा होता है और उसका आचरण सबसे बड़ा उपदेश। आज आवश्यकता केवल अच्छे गुरुओं की नहीं, बल्कि अच्छे शिष्यों की भी है। गुरु तभी प्रभावी होता है जब शिष्य में विनम्रता, जिज्ञासा और ग्रहणशीलता हो। अहंकार से भरा हुआ पात्र ज्ञान को धारण नहीं कर सकता। इसलिए गुरु पूर्णिमा हमें केवल गुरु का सम्मान करना नहीं सिखाती, बल्कि अपने भीतर योग्य शिष्य बनने की प्रेरणा भी देती है। यदि हम विश्व को अधिक शांतिपूर्ण, मानवीय और संतुलित बनाना चाहते हैं, तो उसके लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं होगा। नई विश्व-व्यवस्था का निर्माण आध्यात्मिक मूल्यों पर ही संभव है। विज्ञान हमें साधन दे सकता है, लेकिन उनका सदुपयोग कैसे हो, यह गुरु ही सिखा सकता है। राजनीति व्यवस्था बना सकती है, पर चरित्र का निर्माण गुरु ही करता है। कानून अपराध रोक सकता है, लेकिन अपराध की प्रवृत्ति को समाप्त करने का कार्य संस्कार ही कर सकते हैं और संस्कारों का सबसे बड़ा स्रोत गुरु है। इक्कीसवीं सदी में मानवता के सामने हिंसा, आतंकवाद, पर्यावरण संकट, मानसिक तनाव, पारिवारिक विघटन और नैतिक पतन जैसी अनेक चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल तकनीकी उपायों से संभव नहीं है। इनके मूल में मनुष्य की चेतना है, और चेतना का परिष्कार गुरु ही कर सकता है। इसलिए गुरु केवल व्यक्ति का निर्माता नहीं, बल्कि समाज और विश्व का भी निर्माता है। गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश यही है कि हम गुरु को केवल पूजें नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। उनके बताए मार्ग पर चलें। सेवा को जीवन का धर्म, संयम को शक्ति, सत्य को आधार और करुणा को व्यवहार बनाएं। यही सच्ची गुरु-भक्ति है। गुरु पूर्णिमा हमें यही संकल्प लेने की प्रेरणा देती है कि हम अपने जीवन में ऐसे गुरु-तत्व को स्थान देंगे जो हमें केवल सफल नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाए। नई विश्व-संरचना का आधार यदि किसी एक शक्ति में निहित है, तो वह गुरु की चेतना, गुरु के संस्कार और गुरु के आदर्श हैं। जब गुरु की गरिमा पुनः शिखर पर प्रतिष्ठित होगी, तभी मानवता का भविष्य भी प्रकाशमय, संतुलित और आदर्श बन सकेगा।

गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली चेतना है। वह मनुष्य के भीतर सोई हुई संभावनाओं को जगाता है, उसके व्यक्तित्व को संस्कारित करता है और उसे आत्मोन्नति के मार्ग पर अग्रसर करता है। इसीलिए भारतीय मनीषा ने गुरु को ईश्वर से भी श्रेष्ठ माना है। प्रसिद्ध वचन-'गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः'-केवल स्तुति नहीं, बल्कि गुरु की उस महत्ता का उद्घोष है जिसके बिना जीवन का कोई भी आयाम पूर्ण नहीं हो सकता। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाने वाला गुरु पूर्णिमा का पर्व केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, कृतज्ञता और जीवन-मूल्यों के पुनर्जागरण का अवसर है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि धन, पद या प्रसिद्धि नहीं, बल्कि सही मार्गदर्शन है। जिसने जीवन को सही दिशा दे दी, उसने सब कुछ दे दिया। भारतीय परंपरा में इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्मोत्सव भी मनाया जाता है, इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा कहा जाता है।

देश दुनिया से

वाहनों के हिसाब से पार्किंग के विकास की चुनौती

नई गाड़ी खरीदना पहले कभी इतना आसान नहीं था, लेकिन उसे सुरक्षित जगह पर खड़ा करना शायद पहले कभी इतना मुश्किल भी नहीं था। बैंक के आसान ऋण और आकर्षक ईएमआई ने कार को हर मध्यमवर्गीय परिवार की पहुंच में ला दिया है। विडंबना यह है कि कार खड़ी करने की जगह अब बची ही नहीं है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वाहन पोर्टल के अनुसार, मई 2026 तक देश में 42.09 करोड़ से अधिक मोटर वाहन पंजीकृत थे। दूसरी ओर, फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के अनुसार केवल जून 2026 में 25.57 लाख वाहनों की बिक्री हुई। इसके बावजूद शहरों का बुनियादी ढांचा इस रफ्तार का साथ नहीं दे पा रहा। नतीजा यह है कि आज कई शहरों में वाहन चलाने से अधिक कठिन उसे सुरक्षित खड़ा करना हो गया है। रात के दस बज रहे हैं। दफ्तर से लौटा एक व्यक्ति आधे घंटे से अपनी ही कॉलोनी में गाड़ी खड़ी करने की जगह तलाश रहा है। गली के कई चक्कर लगाने के बाद भी जगह न मिलने पर उसे वाहन मुख्य सड़क किनारे खड़ा करना पड़ता है। सुबह तक यही चिंता सताती रहती है कि कहीं पुलिस चालान न कर दे या गाड़ी को कोई नुकसान न पहुंच जाए। यह दृश्य अब किसी एक महानगर का नहीं, बल्कि देश के अधिकांश शहरों की रोजमर्रा की हकीकत बन चुका है। रिहायशी कॉलोनियों में यह संकट सबसे गंभीर रूप में दिखाई देता है। घरों के बाहर रखी ईंटें, बाल्टियां, गमले या टूटी कुर्सियां अब 'आरक्षित पार्किंग' के स्वघोषित संकेत बन चुके हैं। वर्षों पुराने पड़ोसी भी केवल पार्किंग के मुद्दे पर आमने-सामने आ जाते हैं। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की बैठकों में विकास से अधिक पार्किंग विवादों की चर्चा होती है और कई मामले थानों तक पहुंच जाते हैं। पार्किंग अब केवल जगह का नहीं, बल्कि सामाजिक रिश्तों और नागरिक अनुशासन की परीक्षा का विषय बन चुकी है। सार्वजनिक स्थानों पर स्थिति और भी चिंताजनक है। अस्पतालों में मरीज को मुख्य द्वार पर उतारकर तीमारदार को वाहन खड़ा करने के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ता है। दुर्घटना या गंभीर बीमारी के 'गोल्डन आवर' में इलाज में होने वाली देरी कई बार प्राणघातक साबित होती है। बाजारों में सप्ताहांत पर लोगों का काफी समय पार्किंग तलाशने में ही निकल जाता है। सड़क किनारे आड़ी-तिरछी खड़ी गाड़ियों के कारण कई बार एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड के वाहन संकरी गलियों में समय पर नहीं पहुंच पाते। असल समस्या केवल वाहनों की बढ़ती संख्या नहीं, बल्कि नीतिगत कमियां और शहरी नियोजन की कमजोरियां भी हैं। राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) नई परियोजनाओं में पार्किंग का प्रावधान अनिवार्य करती है, लेकिन पुराने शहरों में पर्याप्त पार्किंग विकसित नहीं हो सकी। जिन नए भवनों में 'स्टिल्ट पार्किंग' अनिवार्य की गई, वहां भी कई लोगों ने अवैध निर्माण कर लिए। सड़कें संकरी होती जा रही हैं और फुटपाथ अवैध पार्किंग की चपेट में हैं। इसका सबसे बड़ा खमियाजा पैदल चलने वालों, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ता है। दुनिया के कई देशों ने इस चुनौती का समाधान समय रहते तलाश लिया। जापान में कार खरीदने से पहले निजी पार्किंग (गैराज) का प्रमाण देना अनिवार्य है। सिंगापुर में कार रखना इतना महंगा है कि लोग सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देते हैं। भारत के कई शहरों में भी बहुमंजिला और स्मार्ट पार्किंग विकसित की गई है, लेकिन कई स्थानों पर उनका अपेक्षित उपयोग नहीं हो रहा। इसकी एक वजह लोगों की यह मानसिकता भी है कि वे सुरक्षित पार्किंग के लिए शुल्क देने के बजाय सड़क पर मुफ्त में वाहन खड़ा करना अपना अधिकार मानते हैं। समस्या का स्थायी समाधान केवल नई पार्किंग इमारतें बनाना नहीं है। इसके लिए प्रभावी प्रबंधन, सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर सख्त जुर्माना तथा मेट्रो, सिटी बसों और अन्य भरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का विस्तार जरूरी है। साथ ही, नई आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं में पार्किंग संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना होगा। पार्किंग को भवन निर्माण की औपचारिक शर्त नहीं, बल्कि शहरी बुनियादी ढांचे का अनिवार्य हिस्सा मानना होगा। विकास और आधुनिकता का पैमाना केवल चमचमाते फ्लाईओवरों, चौड़ी सड़कों और उन पर दौड़ती निजी गाड़ियों से तय नहीं हो सकता। हमने ईएमआई पर कार खरीदकर 'स्टेटस सिंबल' तो हासिल कर लिया, लेकिन अपने ही मोहल्लों में सुकून से पैदल चलने की जगह गंवा दी। यदि अब भी पार्किंग को शहरी नियोजन के केंद्र में नहीं रखा गया, तो हमारे शहर धीरे-धीरे वाहनों के कबाड़खाने में तब्दील होते जाएंगे। वह दिन दूर नहीं, जब कोई नया वाहन घर लाने पर लोग यह नहीं पूछेंगे कि गाड़ी कौन-सी है या कितने रुपयों की खरीदी, बल्कि पहला सवाल यही होगा 'भाई साहब, बधाई हो... लेकिन इसे खड़ी कहां करेंगे।

आप का नज़रिया

चैंपियन चानू की तिकड़ी

आज एक चैंपियन बेटी और चैंपियन की दहलीज पर खड़े बेटे की खेल-सफलताओं को सलाम करेंगे, जो मणिपुर जैसे हिंसाग्रस्त और जातीय तनाव से दपदपाते राज्य से आते हैं। बेटी मीराबाई चानू विश्व विख्यात भारोत्तोलक हैं। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों के 96 साल के इतिहास में एक नया मील-पत्थर स्थापित किया है, जब उन्होंने लगातार तीसरी बार (2018, 2022, अब 2026) स्वर्ण पदक जीता है। यह संयोग ही है कि तीनों बार भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक चानू बेटी ने ही जीता है। यकीनन मां भारती उल्लास और गर्व से डबडबा रही होंगी, क्योंकि 'जन गण मन' की धुन सुनते और 'तिरंगे' के सम्मान को देख कर बेटी चानू की आंखें भी भर आई थीं। ऐसा कीर्तिमान रचने वाली चानू अपने भार-वर्ग में विश्व की प्रथम महिला भारोत्तोलक हैं। मणिपुर के ही ऋषिकांत सिंह ने भी 60 किग्रा. भार-वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों का रजत पदक जीता और यकीनन भारत को गौरवान्वित किया। उन्होंने कुल 264 किलो वजन उठाया। यदि उनके घुटने में कोई दिक्कत न होती और उन्हें संघर्ष नहीं करना पड़ता, तो वह भी 'स्वर्णिम चैंपियन' होते! क्लीन एंड जर्क में उनकी आखिरी दो कोशिशें चूक गईं, नहीं तो ऋषिकांत के गले में भी स्वर्ण पदक झूल रहा होता! बहरहाल हम इस उपलब्धि से भी खुश हैं और 'महान' करार देते हैं। हमने शुरुआत में ही लिखा था कि बेटा चैंपियन बनने की दहलीज पर खड़ा है, ऋषिकांत ने उसे बहुत कुछ सटीक साबित कर दिया। वैसे वह 2025 की कॉमनवेल्थ वेट लिफ्टिंग चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता भी हैं, जहां उन्होंने 271 किग्रा. वजन उठा कर 'राष्ट्रीय कीर्तिमान' स्थापित किया। उन्होंने अब राष्ट्रमंडल खेलों की इस प्रतिस्पद्र्धा में स्नैच में 121 किग्रा. वजन उठा कर इन खेलों के कीर्तिमान की बराबरी की है। वाह, शाबाश!! बेटा ऋषि!! क्या यह चैंपियन वाला प्रदर्शन नहीं है? मीराबाई चानू और ऋषिकांत दोनों ही गरीब घरों और छोटे गांवों से आते हैं। अभाव सहे हैं, तकलीफें झेली हैं, संकट में घिरे जीवन को जिंदा रखा है और यही उनकी मजबूती और आंतरिक, मानसिक ताकत रही है। ऋषि के पिता टैक्सी चलाते थे और ऋषि 40 किमी. साइकिल चला कर प्रशिक्षण के लिए जाते थे। चानू ने बचपन में बांस के डंडे ढोये हैं। वे ही उनका प्रथम, बुनियादी अभ्यास था, जिसने उन्हें विश्वस्तरीय भारोत्तोलक बना दिया। चानू ने 2020-21 के टोक्यो ओलिंपिक खेलों में भारोत्तोलन का रजत पदक जीता था, लेकिन 2024 के पेरिस ओलिंपिक खेलों में वह पदक से चूक गईं, नतीजतन निराशा, हताशा, पराजय महसूस की होगी। शरीर ने भी कई जगह जवाब दे दिया, लिहाजा चानू को ऑपरेशन और इलाज के एक लंबे दौर से भी गुजरना पड़ा। अंततः 2025 की कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में चानू ने स्वर्ण पदक जीत कर अपनी वापसी की धमाकेदार घोषणा की। राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार तीन बार चैंपियन बनने के जरिए चानू ने साबित कर दिया कि अब वह 2028 के ओलिंपिक खेलों के लिए तैयार हैं। मणिपुर और भारतीय भारोत्तोलन के ये दोनों खिलाड़ी वाकई योद्धा हैं। आज तक 48 किग्रा. भार-वर्ग में स्नैच में 85 किलो और क्लीन एंड जर्क में 105 किलो, अर्थात कुल 190 किलो का वजन किसी भी महिला खिलाड़ी ने नहीं उठाया है। एक ही दिन में, एक ही प्रतिस्पद्र्धा के दौरान, ये तीनों कीर्तिमान भी अब चानू के नाम हैं। इन दोनों खिलाडियों के हुनर, अभ्यास, मेहनत, संकल्प को बार-बार सलाम है। ये वाकई 'गुदड़ी के लाल' हैं। चानू को खेल के तमाम प्रतिष्ठित सम्मान दिए जा चुके हैं, लेकिन 'अर्जुन अवार्ड' शेष है।

मणिपुर जैसे हिंसाग्रस्त और जातीय तनाव से दपदपाते राज्य से आते हैं। बेटी मीराबाई चानू विश्व विख्यात भारोत्तोलक हैं। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों के 96 साल के इतिहास में एक नया मील-पत्थर स्थापित किया है, जब उन्होंने लगातार तीसरी बार (2018, 2022, अब 2026) स्वर्ण पदक जीता है। यह संयोग ही है कि तीनों बार भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक चानू बेटी ने ही जीता है। यकीनन मां भारती उल्लास और गर्व से डबडबा रही होंगी, क्योंकि 'जन गण मन' की धुन सुनते और 'तिरंगे' के सम्मान को देख कर बेटी चानू की आंखें भी भर आई थीं। ऐसा कीर्तिमान रचने वाली चानू अपने भार-वर्ग में विश्व की प्रथम महिला भारोत्तोलक हैं। मणिपुर के ही ऋषिकांत सिंह ने भी 60 किग्रा. भार-वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों का रजत पदक जीता और यकीनन भारत को गौरवान्वित किया। उन्होंने कुल 264 किलो वजन उठाया। यदि उनके घुटने में कोई दिक्कत न होती और उन्हें संघर्ष नहीं करना पड़ता, तो वह भी 'स्वर्णिम चैंपियन' होते! क्लीन एंड जर्क में उनकी आखिरी दो कोशिशें चूक गईं, नहीं तो ऋषिकांत के गले में भी स्वर्ण पदक झूल रहा होता! बहरहाल हम इस उपलब्धि से भी खुश हैं और 'महान' करार देते हैं। हमने शुरुआत में ही लिखा था कि बेटा चैंपियन बनने की दहलीज पर खड़ा है, ऋषिकांत ने उसे बहुत कुछ सटीक साबित कर दिया। वैसे वह 2025 की कॉमनवेल्थ वेट लिफ्टिंग चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता भी हैं, जहां उन्होंने 271 किग्रा. वजन उठा कर 'राष्ट्रीय कीर्तिमान' स्थापित किया।

कुछ अलग

पूर्णता का भ्रम

ज्ञानी कहते हैं कि सृष्टि की उत्पत्ति के विषय में दुनिया में उतने ही मत हैं, जितने मनुष्य। धर्म कहते हैं कि संसार ईश्वर की इच्छा से जन्मा। विज्ञान हमें महाविस्फोट की कथा सुनाता है। दार्शनिक उसे माया का विस्तार बताते हैं। साहित्यकार उसे एक अनंत स्वप्न मानते हैं। इतिहासकार उसके आरंभ की तिथि खोजते-खोजते स्वयं इतिहास बन जाते हैं। और काल...वह इन सबको सुनकर केवल मुस्करा भर देता है। क्योंकि वह जानता है कि उत्पत्ति का सबसे बड़ा रहस्य यह नहीं कि संसार कब बना, बल्कि यह है कि वह आज तक पूरी तरह बना ही नहीं। बुद्ध कहते हैं कि प्रकृति कभी पूर्ण नहीं होती। वह निरंतर बनती रहती है। यही उसका सौंदर्य है। और यही उसकी सबसे बड़ी असुरक्षा भी। लोककथाएं कहती हैं कि जब पृथ्वी अभी पूरी तरह ठंडी भी नहीं हुई थी, तब देवताओं ने सृष्टि का अंतिम निरीक्षण करने के लिए एक महासभा बुलाई। ब्रह्मा ने नई सृष्टि की ओर देखा। उनके नेत्रों में एक रचनाकार का आत्म संतोष था। विष्णु ने नदियों का प्रवाह दिखाया। जल अभी अपनी पहली यात्राओं पर निकला ही था। उसे समुद्र तक पहुंचने की कोई जल्दी नहीं थी। इन्द्र ने बादलों का विस्तार देखा। आकाश पहली बार अपने ही प्रतिबिम्ब से भर रहा था। महेश मौन थे। उन्हें विश्वास था कि हिमालय स्वयं अपना परिचय देने में समर्थ है। अग्नि प्रसन्न थी कि उसे दिशा मिल गई है। वायु प्रसन्न थी कि उसे कोई दिशा स्वीकार नहीं करनी पड़ी। सर्वत्र उसका साम्राज्य होगा। पृथ्वी चुप थी। क्योंकि उसे मालूम था कि सबसे अधिक भार उसी को उठाना है। सभा में संतोष था। प्रत्येक देवता आश्वस्त था कि उसकी रचनात्मक सहभागिता पूर्ण है।

दृष्टि कोण

मुसीबत बनता जा रहा यूपीआई ऑटोपे

आज यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भारत की शान बन चुका है। दुनिया भर में इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है और कई देश यूपीआई को अपनाना चाहते हैं। यूपीआई को देश की सबसे बड़ी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर सफलताओं में से एक माना जाता है। इसने पेमेंट को आसान बनाया है, छोटे व्यवसायों को सशक्त किया है और लाखों लोगों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ा है। हालांकि, हर सफल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को ग्राहकों की नई चुनौतियों के साथ बदलना चाहिए। आज एक ऐसी चुनौती है जिस पर तुरंत नियामक द्वारा ध्यान देने की जरूरत है।

यूपीआई ऑटोपे हिदायत का बढ़ता गलत इस्तेमाल: ऑटोपे को बार-बार होने वाले पेमेंट के लिए एक सुविधाजनक सुविधा के तौर पर शुरू किया गया था, लेकिन अब यह एक ऐसा माध्यम बन चुका है जिससे ग्राहक अनजाने में उन सेवाओं के लिए पेमेंट करते रहते हैं जिनका वे अब इस्तेमाल नहीं करते या करना नहीं चाहते।

चुपचाप पेड सब्सक्रिप्शन में बदल जाते हैं फ्री ट्रायल: हम इस समस्या को इस तरह समझ सकते हैं। कोई सर्विस प्रोवाइडर अपनी सेवा की कोई आकर्षक सुविधा दिखाता है और आपको कुछ समय (जैसे एक दिन, हफ्ते या एक महीने) के लिए फ्री सब्सक्रिप्शन का ऑफर देता है, लेकिन साथ ही आपसे यह सहमति भी मांगता है कि शुरुआती समय के बाद आप सब्सक्रिप्शन जारी रखेंगे, और इसके लिए आप एक ग्राहक के तौर पर, जल्दबाजी में चेकआउट प्रक्रिया के दौरान बिना पूरी तरह समझे एक मैंडेट यानी हिदायत को मंजूरी दे देते हैं। महीनों बाद भी आपके बैंक अकाउंट से पैसे कटते रहते हैं।

क्या यह व्यक्तिगत लापरवाही का मामला है: यह किसी व्यक्ति की लापरवाही का मामला नहीं है। यह स्ट्रक्चरल डिजाइन की समस्या है। इसे हम इस तरह समझ सकते हैं: एक बार किए जाने वाले यूपीआई पेमेंट से अलग, ऑटोपे मैंडेट एक लंबे समय तक चलने वाला फाइनेंशियल रिश्ता बन जाता है। फिर भी आम यूजर के लिए उस रिश्ते को खत्म करने की प्रक्रिया बेवजह मुश्किल बनी हुई है। कई ग्राहकों को तो यह भी नहीं पता होता कि उनके एक्टिव मैंडेट कहां हैं। कुछ बैंक अपने ऐप में मैंडेट मैनेजमेंट को कई लेयर के अंदर छिपाकर रखते हैं। दूसरे बैंक ऐसे इंटरफेस देते हैं जो एक जैसे नहीं होते। कई मामलों में यूजर्स को एक्टिव मैंडेट के बारे में तब पता चलता है जब कई बार पैसे कट चुके होते हैं। सिर्फ इसलिए कि डिजिटल पेमेंट बहुत ज्यादा होने लगे हैं, यह नहीं माना जा सकता कि भारत में डिजिटल साक्षरता आ गई है। इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लाखों नए लोग, बुजुर्ग और ग्रामीण ग्राहक पेमेंट करने में तो सहज हो सकते हैं, लेकिन वे रिकरिंग मैंडेट, सब्सक्रिप्शन मैनेजमेंट या कैंसलेशन प्रोसेस जैसी चीजों से अनजान हो सकते हैं।

ग्राहक सुरक्षा सिर्फ टेक्नोलॉजी विकास पर निर्भर नहीं हो सकती: दुनिया के सबसे सुरक्षित और भरोसेमंद डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम में से एक बनाने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अभिनंदन का पात्र है। फिर भी, यूपीआई के विकास के अगले चरण में ग्राहकों के कंट्रोल पर भी उतना ही जोर दिया जाना चाहिए। मई 2026 में, यूपीआई ने 23.2 अरब ट्रांजैक्शन किए, जिनका मूल्य 29.9 लाख करोड़ रुपए था। ध्यान देने वाली बात यह है कि इंडस्ट्री की रिपोर्ट के अनुसार 2026 के मध्य तक बैंक हर महीने लगभग 1.6 अरब यूपीआई ऑटोपे ट्रांजैक्शन प्रोसेस कर रहे थे। यानी, कुल यूपीआई ट्रांजैक्शन का लगभग 7 प्रतिशत हिस्सा ऑटोपे, या दूसरे शब्दों में, रिकरिंग पेमेंट मैंडेट से होने वाले ट्रांजैक्शन का होता है।

सिंगापुर से अगले माह दो मैत्री मैच खेलेगी भारतीय फुटबाल टीम, एशियाई कप क्वालीफायर में मिलेगा लाभ

कोलकाता

भारतीय फुटबाल टीम अगले माह सिंगापुर से दो मैत्री मैच खेलेगी। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार, ये मुकाबले तीन और छह अगस्त को सेंटर फार स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में खेले जाएंगे।

एआईएफएफ के अुनसार भारतीय टीम को साल 2027 में होने वाले एएफसी अंडर20 एशियाई कप क्वालीफायर के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए इन मैचों से लाभ मिलने की उम्मीद है। ये मैत्री मैच युवा भारतीय खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त करने और टीम समन्वय को मजबूत करने का एक अच्छा अवसर प्रदान करेंगे। एआईएफएफ का मानना है कि सिंगापुर जैसी प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ खेलने से खिलाड़ियों को असली टूर्नामेंट के हालातों का सामना करने में सहायता मिलेगी और उनका रणनीतिक कौशल भी बेहरत होगा। इससे भारतीय टीम को अपनी ताकत और कमजोरियों का आकलन करने का अवसर भी मिलेगा।

गौरतलब है कि भारत और सिंगापुर की अंडर 20 टीमें के बीचपहले भी दो बार मुकाबला हुआ है। उन दोनों ही अवसरों पर भारतीय टीम ने जीत दर्ज की थी। पहली भिड़ंत 1966 के एएफसी युवा चैम्पियनशिप में हुई थी, जहाँ भारत ने सिंगापुर को 4-1 से हराया था। वहीं दूसरी जीत 1974 में इसी चैम्पियनशिप के दौरान पेनल्टी शूटआउट में मिली थी। , दोनों टीमों ने 2017 में गोवा में आयोजित अंडर19 अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों में भी एक दूसरे का मुकाबला किया था। तब भारतीय टीम ने पहला मैच 7-2 के बड़े अंतर से जीता था, जबकि सिंगापुर ने दूसरे मैच में 1-0 से वापसी करते हुए जीत हासिल की थी। इन मैत्री मैचों का अंतिम लक्ष्य 2027 एएफसी अंडर20 एशियाई कप क्वालीफायर के लिए एक ठोस आधार तैयार करना है, जहाँ भारतीय टीम को कठिन चुनौतियों का सामना करना है। भारतीय टीम को एशियाई कप क्वालीफायर में ताशकंद में ग्रुप सी में रखा गया है और उसे 31 अगस्त को सीरिया, तीन सितंबर को उज्बेकिस्तान और छह सितंबर को बांग्लादेश के खिलाफ अपने क्वालीफाइंग मैच खेलने हैं। ये आगामी मैत्री मैच टीम के कोचों को विभिन्न रणनीतियों का परीक्षण करने, खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने और एकजुट होकर एक मजबूत इकाई बनाने का अवसर प्रदान करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रमंडल खेल 2026 : सर्वेश कुशारे ने ऊंची कूद में जीता रजत, एथलेटिक्स में भारत का पहला पदक

ग्लासगो। भारत के स्टार हाई जंप खिलाड़ी सर्वेश कुशारे ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा का रजत पदक जीत लिया। इसके साथ ही उन्होंने ग्लासगो खेलों में एथलेटिक्स में भारत का पहला पदक दिलाया।

31 वर्षीय सर्वेश ने फाइनल में 2.05 मीटर, 2.10 मीटर, 2.15 मीटर और 2.20 मीटर की ऊंचाई पहले ही प्रयास में सफलतापूर्वक पार की। इसके बाद उन्होंने 2.25 मीटर की ऊंचाई तीसरे प्रयास में पार कर रजत पदक लगभग सुनिश्चित कर लिया। जमैका के रोमेन बेकफोर्ड ने भी 2.25 मीटर की ऊंचाई पार की, लेकिन उन्होंने यह ऊंचाई पहले प्रयास में ही पार कर ली थी। इसी आधार पर उन्हें स्वर्ण पदक मिला। इसके बाद दोनों खिलाड़ी 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने में तीनों प्रयासों में असफल रहे। इंग्लैंड के किमानी जैक ने 2.20 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। सर्वेश कुशारे शानदार फार्म में राष्ट्रमंडल खेलों में पहुंचे थे। उन्होंने 27 जून को भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय अंतर-राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया था। इसके अलावा 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बनकर उन्होंने इतिहास भी रचा था, जहां उन्होंने छठा स्थान हासिल किया था। भारत की ओर से इस स्पर्धा के फाइनल में तीन खिलाड़ी उतरे थे। हालांकि, तेजस्विन शंकर शुरुआती 2.05 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहने के बाद चोट के कारण मुकाबले से हट गए। इसके बावजूद बर्मिंघम 2022 के कांस्य पदक विजेता तेजस्विन पूरे मुकाबले के दौरान ट्रैक के किनारे मौजूद रहे और सर्वेश का उत्साह बढ़ाते रहे। भारत के एक अन्य खिलाड़ी जे. आदर्श राम भी फाइनल में शामिल थे। सर्वेश कुशारे के इस रजत पदक के साथ भारत ने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में एथलेटिक्स में अपना पदक खाता खोल दिया, जिससे भारतीय दल की पदक उम्मीदों को नई मजबूती मिली।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: आधिकारिक वेबसाइट की गलती से फैला भ्रम, हाई जंप फाइनल से बाहर हुए तेजस्विन

ग्लासगो। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा के फाइनल के दौरान भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर को लेकर आधिकारिक परिणाम वेबसाइट की बड़ी गलती से भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। वेबसाइट पर उन्हें डीएनएस (डिड नाट स्टार्ट) दिखाया गया, जबकि लाइव प्रसारण में वह स्काट्सटाउन स्टेडियम में प्रतियोगिता के लिए मौजूद दिखाई दिए।

शुरुआत में वेबसाइट की इस त्रुटि से ऐसा लगा कि भारत की ओर से फाइनल में केवल दो खिलाड़ी ही हिस्सा ले रहे हैं। हालांकि कुछ ही देर बाद तेजस्विन शंकर अपने साथी खिलाड़ियों सर्वेश कुशारे और जे. आदर्श राम के साथ मैदान पर नजर आए, जिससे स्पष्ट हो गया कि वेबसाइट पर डीएनएस दिखाया जाना तकनीकी गलती थी। तेजस्विन ने 2.05 मीटर की शुरुआती ऊंचाई से अपने अभियान की शुरुआत की, लेकिन पहले प्रयास में बार पार नहीं कर सके। प्रयास के बाद मैट पर उतरते समय उन्हें असहजता महसूस हुई और वह चोट से परेशान नजर आए। इसके बाद उन्होंने प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया और उनका हाई जंप फाइनल समय से पहले ही समाप्त हो गया। फिलहाल उनकी चोट की गंभीरता को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

यश दयाल अब छत्तीसगढ़ से खेलेंगे

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल अब आने वाले घरेलू सत्र से छत्तीसगढ़ की ओर से खेलेंगे। यश दयाल अभी तक अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश की ओर से खेलते आये हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार यश को अभी तक उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी नहीं मिला है पर वह कर्नाटक के आलूर में लगे छत्तीसगढ़ के प्री-सीजन कैंप में शामिल हो गये हैं। यश विवादों में भी रहे हैं। यौन उत्पीड़न मामले में फंसे होने के करण वह आईपीएल 2025 के बाद से ही किसी भी तरह से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में नहीं खेल पाये हैं। इस मामले के बावजूद उनकी आईपीएल टीम रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने उन्हें अगले सीजन के लिए बरकरार रखा था पर वह कानूनी मामलों में फंसे होने के कारण टीम से नहीं जुड़ पाए और पूरे सत्र से बाहर रहे। यश दयाल के उत्तर प्रदेश की घरेलू टीम छोड़ने के पीछे का एक प्रमुख कारण यूपी टी20 लीग में उन्हें जगह नहीं मिलना रहा है। दयाल को अगस्त से शुरू होने वाली आगामी यूपी टी20 लीग के लिए गोरखपुर लायंस ने रिटेन किया था और उन्होंने आफ-सीजन के दौरान फ्रेंचाइजी के रिटेन किए गए खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण भी शुरू कर दिया था पर शुक्रवार को नीलामी के बाद फ्रेंचाइजी द्वारा घोषित 18 सदस्यीय टीम में दयाल का नाम शामिल नहीं था, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है।

घर बेचना पड़ा, हिंसा झेली, अब रचा इतिहास

भारत को पहला पैरा एथलेटिक्स राष्ट्रमंडल स्वर्ण दिलाने वाली शर्मिला धनखड़ बनीं प्रेरणा की मिसाल

नई दिल्ली। हरियाणा की पैरा एथलीट शर्मिला धनखड़ ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में वह इतिहास रच दिया, जिसका भारत पिछले 20 वर्षों से इंतजार कर रहा था। महिला शॉट पुट एफ-57 वर्ग में शर्मिला ने 9.81 मीटर का अपने सत्र का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर भारत की झोली में ऐतिहासिक उपलब्धि डाली। इसके साथ ही वह राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पैरा एथलेटिक्स में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं।

यह उपलब्धि केवल एक स्वर्ण पदक तक सीमित नहीं है, बल्कि संघर्ष, साहस, आत्मविश्वास और अदम्य इच्छाशक्ति की ऐसी प्रेरक कहानी है, जिसने लाखों लोगों को नई उम्मीद दी है। गरीबी, पोलियो, घरेलू हिंसा और आर्थिक तंगी जैसी कठिन परिस्थितियों से जूझते हुए शर्मिला ने यह मुकाम हासिल किया है। शर्मिला धनखड़ हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले की निवासी हैं। उन्हें मात्र दो वर्ष की आयु में पोलियो हो गया था, जिससे उनके एक पैर पर स्थायी प्रभाव पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी और पैरा खेलों में अपनी पहचान बनाई।

वह महिला शॉट पुट तथा डिस्कस थ्रो की अंतरराष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी हैं। एफ-57 वर्ग उन खिलाड़ियों के लिए निर्धारित होता है, जिनके निचले अंगों में कमजोरी, कमी अथवा चलने-फिरने में कठिनाई होती है। शर्मिला ने 34 वर्ष की आयु में खेलों की शुरुआत की। वर्ष 2021 में उन्होंने पैरा राष्ट्रीय चैंपियनशिप में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इसके बाद वर्ष 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल तथा वर्ष 2023 के एशियाई पैरा खेलों में वह चौथे स्थान पर रहीं। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और इसी वर्ष दुबई में आयोजित फज्जा अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शॉट पुट में स्वर्ण तथा डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक जीतकर शानदार वापसी की।

शर्मिला का बचपन अत्यंत अभावों में बीता। उनकी मां दृष्टिहीन थीं, जबकि पिता किसान थे। मात्र 19 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया, लेकिन पहली शादी उनके लिए बेहद कष्टदायक साबित हुई। कई वर्षों तक उन्हें घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ा। अंततः उन्होंने अपनी दो बेटियों के साथ मायके लौटकर नई जिंदगी की शुरुआत की।दूसरी शादी के बाद उनके पति अजीत सिंह ने उन्हें पैरा खेलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। कोच टेक चंद और देवेंद्र के मार्गदर्शन में उन्होंने कठोर प्रशिक्षण लिया।

आर्थिक तंगी इतनी अधिक थी कि वर्ष 2023 में परिवार को रेवाड़ी स्थित अपना घर बेचकर किराए के मकान में रहना पड़ा, ताकि शर्मिला का प्रशिक्षण और खेल जारी रह सके। आज उनका सबसे बड़ा सपना फिर से अपना घर खरीदना है।

शर्मिला की दोनों बेटियां भी खेलों से जुड़ी हुई हैं। बड़ी बेटी अंजू अंडर-16 जैवलिन थ्रो खिलाड़ी हैं, जबकि छोटी बेटी लक्ष्मी अंडर-14 हाई जंप प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती हैं।

Rank	Team	Gold	Silver	Bronze	Total
8	India IND	2	5	3	10
1	Australia AUS	28	13	20	61
2	England ENG	10	17	12	39
3	Canada CAN	9	8	8	25
4	Scotland SCO	6	4	3	13

डीपीएल सीजन-3: अनुज रावत बने पुरानी दिल्ली 6 के कप्तान

नई दिल्ली

आगामी दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) सीजन-3 से पहले पुरानी दिल्ली 6 फ्रेंचाइजी ने विकेटकीपर-बल्लेबाज अनुज रावत को टीम का कप्तान नियुक्त किया है।31 जुलाई से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में अनुज रावत के नेतृत्व में टीम खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी।

घरेलू क्रिकेट और टी20 प्रारूप में नेतृत्व का अनुभव रखने वाले अनुज रावत अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं से सजी संतुलित टीम की कमान संभालेंगे। फ्रेंचाइजी ने उनके नेतृत्व पर पूरा भरोसा जताते हुए उन्हें टीम का आदर्श कप्तान बताया है।

पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नांगिया ने कहा कि अनुज रावत एक सिद्ध खिलाड़ी हैं, जिनमें धैर्य, परिपक्वता और खेल की गहरी समझ है। उन्होंने कहा कि शीर्ष स्तर का उनका अनुभव और साथियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें टीम का सर्वश्रेष्ठ नेता बनाती है। फ्रेंचाइजी को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में टीम पूरे सीजन शानदार प्रदर्शन करेगी।

आकाश नांगिया ने यह भी कहा कि टीम का गठन अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं के संतुलित मिश्रण के साथ किया गया है। खिलाड़ियों ने अभ्यास के दौरान शानदार प्रतिबद्धता दिखाई है और टीम के पास चैंपियन बनने की पूरी क्षमता है।

पुरानी दिल्ली 6 अपने अभियान की शुरुआत 31 जुलाई को करेगी और अनुज रावत की कप्तानी में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए खिताब जीतने का प्रयास करेगी।

पुरानी दिल्ली 6 टीम (डीपीएल सीजन-3):

ललित यादव, उधव मोहन, रजनीश दादर, रोहन राणा, आर्यन गौर, वनम अग्रवाल, अजय अहलावत, कुश नागपाल, दिग्वेश राठी, युग गुप्ता, कबीर सचदेवा, गौरव सरोहा, देव लाकड़ा, अनुज रावत (कप्तान), समर्थ सेठ, मोहक कुमार, यश कुमार, पंकज जसवाल, हर्षवर्धन फोगाट, अर्जुन रेक्सवाल, लक्ष्य वर्मा, प्रिंस मिश्रा, अश्विनी चिल्लर, आदित्य वर्मा और आदित्य मल्होत्रा।

अब अक्टूबर में ही खेलते दिखेंगे वैभव

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के 15 साल के उभरते हुए सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे दौरे पर अपनी आक्राम बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है। अब जबकि जिम्बाब्वे दौरा समाप्त हो चुका है, तो प्रशंसकों को वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी देखने के लिए इंतजार करना होगा। इसका कारण है कि अब भारतीय टी20 टीम की अगली सीरीज टी20 सीरीज अक्टूबर में ही होगी। भारतीय टीम इस दौरान वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगी। यह घरेलू सीरीज टीम इंडिया के लिए काफी महत्वपूर्ण होगी। इसमें भी वैभव को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक और अवसर मिल सकता है। वेस्टइंडीज की टीम भारत दौरे पर तीन मैचों की एकदिवीसय सीरीज के लिए आएगी, जिसके बाद दोनों टीमें पांच टी20 मैचों की लंबी सीरीज के लिए मैदान पर उतरेंगी। टी20 सीरीज की शुरुआत 6 अक्टूबर को लखनऊ के प्रतिष्ठित इकाना क्रिकेट स्टेडियम से होगी। वेस्टइंडीज के भारत दौरे का टी20 शेड्यूल काफी रोमांचक है। पहला टी20 मुकाबला 6 अक्टूबर को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा टी20 मैच 9 अक्टूबर को रांची के जएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में होगा। सीरीज का तीसरा मैच रविवार, 11 अक्टूबर को इंदौर के होलकर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, सारांश जैन को पहली बार मौका, रवींद्र जडेजा की वापसी

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान एक बार फिर शुभमन गिल के हाथों में होगी, जबकि केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है।

इस टीम में सबसे बड़ा आकर्षण मध्य प्रदेश के अनुभवी आफ स्पिन आलराउंडर सारांश जैन का पहली बार टेस्ट टीम में चयन है। 33 वर्षीय सारांश को वाशिंगटन सुंदर के हैमस्ट्रिंग चोटिल होने के बाद मौका मिला है। घरेलू क्रिकेट और इंडिया ए के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। वहीं, अनुभवी आलराउंडर रवींद्र जडेजा की भी टीम में वापसी हुई है। उन्हें जून में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच के लिए आराम दिया गया था। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज साई सुदर्शन को भी टीम में शामिल किया गया है, लेकिन दोनों का चयन बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) से फिटनेस मंजूरी मिलने पर ही प्रभावी होगा। दूसरी ओर, चोट के कारण पुनर्वास कर रहे नितीश कुमार रेड्डी को टीम में जगह नहीं मिली है।

भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 15 अगस्त से गाल में खेला जाएगा, जबकि दूसरा और अंतिम टेस्ट 23 अगस्त से एसएससी, कोलंबो में होगा। भारत ने पिछली बार 2017 में श्रीलंका का दौरा किया था, जहां उसने मेजबान टीम का 3-0 से सफाया किया था।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल और सारांश जैन।

जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन का चयन फिटनेस मंजूरी के अधीन है।

अश्विन ने 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियों पर उठाये सवाल

टीम प्रबंधन करे स्पष्ट रणनीति बननी होगी

चेन्नई

पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि भारतीय टीम को जिस प्रकार से इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है उससे उसकी साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियों पर सवाल उठ रहे हैं। अश्विन ने कहा कि ये हार इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि इस सीरीज में विराट कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी टीम में थे। इसके बाद भी टीम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी। भारतीय टीम पहला मुकाबला जीतने के बाद लगातार दो मैचों में हारी।

अश्विन ने कहा कि टीम प्रबंधन को अब स्पष्ट रणनीति अपनानी होगी। अभी टीम ऐसे खिलाड़ियों पर जरुरत से ज्यादा भरोसा कर रही है जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सीमित योगदान देते हैं जबकि बड़े टूर्नामेंट जीतने के लिए विशेषज्ञ खिलाड़ियों की अधिक जरुरत रहती है।

अश्विन ने आलराउंडर हार्दिक पांड्या के विकल्प को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि हार्दिक पूरी तरह से फिट नहीं रहते हैं, तो भारतीय टीम के पास कोई स्पष्ट विकल्प नजर नहीं आ रहा है। नितीश कुमार रेड्डी और शिवम दुबे को विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है पर नितीश भी हाल के समय में फिटनेस के लिए संघर्ष करते देखे गये हैं। अश्विन का मानना है कि केवल अस्थायी विकल्पों से ही विश्व कप जैसी बड़ी प्रतियोगिता की तैयारी नहीं की जा सकती।

उन्होंने वर्ष 2023 के एकदिवसीय विश्व कप का उदाहरण भी दिया। अश्विन ने बताया कि उस समय हार्दिक पांड्या के चोटिल होने के बाद तत्कालीन मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और टीम प्रबंधन ने एक अलग रणनीति अपनाई थी। उन्होंने अतिरिक्त आलराउंडर की तलाश करने के बजाय पांच प्रमुख गेंदबाजों के साथ टीम का संतुलन बनाए रखा और प्रत्येक खिलाड़ी की भूमिका स्पष्ट रखी थी। इसी रणनीति के दम पर भारत फाइनल तक पहुंचने में सफल रहा था, ये तरीका भी वर्तमान समय में अपनाया जा सकता है। साथ ही कहा कि टीम प्रबंधन को अब 17 से 18 खिलाड़ियों का एक स्थायी समूह तैयार कर लेना चाहिए। इस समूह में दो विकेटकीपर, तीन स्पिन गेंदबाज और पांच तेज गेंदबाज शामिल होने चाहिए। वहीं अगले 14 महीनों तक इन्हीं खिलाड़ियों को लगातार अवसर देकर अलग-अलग संयोजन आजमाने चाहिए, जिससे विश्व कप शुरू होने तक सर्वश्रेष्ठ अंतिम एकादश तैयार हो सके। अश्विन का मानना है कि वर्तमान में टीम चयन और रणनीति में स्पष्टता की कमी दिखाई दे रही है, जिसे दूर करना सबसे जरुरी है।

कांग्रेस सरकार की नीतियों पर भाजपा का हमला भगवद्गीता के उपदेश पुस्तक का हुआ विमोचन

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के मीडिया संयोजक मुकेश जैन चौहान द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव, विधायक पायल शंकर, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह तथा अन्य वरिष्ठ प्रदेश नेताओं ने संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राज्य की कांग्रेस सरकार की कार्यशैली और नीतियों पर तीखा प्रहार किया।

प्रेस वार्ता के दौरान नेताओं ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जनहित से जुड़े अनेक मुद्दों पर अपेक्षित कार्य नहीं कर सकी है। उन्होंने जनविरोधी नीतियों, विकास कार्यों में हो रही देरी तथा जनता से किए गए चुनावी वादों को पूरा नहीं करने जैसे विषयों को प्रमुखता से उठाया। भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रदेश की जनता विकास, सुशासन और पारदर्शिता की अपेक्षा कर रही है, लेकिन वर्तमान सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरने में विफल रही है। उन्होंने विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान में हो रही देरी पर भी चिंता व्यक्त की।प्रेस वार्ता के दौरान भगवद्गीता के उपदेश नामक पुस्तक का भी विधिवत विमोचन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की श्रेष्ठ कला का मार्गदर्शन करने वाला अमूल्य ज्ञान है।उन्होंने कहा कि भगवद्गीता का संदेश कर्तव्य, सत्य, धर्म, आत्मानुशासन और नैतिक मूल्यों का मार्ग प्रशस्त करता है तथा वर्तमान समय में भी इसकी शिक्षाएं समाज और मानव जीवन के लिए समान रूप से प्रेरणादायी एवं प्रासंगिक हैं।

तेरापंथ भवन में ज्ञानशाला संपर्क पखवाड़े का शुभारंभ, जागरूकता रैली से बच्चों को ज्ञानशाला से जोड़ने का आह्वान

मुनि श्री दीप कुमारजी के सान्निध्य में निकली भव्य रैली, 20 ज्ञानशालाओं के 170 ज्ञानार्थियों एवं 70 प्रशिक्षिकाओं की सहभागिता

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अहिंसा के शांतिदूत युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी आदि ठाणा-2 के पावन सान्निध्य में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में अखिल भारतीय तेरापंथ महासभा द्वारा निर्देशित ज्ञानशाला संपर्क पखवाड़े का शुभारंभ हुआ। यह अभियान 26 जुलाई से 9 अगस्त तक संचालित किया जाएगा।

चातुर्मासिक मंगल प्रवेश के अवसर पर ज्ञानशाला परिवार की ओर से एक भव्य जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी समापन वर्ष के उपलक्ष्य में ज्ञानार्थियों ने आचार्य भिक्षु के जीवन, दीक्षा तथा ज्ञानशाला के चार प्रमुख स्तंभों को प्रदर्शित करती आकर्षक झांकियां प्रस्तुत कीं। कारखाना, मारेडपल्ली, डी.वी. कॉलोनी एवं काचीगुड़ा ज्ञानशालाओं के विद्यार्थियों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जागरूकता रैली में हैदराबाद क्षेत्र की 20 ज्ञानशाला इकाइयों की लगभग 70 प्रशिक्षिकाओं एवं 170 ज्ञानार्थियों ने भाग लिया। रैली अपने प्रारंभिक स्थल से एस.पी. रोड और पी.जी. रोड होते हुए तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी पहुंची, जहां यह धर्मसभा में परिवर्तित हो गई।

प्रशिक्षिकाओं ने हर्षलता दुधोड़िया द्वारा रचित भावपूर्ण गीतिका के माध्यम से मुनिश्री का स्वागत किया तथा संपर्क पखवाड़े के शुभारंभ पर समाज के सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को ज्ञानशाला जैसे संस्कारप्रधान उपक्रम से जोड़ने का आग्रह किया।

जानकारी के अनुसार, 4 से 14 वर्ष आयु वर्ग के सभी बालक-बालिकाएं ज्ञानशाला से जुड़ सकते हैं। नए शैक्षणिक सत्र में अब तक लगभग 28 नए बच्चों ने ज्ञानशाला में प्रवेश लिया है।

सभा अध्यक्ष सुशील संचेती ने सभी अभिभावकों से आह्वान किया कि गुरुदेव तुलसी द्वारा प्रारंभ किए गए इस महनीय संस्कार अभियान से समाज का कोई भी बालक-बालिका वंचित न रहे। क्षेत्रीय संयोजिका संगीता गोलछा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के समापन पर ज्ञानशाला परिवार के लिए अल्पाहार एवं भोजन की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही ज्ञानार्थियों की सामूहिक कक्षा में आध्यात्मिक एवं संस्कारपरक खेलों का आयोजन भी किया गया।

मुनि श्री दीप कुमारजी के सान्निध्य में संपर्क पखवाड़े के बैनर का अनावरण किया गया। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष सुशील संचेती, मंत्री हेमंत संचेती, क्षेत्रीय संयोजिका संगीता गोलछा, तेलंगाना एवं आंध्र की आंचलिक संयोजिका सरोज लोढ़ा, आंचलिक सहसंयोजिका यशोदा कोठारी, परामर्शक अंजू बैद एवं सीमा दस्साणी, महासभा से लक्ष्मीपत बैद, ज्ञानशाला समिति सदस्य अरिहंत गुजराती, खुशाल भंसाली, राजेंद्र बोथरा, तेरापंथ युवक परिषद के विशाल लूणावत, वीरेंद्र घोषल, विनोद दुगड़, नमिता सिंघी सहित अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

संपर्क पखवाड़े के अंतर्गत नगर त्रय के चारों तेरापंथ भवनों में प्रचार बैनर लगाए गए हैं। प्रतिदिन प्रशिक्षिकाओं द्वारा मुनिश्री के सान्निध्य में एक-एक प्रचार पोस्टर जारी किया जाएगा। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। ज्ञानार्थियों द्वारा तैयार किए गए 15 प्रेरक वीडियो प्रतिदिन प्रसारित कर समाज में ज्ञानशाला के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाएगी।

बांसवाड़ा एमसीएच में कार्रवाई के विरोध में नर्सिंग स्टाफ का प्रदर्शन, सस्पेंशन वापस लेने की मांग

बांसवाड़ा, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा के माता एवं शिशु चिकित्सालय (एमसीएच) में हाल ही में प्रसूता महिलाओं के बीमार होने की घटना के बाद की गई कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को अस्पताल के स्टाफ ने जोरदार प्रदर्शन किया।

गौरतलब है कि करीब 20 दिन पहले एमसीएच में कुछ गर्भवती महिलाओं के बीमार पड़ने के मामले की उच्चाधिकारियों द्वारा जांच की गई थी। जांच में लापरवाही का आरोप लगाते हुए दो स्टाफ नर्सों को निलंबित कर दिया गया था, जबकि एनेस्थीसिया विभाग के एक चिकित्सक को सेवा से हटा दिया गया था।

इसी कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को बड़ी संख्या में नर्सिंग स्टाफ और अन्य अस्पताल कर्मी अस्पताल के मुख्य द्वार के सामने एकत्रित हुए। प्रदर्शनकारियों ने हाथ उठाकर ''सस्पेंशन ऑर्डर वापस लो'' और ''मेडिकल स्टाफ को नौकरी से नहीं निकाला जाएगा'' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शन में महिला कर्मियों के साथ पुरुष स्टाफ ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का आरोप है कि घटना की निष्पक्ष और पूरी जांच किए बिना एकतरफा कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि वे पहले से ही स्टाफ की कमी और संसाधनों के अभाव में काम कर रहे हैं, ऐसे में सिर्फ दो नर्सों और एक डॉक्टर को दोषी ठहराना न्यायसंगत नहीं है।

प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि निलंबित की गई दोनों स्टाफ नर्सों का निलंबन तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए और हटाए गए एनेस्थीसिया विशेषज्ञ को पुनः बहाल किया जाए।

वहीं इस मामले पर अस्पताल अधीक्षक ने कहा कि मरीजों की सुरक्षा सर्वोपरि है और उच्चाधिकारियों ने जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की है। हालांकि उन्होंने आश्वासन दिया कि स्टाफ की समस्याओं और मांगों को उच्चाधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा।

आजादी के 79 साल बाद भी सड़क-पुल को तरस रहा लिंबुर वाडी, दलित बस्ती के लोगों में रोष

डोंगली, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के डोंगली मंडल के लिंबुर वाडी गांव के लोगों की हालत आज भी बेहद दयनीय बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आजादी के 79 साल बीत जाने के बावजूद गांव में आज तक बुनियादी सुविधाएं तक नहीं पहुंच पाई हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि हर चुनाव में नेता वोट मांगने के लिए आते हैं और झूठे आश्वासन देकर चले जाते हैं। वाडी गांव पूरी तरह से दलित आबादी वाला गांव है और यह दलित आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र में आता है।

ग्रामीणों के अनुसार, वर्तमान विधायक ने चुनाव से पहले भरोसा दिलाया था कि वाडी से लिंबुर तक सड़क और पुल का निर्माण जरूर करवाएंगे, ताकि लोगों को आवागमन में सुविधा हो सके। लेकिन चुनाव बीतने के बाद आज तक इस दिशा में कोई काम नहीं हुआ है।

बारिश के दिनों में स्थिति और भी बदतर हो जाती है। सड़क और पुल न होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि वाडी गांव से लिंबुर तक जल्द से जल्द सड़क और पुल का निर्माण कराया जाए, ताकि उन्हें मूलभूत सुविधा मिल सके।

सीआईएसएफ में आयुर्वेद जागरूकता व्याख्यान आयोजित

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आयुष मंत्रालय एवं केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद के दिशा-निर्देशों के तहत राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद द्वारा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के साउथ ज़ोन-द्वितीय मुख्यालय, हाकिमपेट में 'स्वास्थ्य में आयुर्वेद आधारित जीवनशैली का महत्व' विषय पर जन-जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद ने मुख्य वक्ता के रूप में दैनिक दिनचर्या, ऋतुचर्या, संतुलित एवं सात्विक आहार तथा आयुर्वेद के माध्यम से रोगों की रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन के प्रभावी उपायों की जानकारी दी।

प्रश्नोत्तर सत्र में डॉ. जी.पी. प्रसाद एवं अनुसंधान अधिकारी डॉ. संतोष माने ने अधिकारियों, जवानों एवं उनके परिजनों के स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नों का आयुर्वेदिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समाधान किया।

कार्यक्रम के दौरान के. श्रीनिवास राव ने आयुर्वेद, घरेलू उपचार एवं स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित सूचना-पुस्तिकाओं और जन-जागरूकता सामग्री का वितरण किया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण एवं औषधीय पौधों के संवर्धन के उद्देश्य से संस्थान की ओर से सीआईएसएफ परिसर के उद्यान के लिए विभिन्न औषधीय पौधे भी भेंट किए गए।

कार्यक्रम में सीआईएसएफ की सहायक कमांडेंट श्रीमती बिंदु एस. नायर, सहायक कमांडेंट, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कार्यपालक सुमित कुमार दास सहित बड़ी संख्या में जवान एवं उनके परिजन उपस्थित रहे। समापन अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों ने एनआईआईएमएच की इस पहल की सराहना करते हुए आयुर्वेद आधारित स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हाइड्र...

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार के पास हाइड्रा के उद्देश्य, उसकी कार्यप्रणाली और भविष्य की योजना को लेकर पूरी स्पष्टता है। आने वाले दिनों में वरिष्ठ अधिकारियों, विधि विशेषज्ञों और संबंधित विभागों के साथ व्यापक समीक्षा की जाएगी, ताकि आवश्यकता पड़ने पर हाईड्रा की कानूनी और प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए यह अभियान पहले की तरह जारी रहेगा।

दूसरी ओर, उच्च न्यायालय की टिप्पणियों के बाद इस पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया है। न्यायालय ने सरकारी एजेंसियों द्वारा न्यायिक आदेशों के पालन को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया है। अदालत का मानना है कि प्रशासनिक कार्रवाई हमेशा कानून और न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप होनी चाहिए। इसी कारण हाइड्रा की कार्यप्रणाली और कुछ मामलों में की गई कार्रवाई न्यायिक समीक्षा के दायरे में आई है।

राजनीतिक स्तर पर भी इस मुद्दे को लेकर आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। विपक्ष सरकार पर न्यायालय की टिप्पणियों को गंभीरता से लेने का दबाव बना रहा है, जबकि सत्तारूढ़ कांग्रेस का कहना है कि अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई किसी भी स्थिति में नहीं रुकेगी और चाहे कोई कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून सभी पर समान रूप से लागू होगा।

कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि इस पूरे विवाद में दो संवैधानिक सिद्धांत समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। पहला, प्रत्येक सरकारी संस्था पर न्यायालय के आदेशों का पालन करना अनिवार्य है। दूसरा, सरकार को पर्यावरण संरक्षण, सार्वजनिक संपत्तियों की रक्षा और अवैध अतिक्रमण हटाने का वैधानिक अधिकार और दायित्व भी प्राप्त है। इसलिए भविष्य में न्यायालय के निर्देशों और सरकार की कार्रवाई के बीच संतुलन किस प्रकार स्थापित होता है, इस पर पूरे मामले की दिशा निर्भर करेगी।

फिलहाल इतना स्पष्ट है कि हाइड्रा को लेकर कानूनी लड़ाई और राजनीतिक बहस अभी समाप्त होने वाली नहीं है। एक ओर न्यायालय की कार्यवाही आगे बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि हैदराबाद को अतिक्रमण मुक्त बनाने का अभियान सरकार की प्राथमिकता है और कानून के दायरे में रहकर इसे पूरी दृढ़ता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।

हाइड्रा हमारी सबसे बेहतरीन पहल

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपनी सरकार की प्रमुख एजेंसी हाइड्रा की सराहना करते हुए इसे सरकार द्वारा लाया गया एक ऐतिहासिक और महान सुधार करार दिया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किस अधिकारी को कहाँ नियुक्त करना है, यह पूरी तरह से सरकार के विशेषाधिकार पर निर्भर करता है और इस अधिकार को सरकार से कोई नहीं छीन सकता। उन्होंने कहा कि सरकार को न्यायपालिका और अदालतों पर पूरा विश्वास और सम्मान है, और वे किसी भी झूठे मामलों का डटकर मुकाबला करेंगे। मुख्यमंत्री ने हाइड्रा की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि इस संस्था ने अब तक कई झीलों, तालाबों और नालों को अतिक्रमण से बचाया है। हाइड्रा एक उत्कृष्ट संस्था है, जिसने अपने बेहतरीन कार्यों से न केवल राज्य में बल्कि पूरे देश भर में प्रशंसा बटोरी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आने वाले समय में सरकार हाइड्रा को और अधिक मजबूत और अधिकार संपन्न बनाएगी।

कामाकोटी...

वे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) के सदस्य हैं।

भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा गठित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कार्यबल के अध्यक्ष रह चुके हैं।

वे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) तथा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तकनीकी समितियों में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित

प्रो. कामाकोटी का शोध एवं प्रशासनिक अनुभव भी अत्यंत समृद्ध रहा है।

आईआईटी मद्रास में वे संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) के अध्यक्ष तथा औद्योगिक परामर्श एवं प्रायोजित अनुसंधान (आईसी एंड एसआर) के एसोसिएट डीन जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं।

अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं और सम्मेलनों में उनके 150 से अधिक शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

उन्होंने अनेक पीएच.डी. एवं एम.एस. शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया है।

उद्योग और सरकारी अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) संस्थानों की लगभग 50 सफल परियोजनाओं का नेतृत्व और सफल क्रियान्वयन किया है।

प्रमुख पुरस्कार एवं सम्मान

डीआरडीओ अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार

आईईएसए टेक्नो विजनरी पुरस्कार

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी नवाचार राष्ट्रीय फेलोशिप

एसीसीएस लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

आईबीएम फैकल्टी पुरस्कार

वास्विक औद्योगिक अनुसंधान पुरस्कार

सरकारी सूत्रों के अनुसार, प्रो. वी. कामाकोटी का शैक्षणिक, वैज्ञानिक और प्रशासनिक योगदान देश के तकनीकी विकास, सूचना सुरक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। ऐसे में उनकी शैक्षणिक साख को लेकर उठी बहस के बीच उनके कार्यों और उपलब्धियों को भी प्रमुखता से सामने रखा जा रहा है।

कांग्रेस-एनडीए ...

इस टिप्पणी के बाद लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें टोका और सत्तापक्ष के सदस्यों ने जोरदार विरोध दर्ज कराया।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आपत्ति जताते हुए कहा कि प्रियंका गांधी की टिप्पणी नए शिक्षा मंत्री के चरित्र हनन का प्रयास है। उन्होंने कहा कि संसद में इस प्रकार की भाषा का प्रयोग नहीं होना चाहिए और यदि आरोपों का प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया जा सकता तो माफी मांगनी चाहिए। इस पर प्रियंका गांधी ने कहा कि वह अपने बयान के समर्थन में प्रमाण उपलब्ध करा देंगी।

इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी की नियुक्ति पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल में कई योग्य लोग मौजूद थे, लेकिन प्रधानमंत्री ने ऐसे व्यक्ति को शिक्षा मंत्री बनाया, जिस पर उन्होंने दुष्कर्म के आरोपियों का बचाव करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर ऐसी नियुक्ति गलत संदेश देती है।

शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली पर सरकार को घेरा

लोकसभा में अपने संबोधन के दौरान प्रियंका गांधी ने सरकार की शिक्षा नीति और परीक्षा प्रणाली पर भी तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि सरकार ने रोजगार सृजित करने वाले क्षेत्रों को लगातार कमजोर किया है। पेपर लीक की घटनाओं से करोड़ों छात्र प्रभावित हुए, लेकिन अब तक किसी दोषी को सजा नहीं मिली।

उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षण संस्थानों में वैचारिक आधार पर नियुक्तियां की गईं, जिससे संस्थाओं की स्वायत्तता प्रभावित हुई। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के गठन के बाद परीक्षा प्रणाली के अत्यधिक केंद्रीकरण पर भी सवाल उठाए। प्रियंका गांधी ने कहा कि शिक्षा बजट में लगातार कमी आई है और युवाओं का इस व्यवस्था से भरोसा उठ चुका है। उनके अनुसार, विश्वास बहाल करने के लिए केवल उसी व्यवस्था पर निर्भर रहने के बजाय ठोस और व्यापक सुधारों की आवश्यकता है।

धर्मेंद्र प्रधान पर भी साधा निशाना

प्रियंका गांधी ने पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने शर्मनाक परिस्थितियों में इस्तीफा दिया, लेकिन संसद में उनका स्वागत ऐसे किया गया, मानो किसी बड़े समारोह का आयोजन हो रहा हो। उन्होंने कहा कि जिस समय उनका अभिनंदन किया जा रहा था, उसी समय महाराष्ट्र का एक परिवार अपनी बेटी की आत्महत्या का शोक मना रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां जवाबदेही और संवेदनशीलता अपेक्षित थी, वहां उसका अभाव दिखाई दिया।

संसद में हुई इस तीखी नोकझोंक के बाद शिक्षा, परीक्षा सुधार और राजनीतिक जवाबदेही का मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया है।

तो कॉकरोच ...

तो कॉकरोच जनता पार्टी शीघ्र ही व्यापक स्तर पर शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार को छात्रों को निशाना बनाना और उनके खिलाफ कथित विच-हंटिंग (चुन-चुनकर कार्रवाई) बंद करनी चाहिए।

सीजेपी के वरिष्ठ नेता सौरव दास ने भी कड़े शब्दों में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यदि सरकार ने छात्रों से किए गए अपने वादे का पालन नहीं किया, तो संगठन के पास देशव्यापी आंदोलन दोबारा शुरू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

उन्होंने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ द्वारा पारित अंतरिम आदेश, विशेषकर निर्देश संख्या-4, गंभीर चिंता का विषय है। उनके अनुसार इस निर्देश के तहत सरकारों को पहले से दर्ज प्राथमिकी (एफआईआर) पर आगे बढ़ने और जांच जारी रखने की अनुमति दी गई है।

सौरव दास का कहना है कि यह निर्देश भारत सरकार द्वारा 25 जुलाई 2026 को युवाओं को दिए गए उस आश्वासन के विपरीत है, जिसमें सभी प्राथमिकी वापस लेने तथा किसी भी प्रदर्शनकारी को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निशाना न बनाने का भरोसा दिया गया था।

उन्होंने कहा कि इसी सरकारी आश्वासन और विश्वास के आधार पर कॉकरोच जनता पार्टी ने अपना आंदोलन वापस लिया था। अब संगठन को आशंका है कि केंद्र सरकार तथा भारतीय जनता पार्टी शासित राज्य सरकारें अदालत के इस आदेश का उपयोग प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामलों को जारी रखने और उन्हें प्रताड़ित करने के लिए कर सकती हैं।

सीजेपी ने यह भी आरोप लगाया कि अदालत में अंतरिम आदेश का सरकारी वकीलों द्वारा विरोध नहीं किया गया, जबकि केंद्र सरकार इस बात से पूरी तरह अवगत थी कि 25 जुलाई को दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी थी और देर रात तक बातचीत भी जारी रही थी।

पार्टी का कहना है कि पूरी जानकारी के अभाव में पारित यह अंतरिम आदेश स्वीकार्य नहीं है। संगठन के अनुसार हजारों छात्रों और युवाओं को दिए गए भरोसे को कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से समाप्त नहीं किया जा सकता और यह जनता के विश्वास के साथ अन्याय होगा।

सौरव दास ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश में ऐसा कोई निर्देश नहीं है, जो केंद्र या राज्य सरकारों को प्राथमिकी वापस लेने से रोकता हो। उन्होंने बिहार और असम सरकारों का उदाहरण देते हुए कहा कि मामलों को वापस लेने अथवा उन पर आगे कार्रवाई न करने का अधिकार अब भी कार्यपालिका के पास है।

उन्होंने यह भी कहा कि अदालत ने सरकारों को प्राथमिकी पर कार्रवाई करना अनिवार्य नहीं किया है। इसलिए सरकार को 25 जुलाई के अपने वादे से पीछे हटने के लिए न्यायालय के आदेश का बहाना नहीं बनाना चाहिए।

कॉकरोच जनता पार्टी ने मांग की है कि केंद्र और राज्य सरकारें सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपने लिखित आश्वासन की शर्तों को प्रस्तुत करें, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और अदालत भविष्य में समुचित निर्णय ले सके।

संगठन ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर दर्ज सभी प्राथमिकी तत्काल निरस्त करने तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई से उन्हें सुरक्षा प्रदान करने की भी मांग की है।

सौरव दास ने चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार को अपने वादों को पूरा करने के लिए दी गई समय-सीमा समाप्त हो रही है। यदि सरकार अपने आश्वासनों से पीछे हटती है, तो छात्र और युवा एक बार फिर देशभर में आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिंदी शुभ लाभ बुधवार, 29 जुलाई, 2026 हैदराबाद

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से
जुड़ी कोई भी समस्या
का समाधान इस
मो. 8688868345 से पाएं।

अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक की 24वीं वर्षगांठ 2 अगस्त को एक्यूप्रेशर चिकित्सा सेवा का होगा शुभारंभ

अग्रवाल समाज तेलंगाना, बद्री विशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं माधव ऑटिज्म फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित होगा समारोह

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा द्वारा बद्री विशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट, माधव ऑटिज्म फाउंडेशन तथा अन्य सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक की 24वीं वर्षगांठ रविवार, 2 अगस्त को समारोहपूर्वक मनाई जाएगी।

इस संबंध में शाखा पदाधिकारियों, क्लिनिक वर्षगांठ समिति तथा वारंगल भ्रमण समिति के संयोजकों एवं उपसंयोजकों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें वर्षगांठ समारोह की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि वर्षगांठ समारोह क्लिनिक परिसर के समीप स्थित किडहुड प्ले स्कूल (संतोष अग्रवाल के निवास परिसर) में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में बद्री विशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद बी. पित्ती, अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, केंद्रीय समिति के पदाधिकारी, माधव ऑटिज्म फाउंडेशन की संस्थापिका एवं अध्यक्ष डॉ. सुमन सराफ सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

शाखा के सचिव प्रतीक अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम परामर्शदाता ओमप्रकाश पंसारी एवं गिरधारी लाल अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा संयोजक प्रदीप अग्रवाल एवं उपसंयोजक विजय कुंचल, जितेंद्र गोयल और दिनेश पंसारी के संयोजन में आयोजित होगा।

इस अवसर पर क्लिनिक में सेवाएं प्रदान कर रहे डॉ. आर.पी. तोषनीवाल (एलोपैथिक), डॉ. शिखा केडिया (होम्योपैथिक) तथा क्लिनिक के सहयोगियों एवं अन्य सेवाभावी व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा।

शाखा अध्यक्ष एवं क्लिनिक संयोजक डॉ. दिलीप पंसारी ने बताया कि वर्षगांठ समारोह के अवसर पर क्लिनिक में एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति की सेवाओं का शुभारंभ भी किया जाएगा। इस सेवा का संचालन एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ डॉ. कुसुम अग्रवाल द्वारा किया जाएगा, जिससे मरीजों को प्राकृतिक चिकित्सा की एक नई सुविधा उपलब्ध होगी।

बैठक के दौरान शाखा द्वारा 8 एवं 9 अगस्त को आयोजित दो दिवसीय वारंगल भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों और व्यवस्थाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में शाखा उपाध्यक्ष योगेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रोशनलाल मित्तल, केंद्रीय समिति सदस्य अनिल गर्ग, पूर्व अध्यक्ष विजय जिंदल, रितेश झुनझुनूवाला तथा सुरेश धानूका सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए।

सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं : गोपाल गोयल

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए गोपाल गोयल ने कहा कि सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। जो व्यक्ति निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सहायता करता है, वह ईश्वर की सच्ची आराधना करता है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस समर्पण और निरंतरता के साथ मानव सेवा का कार्य कर रहा है, वह वास्तव में पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान सबसे श्रेष्ठ दान माना गया है। भूखे और असहाय लोगों तक सम्मानपूर्वक भोजन पहुंचाना अत्यंत पुण्य का कार्य है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सभी सदस्य बिना किसी भेदभाव के प्रतिदिन सेवा कार्य में जुटे रहते हैं। यह सेवा अभियान केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में प्रेम, करुणा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को भी मजबूत कर रहा है। गोपाल गोयल ने कहा कि प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपने जीवन का कुछ समय और संसाधन समाज सेवा के लिए अवश्य समर्पित करने चाहिए।

जब समाज का प्रत्येक नागरिक सेवा का संकल्प लेगा, तभी एक संवेदनशील और सशक्त समाज का निर्माण होगा।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगतराम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, मनीष चिंडालिया, जय प्रकाश सारड़ा, प्रीतिका अग्रवाल तथा जगन गुप्ता उपस्थित रहे। सभी ने नियमित अन्नदान कार्यक्रम में सेवा देकर जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया तथा राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सेवा अभियान को और अधिक व्यापक बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

तेरापंथ भवन में चातुर्मास आराधना का मंगल शुभारंभ, मुनि श्री दीप कुमारजी बोले

'चातुर्मास आत्मजागरण और आत्मपरिष्कार का स्वर्णिम अवसर'

श्रद्धा, भक्ति और साधना के वातावरण में हुआ कार्यक्रम, बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने लिया धर्मलाभ

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में चातुर्मास आराधना का मंगल शुभारंभ श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी एवं सहवर्ती संत मुनि काव्य कुमारजी के सान्निध्य में विशेष प्रेरणादायी प्रवचन आयोजित किए गए। इस अवसर पर कैसे करें चातुर्मास की आराधना? विषय पर मुनि श्री दीप कुमारजी ने अत्यंत प्रेरणादायी एवं व्यवहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया।

अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में मुनि श्री दीप कुमारजी ने कहा, चातुर्मास अध्यात्म का प्राणवान समय है। यह केवल वर्षा ऋतु का ठहराव नहीं, बल्कि आत्मा के जागरण, संस्कारों के संवर्धन और जीवन के परिष्कार का स्वर्णिम अवसर है। यदि इन चार महीनों में व्यक्ति संयम, तप, स्वाध्याय, ध्यान, सामायिक और सेवा को अपने जीवन का हिस्सा बना ले, तो उसका जीवन धन्य बन सकता है। चातुर्मास का वास्तविक लाभ तभी है, जब हमारे भीतर सद्गुणों की वृद्धि और दुर्गुणों का क्षय हो।

उन्होंने कहा कि धर्म केवल सुनने या जानने का विषय नहीं, बल्कि उसे जीवन में उतारने का नाम है। प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन कुछ समय आत्मचिंतन, जप, स्वाध्याय एवं आराधना के लिए अवश्य निकालना चाहिए। यही चातुर्मास की सच्ची साधना और आत्मकल्याण का मार्ग है। मुनि श्री ने श्रद्धालुओं से चातुर्मास के दौरान नियमित धर्माराधना, प्रवचन श्रवण, प्रतिक्रमण, तप, त्याग एवं सेवा का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि चातुर्मास को केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्म-परिवर्तन का अभियान बनाएं। इस अवसर पर उन्होंने हाजिरी का भी वाचन किया।

सहवर्ती संत मुनि काव्य कुमारजी ने कहा कि आराधना का वास्तविक स्वरूप बाहरी प्रदर्शन में नहीं, बल्कि अपने भीतर के विकारों पर विजय प्राप्त करने में है। उन्होंने कहा कि चातुर्मास आत्मचिंतन, आत्मसंयम एवं संस्कारों को सुदृढ़ बनाने का श्रेष्ठ अवसर है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से प्रतिदिन स्वाध्याय, सामायिक एवं आध्यात्मिक अनुशासन अपनाने की प्रेरणा दी।

वर्षावास स्थापना, सामूहिक प्रतिक्रमण एवं तप संकल्प ने बनाया आयोजन को विशेष

कार्यक्रम के अंतर्गत दोपहर में वर्षावास स्थापना अनुष्ठान संपन्न हुआ, जबकि सायंकाल श्रद्धालुओं ने सामूहिक चातुर्मासिक पक्खी प्रतिक्रमण में सहभागिता कर आत्मशुद्धि का संकल्प लिया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने संतों के प्रेरक प्रवचनों से प्रेरित होकर चातुर्मास को साधना, संयम एवं आत्मविकास का महापर्व बनाने का संकल्प लिया।

धर्मसभा उस समय भाव-विभोर हो उठी जब ऋषभ भूतोड़िया ने श्रद्धाभाव के साथ आठ दिवसीय तपस्या (अष्टाह्निक तप) का प्रत्याख्यान ग्रहण किया।

मुनि श्री दीप कुमारजी ने उन्हें मंगल पच्चखान प्रदान करते हुए कहा कि तप आत्मशुद्धि का सर्वोत्तम साधन है। उन्होंने तपस्वी के उत्साहवर्धन हेतु स्वरचित गीत का भी संगान किया।

इस अवसर पर तपस्वी का स्वागत तेले की तपस्या के संकल्प के साथ किया गया। तेरापंथ सभा, सिकंदराबाद एवं अन्य संबद्ध संस्थाओं ने भी तपस्वी का सम्मान कर उनके आध्यात्मिक संकल्प का अभिनंदन किया।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के तेलंगाना संयोजक मनोनीत होने पर अविनाश देवड़ा का विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, गुजराती ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष तरुण मेहता तथा अखिल भारत पाटीदार समाज के जसवंत सुरानी ने श्री देवड़ा का अभिनंदन करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

तिरुमला के हाथीरामजी मठ में आज होगा भव्य गुरु पूजनोत्सव

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी धाम स्थित श्री स्वामी हाथीरामजी मठ में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आज बुधवार को भव्य गुरु पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मठ से जुड़े परम गुरुभक्त शिव नारायणदास जी और प्रमोददास जी महाराज ने बताया कि श्री वेंकटेश्वर भगवान की असीम कृपा से मठ में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी परम पूज्य गुरुदेव 1008 महंत श्री अर्जुन दास जी महाराज का गुरु पूजन समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रातः 9 बजे से विधि-विधान के साथ गुरु पूजन प्रारंभ होगा, जिसमें उपस्थित भक्त और शिष्यगण भाग लेंगे। पूजन के पश्चात प्रवचन, संस्कार संदेश और भव्य प्रसाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में गुरुभक्त तिरुमला पहुंच रहे हैं।

बेगम बाजार में नियमित अन्नदान सेवा का कारवां निरंतर जारी

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को श्रद्धा, सेवा और समर्पण के भाव से भोजन वितरित किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है और इससे जरूरतमंदों की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त होता है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के संकल्प के साथ अपने नियमित अन्नदान अभियान को आगे बढ़ा रहा है। संस्था का उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समाज में मानवता, करुणा और सेवा के संस्कारों को भी मजबूत करना है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल एवं रेणु शर्मा सहित अनेक सेवा सहयोगियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई और सभी ने इस सेवा अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

ब्रह्मर्षि समाज का 'सावन की सैर' कार्यक्रम 2 अगस्त को ड्रीम वैली रिसॉर्ट में जुटेंगे समाज के परिवार

विशेष बैठक में तैयारियों को अंतिम रूप, अष्टयाम कार्यक्रम की रूपरेखा पर भी हुआ मंथन

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रह्मर्षि समाज, हैदराबाद की विशेष बैठक रविवार को कसूरी रेस्टोरेंट में समाज के अध्यक्ष इंद्रदेव प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। समाज के महासचिव पंकज कुमार (चार्टर्ड अकाउंटेंट) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में आगामी 2 अगस्त को आयोजित होने वाले सावन की सैर तथा 14-15 अगस्त को प्रस्तावित अष्टयाम कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष सावन की सैर का आयोजन रविवार, 2 अगस्त 2026 को ड्रीम वैली रिसॉर्ट में किया जाएगा। यह दिनभर का पारिवारिक मिलन एवं मनोरंजन कार्यक्रम होगा, जिसमें समाज के सदस्यों एवं उनके परिवारों के लिए स्वादिष्ट व्यंजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मनोरंजक खेल, संगीत तथा विभिन्न मनोरंजन गतिविधियों का आयोजन रहेगा। बैठक में कार्यक्रम की सफलता के लिए विभिन्न जिम्मेदारियों का वितरण किया गया। आमंत्रण पत्र तैयार करने की जिम्मेदारी प्रियंका एवं पंकज कुमार को सौंपी गई। मनोरंजन कार्यक्रम की जिम्मेदारी महिला अध्यक्ष गीतू शर्मा के नेतृत्व में कार्यकारिणी सदस्य पूजा मिश्रा एवं स्वप्निल मिश्रा को दी गई। रिसॉर्ट में व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी महासचिव पंकज कुमार के साथ कार्यकारिणी सदस्य अमर सिंह को सौंपी गई, जबकि उपाध्यक्ष अनीता राय कार्यक्रम के विभिन्न आयोजनों का समन्वय करेंगी। समाज के सदस्यों को आमंत्रित करने का दायित्व मुकेश कुमार, गोविन्द जी राय, सुजीत ठाकुर, मानवेन्द्र मिश्र, विनोद राय, सुधा राय तथा मनोज शाही को सौंपा गया।

बैठक में डॉ. आशा मिश्र 'मुक्ता', राजेश मिश्रा एवं सुनीता शाही ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। आयोजन की व्यवस्थाओं, जिम्मेदारियों के निर्धारण तथा सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी पर विशेष बल दिया गया।इसके साथ ही 14 एवं 15 अगस्त को आयोजित होने वाले अष्टयाम कार्यक्रम की रूपरेखा पर भी विस्तृत चर्चा की गई। इस संबंध में शीघ्र ही एक और बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया।बैठक के अंत में अध्यक्ष इंद्रदेव प्रसाद सिंह एवं महासचिव पंकज कुमार ने समाज के सभी सदस्यों एवं उनके परिवारों से 2 अगस्त को ड्रीम वैली रिसॉर्ट में आयोजित सावन की सैर में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

मेडिकल रिपोर्ट में चोटों की पुष्टि उदय कृष्णा रेड्डी हिरासत में

18 जुलाई की मेडिकल जांच में गला दबाने, गाल और पैर पर चोटों की पुष्टि

पुलिस ने मिर्यालगुडा से हिरासत में लिया, बुधवार को उप्परपल्ली कोर्ट में होगी पेशी

गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले उदय ने कहा था मैं फरार नहीं, जांच में पूरा सहयोग कर रहा हूं

पुलिस ने चार विशेष टीमें गठित कर चलाया था तलाश अभियान

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अपने ही बैच की एक महिला ट्रेनी IPS अधिकारी द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न, स्टॉकिंग, ब्लैकमेलिंग और शारीरिक हमले के आरोपों से जुड़े बहुचर्चित मामले में मंगलवार को जांच ने महत्वपूर्ण मोड़ ले लिया। मामले में पीड़िता की कराई गई चिकित्सकीय जांच की रिपोर्ट में शरीर पर चोटों की पुष्टि हुई है। इसी बीच पुलिस ने आरोपी ट्रेनी IPS अधिकारी उदय कृष्णा रेड्डी को मिर्यालगुडा से हिरासत में ले लिया। अधिकारियों के अनुसार उन्हें बुधवार को उप्परपल्ली कोर्ट में पेश कर आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

पुलिस के अनुसार पीड़िता की मेडिकल जांच 18 जुलाई को, यानी शिकायत दर्ज होने वाले दिन ही कराई गई थी। डॉक्टरों की रिपोर्ट में गले पर दबाव डालने (गला घोंटने) के स्पष्ट निशान, गाल पर सूजन और चोट तथा बाएं पैर पर भी चोट दर्ज की गई है। जांच अधिकारियों का मानना है कि मेडिकल रिपोर्ट मामले के महत्वपूर्ण साक्ष्यों में से एक है और इसे अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के साथ मिलाकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

इस मामले में महिला ट्रेनी IPS अधिकारी ने आरोप लगाया है कि प्रशिक्षण के दौरान उदय कृष्णा रेड्डी ने उनका लगातार पीछा किया, मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया, उनकी निजी जानकारी और वीडियो का दुरुपयोग करने की कोशिश की तथा उन्हें ब्लैकमेल किया। शिकायत के आधार पर अट्टापुर पुलिस स्टेशन में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने घटनाक्रम, डिजिटल साक्ष्यों और अन्य तथ्यों की जांच शुरू की।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मामला दर्ज होने के बाद आरोपी अपने दोनों ज्ञात पतों पर उपलब्ध नहीं मिला और उसका मोबाइल फोन भी बंद पाया गया। इसके बाद राजेंद्रनगर पुलिस ने चार विशेष जांच टीमें गठित कीं, जिन्होंने विभिन्न स्थानों पर तलाश अभियान चलाया। पुलिस ने उदय कृष्णा रेड्डी को मिर्यालगुडा क्षेत्र से हिरासत में लिया। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के बाद उन्हें नियमानुसार न्यायालय में पेश किया जाएगा।

गौरतलब है कि हिरासत में लिए जाने से लगभग चार घंटे पहले उदय कृष्णा रेड्डी ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने मीडिया से कहा था कि वे फरार नहीं हैं और जांच से बचने का कोई प्रयास नहीं कर रहे हैं। उनका कहना था कि मीडिया में उनके फरार होने की खबरें सही नहीं हैं। उन्होंने बताया कि उनकी दादी की तबीयत बिगड़ने के कारण वे आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले स्थित अपने पैतृक गांव गए थे। उन्होंने स्वयं को एक साधारण ग्रामीण परिवार से कड़ी मेहनत के बल पर भारतीय पुलिस सेवा तक पहुंचने वाला अधिकारी बताते हुए कहा कि वे कानून और न्यायपालिका पर पूरा विश्वास रखते हैं तथा जांच में पूरा सहयोग करेंगे।

उधर, जांच अब मेडिकल रिपोर्ट, पीड़िता के बयान, डिजिटल साक्ष्यों, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य उपलब्ध प्रमाणों का मिलान कर रही हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी तरह साक्ष्यों के आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है और किसी भी पहलू को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

राजेंद्रनगर डीसीपी श्रीनिवास ने कहा कि पूरे मामले की जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और विधिसम्मत तरीके से की जा रही है। उन्होंने कहा कि उपलब्ध सभी साक्ष्यों का वैज्ञानिक परीक्षण कराया जा रहा है तथा जांच पूरी होने के बाद कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पोचम्मा मंदिर में सनसनीखेज डकैती: आस्था पर प्रहार, 20 लाख के आभूषण और दानपेटी पार

साक्ष्य मिटाने के लिए रिकॉर्डर भी उखाड़ ले गए बेखौफ बदमाश

हैदराबाद, 28 जुलाई भ लाभ ब्यूरो)। रंगारेड्डी जिले के गंदीपेट मंडल स्थित खानापुर गांव में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब अति-प्राचीन और आस्था के केंद्र श्री श्री श्री पोचम्मा मंदिर में सोमवार आधी रात को बेखौफ बदमाशों ने एक बड़ी और दुस्साहसिक चोरी को अंजाम दिया। आषाढ़ मास और पवित्र बोनालू उत्सव के बीच हुई इस वारदात से पूरे क्षेत्र के ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश और गम का माहौल है। चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर गर्भगृह में प्रवेश किया और माता पोचम्मा के स्वर्ण एवं रजत आभूषणों समेत मंदिर की दानपेटी पर हाथ साफ कर दिया। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, चोर 20 लाख रुपये से अधिक मूल्य की संपत्ति बटोर ले गए। वारदात को अंजाम देने के बाद पुलिस को गच्चा देने और साक्ष्य मिटाने की नीयत से शातिर अपराधी मंदिर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों के तार काटकर रिकॉर्डर भी अपने साथ उखाड़ ले गए।

घटना का खुलासा सुबह उस वक्त हुआ जब मंदिर के पुजारी और स्थानीय सेवादार नित्य पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे और मुख्य द्वार के टूटे ताले तथा बिखरा हुआ सामान देखा। सूचना मिलते ही नरसिंगी थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स और क्लूस टीम को तुरंत बुलाया गया, जिन्होंने मंदिर परिसर, मुख्य द्वारों और आसपास के रास्तों से सूक्ष्म फॉरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए। हालांकि बदमाशों ने मंदिर के भीतर का सीसीटीवी रिकॉर्डर गायब कर दिया है, लेकिन पुलिस ने खानापुर गांव, गंदीपेट मुख्य मार्ग और आसपास की व्यावसायिक दुकानों में लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है ताकि संदिग्धों के आने-जाने के रास्तों का सुराग लगाया जा सके।

मंदिर समिति के सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों का मानना है कि इस योजनाबद्ध वारदात को बिना पूर्व रेकी के अंजाम देना असंभव है। जिस सफाई से बदमाशों ने सुरक्षा व्यवस्था को निशाना बनाया और कीमती सामान वाले स्थान तक पहुंचे, उससे इस बात की प्रबल आशंका जताई जा रही है कि इसमें मंदिर की दिनचर्या और परिसर के चप्पे-चप्पे से वाकिफ किसी स्थानीय 'भेदी' या संगठित गिरोह का हाथ है। फिलहाल नरसिंगी पुलिस ने अज्ञात अपराधियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष टीमों का गठन किया है। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि फॉरेंसिक साक्ष्यों और तकनीकी निगरानी के आधार पर जल्द ही इस गिरोह का पर्दाफाश कर चोरी गया माल बरामद कर लिया जाएगा। यह सनसनीखेज वारदात केवल एक आपराधिक घटना भर नहीं है, बल्कि यह समाचार पत्र के माध्यम से समाज, पुलिस प्रशासन और मंदिर प्रबंधन के लिए कई बड़े और गंभीर संदेश रेखांकित करती है। बोनालू जैसे प्रमुख त्योहार के दौरान, जब धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त होनी चाहिए, तब आधी रात को हुई यह डकैती पुलिस की रात्रि गश्त की पोल खोलती है और शासन पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का सीधा दबाव बनाती है। इसके साथ ही यह घटना राज्य भर की मंदिर समितियों और ट्रस्टों के लिए एक बड़ा अलर्ट है कि केवल सीसीटीवी कैमरे लगा देना काफी नहीं है, बल्कि डिजिटल रिकॉर्डर को किसी बेहद सुरक्षित या गुप्त स्थान पर रखना, नाइट अलार्म लगाना और सुरक्षा गार्ड तैनात करना अब अनिवार्य हो चुका है। अपराधियों द्वारा सीधे आभूषणों को निशाना बनाना और रिकॉर्डर चुरा ले जाना यह साफ दर्शाता है कि वारदात से पहले मंदिर की दिनचर्या की सटीक रेकी की गई थी, जो जनता को अपने आसपास के संदिग्ध व्यक्तियों पर सतर्क नजर रखने का संदेश देती है। इस प्रहार से उपजा जन-आक्रोश स्थानीय नागरिकों और ग्राम समितियों को एकजुट होकर अपने-अपने इलाकों की सुरक्षा के प्रति खुद भी जागरूक और सक्रिय होने के लिए प्रेरित करता है, जबकि नरसिंगी पुलिस और क्लूस टीम फिलहाल फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर डकैतों की तलाश में जुटी हुई है।

आंध्र प्रदेश में ट्रक-वैन की टक्कर से तीन श्रद्धालुओं की मौत, नौ घायल

विजयानगरम, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश में विजयानगरम जिले के चेल्लुरु गांव के पास मंगलवार को तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी वैन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गये।

पुलिस के अनुसार तीन परिवार के करीब 16 लोग एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ओडिशा के रायगड़ा जा रहे थे। जब उनकी वैन चेल्लुरु गांव के पास रुकी, तभी पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में चिंतापल्ली रामबाबू (50), मज्जी नारायण राव (50) और बी. मोहन नायडू (8) की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी।

दुर्घटना में घायल हुए नौ लोगों को तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों के अनुसार दो लोगों की हालत बेहद चिंताजनक बनी हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया और यातायात सुचारू कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चेन्नई में गुरु पूर्णिमा महामहोत्सव-2026 श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना के साथ संपन्न

चेन्नई, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, चेन्नई केंद्र एवं श्री ब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति के संयुक्त तत्वावधान में चेन्नई में श्री गुरु पूर्णिमा महामहोत्सव-2026 श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। परम पूज्य ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के दिव्य सान्निध्य में आयोजित इस महोत्सव में मॉरीशस व भारत के प्रधानमंत्री सहित देश विदेश के अनेक मंत्रियों व नेताओं ने अपना मैसेज भेजकर तथा वैश्विक स्तर पर हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर गुरु चरणों में अपनी श्रद्धा, कृतज्ञता अर्पित की। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन, सामूहिक ध्यान, गुरु पूजन एवं प्रार्थना में भाग लेकर आत्मिक शांति और दिव्य आनंद का अनुभव किया।

पैटर्न गुरु प्रकाश खिवसरा एवं जगदीश कडवल के प्रमुख सौजन्य में हुए इस आयोजन में अपने आशीर्वचनों पूज्यश्री ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी ने कहा कि गुरु मनुष्य के जीवन का सबसे बड़ा प्रकाश हैं। सद्गुरु ही वह दिव्य शक्ति है, जो अज्ञान के अंधकार को दूर कर आत्मज्ञान का दीप प्रज्वलित करती है तथा आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कहा कि जीवन की वास्तविक सफलता धन, वैभव अथवा सांसारिक उपलब्धियों में नहीं, बल्कि आत्मिक शांति, ईश्वर से जुड़ाव और मानव सेवा में निहित है। यह दिव्य मार्ग सद्गुरु की कृपा, श्रद्धा और समर्पण से ही प्राप्त होता है।

ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी ने धर्म के महत्व पर कहा कि धर्म केवल पूजा-पाठ का विषय नहीं, बल्कि सत्य, न्याय, करुणा और मानवता की रक्षा का मार्ग है। उन्होंने कहा कि धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए साहस एवं दृढ़ता आवश्यक है। उन्होंने राष्ट्रप्रेम का संदेश देते हुए कहा कि विदेश चाहे कितना भी आकर्षक क्यों न हो, अपना देश सदैव सर्वोपरि रहता है।

भारत की आध्यात्मिक परंपरा का उल्लेख करते हुए वे बोले, यह ऋषियों, संतों और दिव्य अवतारों की पुण्यभूमि है तथा विश्व आज भी भारत के आध्यात्मिक ज्ञान की ओर आशा भरी दृष्टि से देख रहा है। उन्होंने कहा कि आज अनेक देशों में युद्ध हो रहा है।जबकि वहां की जनता युद्ध नहीं अपितु बुद्ध चाह रही है।

इस अवसर पर ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी ने आश्रम की ग्लोबल चेयरपर्सन सरला बाई बोथरा को उपासिका (मां) तथा राजेश जैन उपासक (पुत्र) पदवी का जिम्मा देकर नवाजा गया। जो आश्रम ओर से आध्यात्मिक परंपरा का दायित्व संभालेंगे। उपस्थित श्रद्धालुओं ने हर्ष और श्रद्धा के साथ स्वागत किया।

ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी ने नारी शिक्षा को समाज परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए घोषणा की कि प्रत्येक बेटी को शिक्षित बनाने के उद्देश्य से देशभर में 2100 एआई आधारित आधुनिक विद्यालय स्थापित करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में आधुनिक तकनीकी शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक संस्कारों का भी समन्वय किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के उद्य-ोगपति जुगल तनेजा बेंगलूरु में करोड़ों रुपये की लागत से एआई आधारित अस्पताल और आधुनिक शिक्षा पद्धति पर आधुनिक विद्यालय स्थापित करने की योजना पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धन की वास्तविक सार्थकता तभी है जब उसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और मानव सेवा जैसे लोक कल्याणकारी कार्यों में किया जाए।

ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी ने कहा कि "दान देने वाला ही वास्तविक अर्थों में धनी होता है।" उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे निस्वार्थ भाव से समाज और भगवान के कार्यों में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि जब कोई कार्य पूर्ण समर्पण और ईश्वरभाव से किया जाता है, तब वह कार्य भगवान का कार्य बन जाता है और उसकी सफलता का मार्ग स्वयं प्रशस्त हो जाता है।

अपने संदेश में ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी ने कहा कि भगवान और गुरु से अपना आध्यात्मिक संबंध जितना गहरा होगा, जीवन के कष्ट उतने ही दूर होते जाएंगे। उन्होंने कहा कि सद्गुरु का सान्निध्य आत्मा के जागरण का दिव्य अवसर है। जो व्यक्ति गुरु के प्रति श्रद्धा, विश्वास और समर्पण रखता है, उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन स्वतः आने लगते हैं। गुरु मनुष्य को स्वयं की पहचान कराते हैं और उसे प्रेम, सेवा, करुणा, सत्य तथा मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। महामहोत्सव के दौरान एक अत्यंत भावपूर्ण क्षण तब आया जब परम पूज्य ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी ने झोली फैलाकर उपस्थित श्रद्धालुओं से भिक्षा मांगी। यह भिक्षा धन या वस्तुओं की नहीं थी, बल्कि उन्होंने भक्तों से उनके भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, लोभ, मोह और अहंकार को भिक्षा के रुप में अर्पित करने का आह्वान किया।

ब्रह्मर्षिजी ने कहा कि जब मनुष्य इन विकारों का त्याग कर देता है, तभी उसके भीतर प्रेम, करुणा, शांति और ईश्वर का प्रकाश स्थापित होता है। इस अनूठे आध्यात्मिक संदेश ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। गुजरात से गौरव आचार्य सैकड़ो श्रद्धालुओं के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके अतिरिक्त देश के अनेक राज्यों से बड़ी संख्या में भक्त अपने परिवारों एवं साधक समूहों के साथ महोत्सव में पहुँचे। कार्यक्रम के समापन पर विश्व शांति, मानव कल्याण और समस्त प्राणियों के सुख-समृद्धि के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई। श्रद्धालुओं ने गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त कर प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर अनेक राज्यों से मंत्री, सांसद, न्यायाधीश, प्रशासनिक अधिकारी के इलावा साध्वी संघमित्राजी, एमएस. बिट्टा, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, राजस्थान से केबिनेट मंत्री केके. बिश्नोई, केसी. बिश्नोई, विजय शर्मा, संदीप सक्सेना (आईईएस), प्रदीप यादव (आईईएस), मंगत शर्मा (आईईएस), अविनाश कुमार (आईईएस), कृष्णमूर्ति, अल्बर्ट, सुभाष चंद्र (कमिश्नर), बच्चू सिंह (एडीएम, गाज़ियाबाद), रमेश सांखला, आचार्य श्रीनिवास श्रीमाली, घनश्याम मोदी, शांतिलाल मेहता, आशीष मेहता, जितेंद्र श्रीमाली, प्रिया गोलेछा, ओमप्रकाश शर्मा, संजय शर्मा, सुभाष चंद्रा, प्रमोद पालीवाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं श्रद्धालु कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

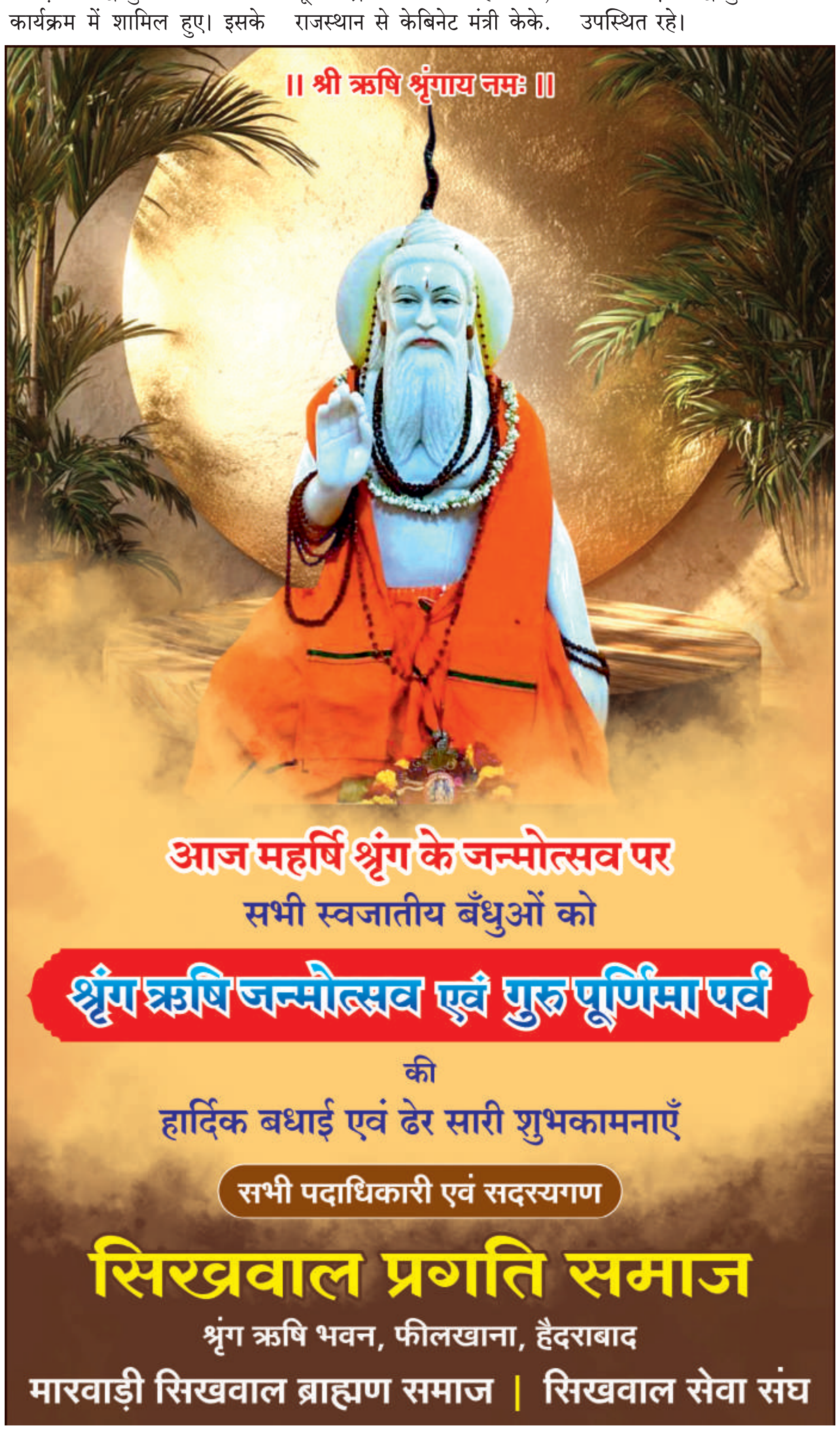

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.